राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में झारखंड

• बोकारो, शनिवार, 22 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 96 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु.• RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

जेएसएससी-सीजीएल और सीडीपीओ परीक्षा रद्द करने के आदेश पर रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार की ओर से परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने संबंधी अधिसूचना को चुनौती देने वाली चार अलग-अलग याचिकाओं पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने जेएसएससी-सीजीएल और सीडीपीओ परीक्षा का विज्ञापन रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी।

अदालत ने जेएसएससी-सीजीएल समेत सीडीपीओ, एफआरओ और एफएसओ परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अमृतांश वत्स और पीएएस पति ने अदालत में पक्ष रखा। याचिकाओं में राज्य सरकार द्वारा सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना पदाधिकारी)

परीक्षा का विज्ञापन रद्द करने के फैसले को चुनौती दी गई है। साथ ही जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा और उससे संबंधित नियुक्तियों को रद्द करने के आदेश के खिलाफ भी याचिका दायर की गई है।

कुछ याचिकाकर्ताओं ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा तथा फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के फैसले को भी चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सीडीपीओ और जेएसएससी की 11वीं से 13वीं परीक्षा रद्द करने के मामले में राज्य सरकार और जेपीएससी से जवाब मांगा है।

सीआइडी जांच के बाद लिया गया था परीक्षाएं रद्द करने का फैसला

सीआइडी जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय लिया था, जिनमें टीढीपीएल एजेंसी की भूमिका सामने आई थी। यह एजेंसी प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन का काम करती है। इसके अलावा सरकार ने वर्ष 2014 के बाद आयोजित सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं की जांच कराने की घोषणा भी की थी।

22 परीक्षाएं रद्द, छह स्थगित और 17 जांच के दायरे में

इसके बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने परीक्षा रद्द करने, कुछ परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित करने और अन्य परीक्षाओं को जांच के दायरे में लाने संबंधी अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, 22 परीक्षाएं रद्द की गई हैं, जबकि छह परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित की गई है। वहीं, 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में रखा गया है।

खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ कांग्रेस का 27 अगस्त से शुरू होगा चरणबद्ध आंदोलन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। खान एवं खनिज संशोधन विधेयक और अयोध्या राम मंदिर से जुड़े चंदा अनियमितता के आरोपों को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और सांसद सुखदेव भगत ने रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आंदोलन की रूपरेखा की जानकारी दी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि 27 अगस्त को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर विधेयक के प्रावधानों पर विरोध दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि 7 सितंबर को रांची में लोक भवन के समक्ष एकदिवसीय धरना आयोजित किया जाएगा। वहीं, 9 से 16 सितंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड में खनिजों से मिलने वाली सेस राशि का उपयोग विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में किया जाता है। उनका आरोप है कि संसद से पारित खान एवं खनिज संशोधन विधेयक से राज्य को मिलने वाली राशि प्रभावित होगी। इससे मंईयां योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षा और स्वास्थ्य समेत अन्य योजनाओं के लिए उपलब्ध राशि में कमी आ सकती है।

बिहार के विकास व नेपाल जल परियोजना पर दिल्ली में मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान नेपाल के पानी, बिहार के बजट और पर्यटन विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में भारत-नेपाल जल एवं बांध परियोजनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बिहार के डिप्टी सीएम विजय चौधरी और जनता दल यूनाइटेड के राज्यसभा सांसद संजय झा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार शाम पटना से दिल्ली पहुंचे थे। शुक्रवार सुबह उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय मंत्रियों निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर के साथ अहम बैठक की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास, राज्य की समृद्धि और जनहित से जुड़े विषयों को केंद्र के सामने मजबूती से रखा गया है। उन्होंने बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार समन्वय के साथ आगे बढ़ने की दिशा में काम कर रही हैं। बिहार सरकार

नेपाल से आने वाली नदियों की बाढ़ को रोकने के लिए जल प्रबंधन और किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने वाली परियोजनाओं पर फोकस कर रही है। केंद्र सरकार ने हाल ही में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के तहत कोसी-मेची इंट्रा स्टेट लिंक परियोजना के लिए केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बीते बुधवार को सुपौल जिले के छातापुर ब्लॉक स्थित चैनपुर गांव में निर्माणाधीन कोसी-मेची इंटर स्टेट नदी लिंक परियोजना का निरीक्षण किया था। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय समय सीमा में काम पूरा करने का निर्देश दिया था। सरकार के अनुसार, 6282.32 करोड़ रुपये की इस परियोजना का उद्देश्य सीमांचल के अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार जिलों की 214813 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना है। इसके तहत अररिया में 69,642 हेक्टेयर, पूर्णिया में 69,970 हेक्टेयर, किशनगंज में 39,548 हेक्टेयर और कटिहार में 35,653 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। परियोजना के तहत कोसी नदी के अतिरिक्त पानी को लिंक नहर के जरिए मेची नदी में भेजा जाएगा। इसे मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पूर्वी कोसी मुख्य नहर की पानी ले जाने की क्षमता 15,000 क्यूसेक से बढ़ाकर 20,000 क्यूसेक की जाएगी। परियोजना के तहत चार शाखा नहरें, छह वितरिकाएं और अन्य आवश्यक नहर प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा।

भर्ती व्यवस्था में सुधार को लेकर छात्रों का आंदोलन फिर होगा तेज, 24 अगस्त से निकलेगी 'भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े मामलों में सीआईडी जांच रिपोर्ट को झारखंड हाई कोर्ट में मजबूती से प्रस्तुत नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। रांची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितता, भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता के खिलाफ छात्रों के आंदोलन का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि 24 अगस्त से 'भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा' निकाली जाएगी। इस यात्रा के माध्यम से छात्रों के साथ-साथ झारखंड की जनता के बीच भर्ती प्रक्रिया में सुधार को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने

कहा कि आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन के अगले चरण में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। इसके बाद जरूरत पड़ने पर आर्थिक नाकेबंदी जैसे कदम भी उठाए जाएंगे। महतो ने स्पष्ट किया कि छात्रों के आंदोलन में अब किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। छात्र नेता ने राज्य सरकार से मांग की कि वह यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में होने वाली सरकारी नियुक्तियों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो। उन्होंने कहा कि छात्रों को भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और समयबद्धता की गारंटी चाहिए। देवेंद्र नाथ महतो ने आरोप लगाया कि जेपीएससी और जेएसएससी सीजीएल मामले में राज्य सरकार ने सीआईडी जांच रिपोर्ट को झारखंड हाई कोर्ट के समक्ष प्रभावी तरीके से नहीं रखा। उनके अनुसार, इसी कारण न्यायालय ने मामले में स्टे ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ काम करना चाहिए। साथ ही उन्होंने छात्रों से आगामी आंदोलन में एकजुट होकर भाग लेने की अपील की।

22 और 23 अगस्त के विशेष शिविर में पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने में सहयोग करें : के. रवि कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर 22 एवं 23 अगस्त 2026 को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित होने वाले दूसरे एवं अंतिम विशेष शिविर को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल एजेंटों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि ऐसे सभी पात्र भारतीय नागरिक, जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 को या उससे पहले 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है या हो जाएगी और जिनका नाम एसआईआर के तहत प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 एवं निर्धारित घोषणापत्र भरकर नाम शामिल कराने के लिए आवेदन अवश्य जमा करें। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ऐसे पात्र नागरिकों को चिन्हित कर आवेदन जमा कराने में सहयोग करें।

के. रवि कुमार ने राजनीतिक दलों से नगर निगम एवं शहरी क्षेत्रों में भारतीय नागरिकों को एसआईआर में भाग लेने और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रचार-प्रसार करने की अपील की। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में वार्ड सदस्यों और पूर्व वार्ड सदस्यों की बैठक संबंधित एईआरओ स्तर पर आयोजित की जाएगी। वार्ड सदस्य और पूर्व वार्ड सदस्य मतदाताओं को सहयोग करने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआईआर के दौरान 'एक परिवार—एक मतदान केंद्र' की व्यवस्था भी प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जानी है। यदि किसी परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं या वर्तमान मतदान केंद्र निवास स्थान से दूर है, तो निकटतम एक ही मतदान केंद्र पर नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे मतदाता जो वर्तमान में झारखंड के सामान्य निवासी हैं, लेकिन उनका नाम किसी अन्य राज्य की मतदाता सूची में दर्ज है, वे वर्तमान झारखंड पते से संबंधित मतदान केंद्र की मतदाता सूची में स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 एवं निर्धारित घोषणापत्र के साथ आवेदन जमा करें। के. रवि कुमार ने बताया कि 22 एवं 23 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित होंगे। इसमें बीएलओ उपस्थित रहेंगे। पात्र नागरिक संबंधित प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के लिए इसीआइएनइटी ऐप अथवा भारत निर्वाचन आयोग के वोटर्स' सर्विस पोर्टल का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। इसमें राजनीतिक दलों, बीएलए-2, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता महत्वपूर्ण है। एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और किसी विदेशी नागरिक का नाम शामिल न हो, इसके लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का सहयोग अपेक्षित है।उन्होंने कहा कि यदि कोई विदेशी नागरिक गलत घोषणापत्र भरकर मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास करता है, तो उसके संबंध में फॉर्म-7 के माध्यम से अपील की जा सकती है। ईआरओ स्तर पर सुनवाई के बाद आवश्यक आदेश जारी किए जाएंगे। बैठक में राज्य ट्रेनिंग नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसएनएमएमसीएच में मेडिकल छात्रों की ग्रेजुएशन सेरेमनी

2020 बैच के एमबीबीएस छात्रों की पढ़ाई पूरी होने पर आयोजित समारोह
50 से अधिक छात्रों को मिला प्रमाणपत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) परिसर में मेडिकल छात्रों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। समारोह में वर्ष 2020 बैच के 50 से अधिक एमबीबीएस छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान मेडिकल शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। धनबाद के एसएनएमएमसीएच में आयोजित इस ग्रेजुएशन सेरेमनी में छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में कॉलेज के विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य, प्रिंसिपल और कई प्रोफेसर मौजूद रहे। वर्ष 2020 बैच के छात्र-छात्राओं ने अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद इस विशेष समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान 50 से अधिक छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रों ने कहा कि डॉक्टर बनने का सपना केवल उनका नहीं, बल्कि उनके माता-पिता और पूरे परिवार का सपना होता है। जब वर्षों की मेहनत और पढ़ाई के बाद मेडिकल की डिग्री पूरी होती है और माता-पिता अपने बच्चों को प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए देखते हैं, तो यह पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी का पल होता है। ग्रेजुएशन सेरेमनी के दौरान छात्रों ने अपने शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति आभार जताया। समारोह में मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद अब आगे की जिम्मेदारियों और डॉक्टर के रूप में समाज की सेवा करने के संकल्प का भी संदेश दिया गया। वर्षों की कड़ी मेहनत, पढ़ाई और संघर्ष के बाद एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने वाले इन छात्रों के लिए यह दिन बेहद खास रहा। आयोजित ग्रेजुएशन सेरेमनी ने न सिर्फ छात्रों को सम्मानित किया, बल्कि उनके माता-पिता और शिक्षकों के लिए भी इसे गर्व का यादगार पल बना दिया।

झारखंड विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले में रांची के विधानसभा थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को एक अज्ञात व्यक्ति ने विधानसभा के कुछ कर्मचारियों को फोन कर धमकी दी थी। फोन करने वाले ने कर्मचारियों से विधानसभा नहीं जाने को कहा था। पुलिस को 20 अगस्त को धमकी की जानकारी मिली। इसके बाद रांची पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल विधानसभा परिसर की सुरक्षा जांच कराई। बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने विधानसभा परिसर को बारीकी से खंगाला और संभावित स्थानों की जांच की। हालांकि, जांच के दौरान कहीं से कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए पुलिस तकनीकी जांच कर रही है। जिस मोबाइल नंबर से फोन आया था, उसे ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस कॉल डिटेल समेत अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। धमकी देने के पीछे की वजह का भी पता लगाया जा रहा है।

पुतला दहन करने पहुंचे छात्रों और जेएमएम कार्यकर्ताओं में झड़प, मारपीट का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। झारखंड हाईकोर्ट के हालिया आदेश के विरोध में शुक्रवार शाम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने पहुंचे जेएसएससी सीजीएल अभ्यर्थियों और झामुमो कार्यकर्ताओं के बीच गिरिडीह में विवाद हो गया। घटना झंडा मैदान और टावर चौक के आसपास हुई, जहां छात्रों ने आरोप लगाया कि पुतला दहन का विरोध करते हुए झामुमो कार्यकर्ताओं ने उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की तथा पुतला छीन लिया। मौके पर पुलिस भी मौजूद थी। इधर, मामले को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपना पक्ष रखा है। झामुमो के जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि पार्टी खान और खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में टावर चौक पर आंदोलन कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि कुछ अभ्यर्थी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि झामुमो कार्यकर्ताओं ने अभ्यर्थियों से संवैधानिक तरीके से आंदोलन करने और न्यायिक प्रक्रिया का सहारा लेने की अपील की। जारी प्रेस विज्ञप्ति में झामुमो ने कहा है कि "हेमंत सोरेन का अपमान झारखंड बर्दाश्त नहीं करेगा" तथा खान और खनिज संशोधन विधेयक वापस लेने तक आंदोलन जारी रहेगा। संजय सिंह ने अभ्यर्थियों से किसी राजनीतिक दल के बहकावे में नहीं आने और अपने भविष्य व पढ़ाई पर ध्यान देने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश से असहमति होने पर संबंधित पक्ष उच्च न्यायालय के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकते हैं। झामुमो के अनुसार, अभ्यर्थियों से बातचीत के बाद सभी कार्यकर्ता पुनः टावर चौक लौट गए और खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ उनका आंदोलन देर रात तक जारी रहा। हालांकि छात्रों द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों पर झामुमो की ओर से प्रेस विज्ञप्ति में कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

कफ सिरप की बड़ी खेप जब्त, तीन युवक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई में रांची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रातू थाना क्षेत्र में छापेमारी कर प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 100 एमएल की 570 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की गई है। रांची पुलिस के अनुसार, एसएसपी को सूचना मिली थी कि रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित हाजी चौक के आसपास प्रतिबंधित कफ सिरप की अवैध खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में डीएसपी अजय आर्यन के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई। विशेष टीम ने फुटकल टोली, बोस नगर स्थित केयरिंग हैंड्स हॉस्पिटल के पास एक सुनसान

जगह पर छापेमारी की। इस दौरान तीन संदिग्धों को पांच कार्टून में रखे विंग्स ऑनरेक्स कोडिन कफ सिरप की डिलीवरी के लिए इंतजार करते पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वहाजुल अंसारी, शहनवाज अंसारी और नईम अंसारी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे रांची के अलग-अलग इलाकों में प्रतिबंधित कफ सिरप ऊंची कीमतों पर बेचते थे। मामले में रातू थाना में कांड संख्या 279/26 दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने के लिए जांच कर रही है।

डूबने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। शहर के छठ तालाब में आज नहाने के दौरान डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक शशि मुंडा (30) पिता स्व। सरयू मुंडा धंगर टोली मुहल्ला का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार शशि मुंडा छठ तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान वह तालाब के गहरे पानी में चला गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ तालाब के पास जुट गयी। एएसआई प्रवीण कुमार दल बल के साथ वहां पहुंचे और मामले की जानकारी ली। डेढ़ घंटे तक शव को निकालने की तैयारी की जा रही थी। इस बीच सूर्या क्लब के स्थानीय गोताखोर सतीश उर्फ अक्कू ने तालाब में उतरकर काफी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला। परिजन शव देख दहाड़ मारकर रोने लगे, जिससे माहौल गमगीन हो गया।

63 लाख से अधिक वोटरों को भेजी गयी नोटिस, 24 अगस्त से होगी सुनवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्य भर में 63,24,116 मतदाताओं को नोटिस भेजा जा रहा है। इन मतदाताओं को भारत का नागरिक होने के साथ-साथ वोटर लिस्ट में पाई गई विसंगतियों का जवाब देना होगा। 24 अगस्त से ऐसे मतदाताओं की होने वाली सुनवाई को लेकर शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक हुई, जिसमें उनसे दावा एवं आपत्ति के दौरान सहयोग मांगा गया।

जिलावार सबसे ज्यादा नोटिस रांची में : चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा नोटिस रांची जिले में मतदाताओं को भेजा जा रहा है, जिनकी संख्या 6,89,283

है। इसके बाद दूसरे नंबर पर गिरिडीह जिला है, जहां 5,33,553 मतदाताओं को नोटिस भेजा जा रहा है। तीसरे नंबर पर धनबाद जिला है, जहां 4,73,891 और चौथे नंबर पर राज्य का पूर्वी सिंहभूम जिला है, जहां 4,59,314 मतदाताओं को नोटिस का जवाब देना होगा। पांचवें नंबर पर हजारीबाग जिला है, जहां 4,16,052 मतदाताओं को नोटिस का जवाब देना होगा। ये वैसे मतदाता हैं जो या तो नो मैपिंग श्रेणी में हैं या जिनका डेमोग्राफिकल सिमिलर एंट्री है। सबसे ज्यादा तार्किक विसंगति श्रेणी के वोटर हैं, जिनकी संख्या 45,55,227 है। संदेह के घेरे में आए इन मतदाताओं में वैसे वोटर हैं जिनका नाम पिछले एसआईआर से यदि मैच करता है मगर नाम या माता-पिता के नाम में अशुद्धि या जन्म तिथि या एक से अधिक जगहों पर वोटर लिस्ट में नाम है तो उन्हें नोटिस का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। इसमें राजनीतिक दलों, बीएलए-2, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर तथा नागरिकों की सक्रिय सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और किसी भी विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो, इस हेतु सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का सहयोग अपेक्षित है। कोई विदेशी नागरिक अगर मतदाता सूची में शामिल होने के लिए गलत घोषणापत्र भरकर गलत तरीके से शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं तो उनका फॉर्म-7 भरकर अपील करें। ईआरओ स्तर पर इनकी सुनवाई करते हुए आवश्यक आदेश जारी किए जाएंगे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासन-जनता के बीच सीधा संवाद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे 50 से अधिक फरियादियों ने बिजली बिल, भूमि विवाद, पेंशन, पारिवारिक विवाद, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास और राशन कार्ड समेत विभिन्न समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों पर त्वरित निष्पक्ष पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम

नागरिकों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और प्रत्येक आवेदन का निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-सीमा के भीतर निष्पादन होना चाहिए।तत्काल समाधान वाले मामलों पर विशेष जोर उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों का समाधान तत्काल स्तर पर संभव है उनका शीघ्र निष्पादन किया जाए। वहीं जांच या अन्य स्तरों की कार्रवाई वाले मामलों को भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा8 करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनावश्यक देरी के कारण आम नागरिकों को बार बार कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। आवेदनों की मॉनिटरिंग के निर्देश उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा और मॉनिटरिंग करते हुए कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराने का निर्देश दिया। जनता दरबार में कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि जनता दरबार केवल शिकायतें सुनने का मंच नहीं, बल्कि प्रशासन को आम नागरिकों की वास्तविक समस्याओं से सीधे जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रशासन का प्रयास है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े और पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर मिले।मौके पर सहायक समाहर्ता यश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

काव्य-मणिमाला के निपुण मालाकार हैं डॉ. रत्नेश्वर सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। काव्य-साहित्य में अत्यंत मूल्यवान अवदान दे रहे मंचों के लोकप्रिय कवि डा रत्नेश्वर सिंह काव्य-मणिमाला के निपुण मालाकार हैं। जिस निपुणता से वे काव्य की मणि-माला में शब्द-मणि पिरोते हैं, वह दर्शनीय है। उनमें केवल काव्य-लालित्य और चकित के मन पर उन्हीं भावों का गहरा प्रभाव उत्पन्न करती हैं, जिन भावों के घनीभूत होने से वह कवि के मानस से उतर कर कंठ से प्रसूत हुई है। डा सुलभ ने कहा कि लोकार्पित पुस्तक, एक प्रकार से डा रत्नेश्वर के संपूर्ण साहित्यिक व्यक्तित्व को प्रकाश प्रदान करती है। इसमें कवि की कृतियाँ भी हैं और कवि पर

करने वाली काव्य-कल्पनाएँ ही नहीं, भाव का गांभीर्य, समाज की मार्मिक-पीड़ा और लोक-मंगल के दिव्य भाव भी लक्षित होते हैं, जो किसी भी काव्य को पूर्ण और अर्थपूर्ण बनाने के लिए अनिवार्य तत्त्व हैं। यह बातें शुक्रवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, सम्मेलन द्वारा प्रकाशित और कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय द्वारा संपादित पुस्तक 'सर्जना के स्वर रत्नेश्वर' के लोकार्पण-समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि 'कविता' की परिभाषा के आलोक में रत्नेश्वर की रचनाएँ श्रेष्ठ मानी जानी चाहिए, क्योंकि इनकी रचनाएँ, पाठकों और श्रोताओं अनेक समकालीन कवियों साहित्यकारों के विचार भी हैं, जो कवि के संपूर्ण व्यक्तित्व को समझने का व्यापक आधार प्रदान करते हैं। शब्दों की मणिमाला गुँथने में परमात्मा ने इन्हें दिव्य कौशल प्रदान करने की महनीय कृपा की है। समाज की पीड़ा को जिस चेतना से इन्होंने समझा है, वह किसी भी कवि को अर्थवान और मूल्यवान बना सकती है। उन्होंने पुस्तक के संपादक और कवि श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय को भी उनके उद्यम के लिए बधाई दी। इस अवसर पर सम्मेलन अध्यक्ष ने ग्वालियर से पधारीं वरिष्ठ कवयित्री डा शकुन्तला तोमर को सम्मेलन की ओर से 'साहित्य साधना सम्मान' से विभूषित किया।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे पुल के पास गड्ढे से पांच किलो गांजा बरामद

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बरारी थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब पांच किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अंचल पदाधिकारी मनीष कुमार के साथ संयुक्त रूप से छापेमारी कर रेलवे फाटक संख्या 5-बी के भीतरगामी पुल के समीप एक गड्ढे से काले

रंग का बैग बरामद किया। बैग के अंदर पांच पैकेट में गांजा रखा हुआ था। हालांकि, मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।बरारी थाना के पुलिस पदाधिकारी पुअनि राजनेता कुमार एवं संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि रेलवे फाटक संख्या 5-बी के भीतरगामी पुल के पास एक गड्ढे में काले रंग का बैग पड़ा है। बैग में मादक पदार्थ होने की जानकारी मिलने के बाद सूचना का सत्यापन किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने बरारी के अंचल पदाधिकारी मनीष कुमार के साथ मौके पर पहुंचकर गड्ढे की तलाशी ली।तलाशी के दौरान पुलिस को काले रंग का बैग मिला। बैग खोलकर जांच करने पर उसमें पांच पैकेट में गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे का कुल वजन करीब पांच किलो है। पुलिस ने गांजा जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बैग को वहां किसने छिपाया था और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। तस्करी से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन विभाग के निदेशक ने किया गोशालाओं का निरीक्षण

भागलपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य सरकार के पशुपालन विभाग के निदेशक उज्ज्वल कुमार सिंह ने आज जिले के विभिन्न गौशालाओं का निरीक्षण किया और इसके बेहतर संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न गौशालाओं में पशुओं के रख-रखाव, चारा-पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं व्यवस्थाओं में कमी आने पर उसमें शीघ्र सुधार करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ((सदर) विकास कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने निदेशक श्री सिंह को गौशालाओं से संबंधित व्यवस्थाओं तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया। इसके साथ ही कई योजनाओं के क्रियान्वयन, पशुपालकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा गौशालाओं के संचालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी जानकारी साझा की गई। पशुपालन निदेशक ने गौशालाओं में पशुओं की समुचित देखभाल, स्वच्छता, चारा-पानी एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बेंगलुरु में ट्रक की चपेट में आने से बड़हरा के युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

बड़हरा/भोजपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के पूर्वी गुंडी गांव निवासी नागेंद्र गोंड के पुत्र किशन गोंड उर्फ राजा गोंड (22) की बेंगलुरु में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि किशन गोंड रोजगार के सिलसिले में बेंगलुरु गया था। वहां उसने मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोल रखी थी। बुधवार को दुकान के लिए सामान खरीदने बाजार जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी ने उसे तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। किशन चार भाई-बहनों में मझला था। उसके परिवार एक बडी बहन एवं दो छोटे भाई बहन है। उसके पिता नागेंद्र गोंड पिछले करीब चार वर्षों से लकवे से पीड़ित हैं। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी संभालने में किशन का अहम योगदान था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

जिला पदाधिकारी ने राजस्व शाखा के कार्यों की समीक्षा की

भोजपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला पदाधिकारी, भोजपुर श्री मनेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में आज राजस्व शाखा के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिमार्जन, राजस्व महाअभियान, लंबित मामलों के डिस्पोजल, दाखिल-खारिज सहित विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी महोदय ने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजस्व संबंधी कार्यों को मिशन मोड में संचालित करते हुए नियमित अनुश्रवण एवं प्रभावी समीक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिला पदाधिकारी महोदय ने कहा कि राजस्व सेवाएं सीधे आमजनों से जुड़ी हैं, इसलिए आवेदनों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने परिमार्जन, दाखिल-खारिज एवं सहित अन्य कार्यों में तेजी लाने तथा आमजनों को ससमय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

मधुबन में ग्रे वाटर और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर प्रशासन सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के मधुबन में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। मधुबन गेस्ट हाउस में अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरी की अध्यक्षता में जैन धर्मशाला, ट्रस्ट और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर ग्रे वाटर मैनेजमेंट और सॉलिड वास्ते मैनेजमेंट की समीक्षा की गई बैठक में प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, धनबाद के क्षेत्र पदाधिकारी ने ग्रे वाटर के उचित प्रबंधन के साथ-साथ गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण, संग्रहण एवं निस्तारण की जानकारी दी। संस्थाओं को पर्यावरणीय

मानकों और सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया।प्रशासन ने संस्थाओं से उनके परिसरों में कचरा प्रबंधन और जल निकासी की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी ली। बढ़ती श्रद्धालु एवं पर्यटकों की संख्या को देखते हुए वैज्ञानिक, प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया।संस्थाओं को गीले-सूखे कचरे को अलग रखने, ग्रे वाटर का उचित प्रबंधन करने तथा कचरे का निर्धारित तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में प्रशासन और संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करने पर भी जोर दिया गया बैठक में एसडीओ डुमरी, बीडीओ पीरटांड़, सीओ पीरटांड़, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद धनबाद के क्षेत्र पदाधिकारी सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अवैध पत्थरों से लदी बोलेरो जब्त, चालक फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गावां अवैध खनन और पत्थरों के परिवहन के खिलाफ गावां वन प्रक्षेत्र की टीम ने बुधवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए सफेद बैरल पत्थरों से लदी एक बोलेरो वाहन को जब्त किया है कार्रवाई सहायक वन संरक्षक गावां को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई वन पाल राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि सूचना मिली थी कि डोडलखार जंगल के रास्ते अवैध रूप से सफेद बैरल पत्थर लोड कर जामडार की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर गावां-पटना मुख्य मार्ग पर भेलवा के समीप वाहन को पकड़ लिया वन विभाग की कार्रवाई के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर बोलेरो का चालक मौके से फरार हो गया टीम ने वाहन को जब्त कर गावां वन परिसर में लाया अब वन अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है वन विभाग के अनुसार बोलेरो के नंबर के आधार पर वाहन मालिक का पता लगाया जा रहा है साथ ही अवैध खनन और पत्थर परिवहन के इस कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है वन विभाग ने कहा है कि क्षेत्र में अवैध खनन एवं पत्थरों के अवैध परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली बच्चों के बीच लायंस क्लब ने बांटे स्कूल बैग और पठन-पाठन सामग्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट की ओर से प्राथमिक विद्यालय पेसरागंढा, बनखंजो में 75 स्कूली बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। विद्यालय के शिक्षकों ने लायंस क्लब के इस सामाजिक कार्य की सराहना की लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ए के रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने कहा कि लायंस क्लब लगातार सामाजिक कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करता रहा है। बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन

लायन राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि क्लब की ओर से आगे भी बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जाएंगे इस अवसर पर क्लब की ओर से दुर्गा मंडप पेसरागंढा के स्थापना समारोह में पूजा में शामिल श्रद्धालुओं के बीच शीतल जल, कोल्ड ड्रिंक्स एवं कॉफी का भी वितरण किया गया कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन, सचिव डॉ. सुमन कुमार, लायन उदय भादानी, लायन गौतम सागर, लायन राहुल कुमार, लायन डॉ. दीपक कुमार, लायन सौरव महासेठ, लायन अरुण कुमार साव, लायन राहुल कृष्णा सहित क्लब के कई सदस्य मौजूद रहे।

कटिहार आयोजना क्षेत्र के जीआइएस आधारित मास्टर प्लान की समीक्षा

नगर आयुक्त संतोष कुमार ने नोडल पदाधिकारी को दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम के कार्यालय कक्ष में नगर आयुक्त संतोष कुमार की अध्यक्षता में नोडल पदाधिकारियों एवं एजेंसी एक्सेल जियोमेटिक प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।बैठक में कटिहार आयोजना क्षेत्र के जीआइएस आधारित मास्टर प्लान के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान मास्टर प्लान से संबंधित विभिन्न प्रगति कार्यों की स्थिति पर चर्चा करते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। नगर आयुक्त श्री कुमार ने संबंधित नोडल पदाधिकारियों एवं एजेंसी के

प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में तेजी लाने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्यों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक में मास्टर प्लान से जुड़े कार्यों की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर भी आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर राहुल कुमार, नुर अली खान, इकरा सहित अन्य मौजूद रहे।

सांसदीय विकास समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी/कटिहार। सांसद प्रतिनिधि सह संयोजक कटिहार संसदीय विकास समिति सुनील कुमार यादव की अध्यक्षता में बरारी विधानसभा मे बैठक आयोजित की गई।इस बैठक मे कटिहार जिले मे कुल 96 केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं का संचालन हो रहा है। जिसके अनुश्रवण एवं निगरानी के लिए सांसद की अध्यक्षता मे दिशा समिति कार्यरत है। इन योजनाओं की प्रगति,चयन एवं गुणवत्ता के संबंध मे जमीनी वास्तविकता जानने के लिए कटिहार संसदीय विकास समिति के संयोजक सुनील कुमार यादव ने मो. जहाँगीर आलम को बरारी विधानसभा का संयोजक

मनोनीत किया है।इस बैठक मे मुख्य रूप से प्रहलाद गुप्ता, मो सलीम, अखिलेश पोद्दार, दिलीप ठाकुर, सद्दाम, महेश चौधरी, परवेज आलम, सिराज, सत्यनारायण चौधरी, राजेंद्र प्रसाद यादव, गणेश यादव, सुरजीलाल चौधरी, जहांगीर आलम, मिथिलेश सिंह, मुनेश्वर ठाकुर एवं भगवत प्रसाद भगत उपस्थित रहे ।

समाज के उत्थान और मंडल के विकास को लेकर माहुरी वैश्य मंडल की आमसभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । माहुरी वैश्य मंडल गिरिडीह की ओर से गुरुवार को स्थानीय माहुरी छात्रावास में आमसभा का आयोजन किया गया सभा में समाज के उत्थान संगठन की मजबूती और गिरिडीह मंडल के सर्वांगीण विकास को लेकर विभिन्न रचनात्मक प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई कार्यक्रम की शुरूआत जय माँ मथुरासिनी के जयघोष के साथ हुई संचालन राजकुमार चरणपहाड़ी ने किया जबकि अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने की सभा में माहुरी वैश्य महामंडल के पदाधिकारियों गिरिडीह मंडल के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे सचिव अजय गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आमसभा में समाज के विकास को

लेकर सदस्यों ने महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक सुझाव दिए हैं उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्राप्त सुझावों पर कार्यकारिणी समिति गंभीरता से विचार करेगी और चरणबद्ध तरीके से उनके क्रियान्वयन की दिशा में पहल की जाएगी उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता से संगठन को और मजबूत बनाया जा सकता है कार्यक्रम के अंत में आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं कार्यकताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया मौके पर उमाशंकर चरणपहाड़ी राजेन्द्र तर्वे अशोक गुप्ता प्रभात तर्वे आलोक कुमार मनीष गुप्ता नवीन सेठ नवीन गुप्ता अजीत गुप्ता राजकुमार गुप्ता कंचन एकघरा उदय गुप्ता दिनेश गुप्ता ब्रिजेश गुप्ता संजय भदानी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

कहलगांव पुलिस ने भीषण चोरी कांड का किया उद्भेदन, दो आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कहलगांव (भागलपुर) । जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के गंगा नगर गली में विगत दिनों एक सूने घर में हुई भीषण चोरी की घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। और उनके पास से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण व नकदी बरामद की है। विगत छः अगस्त को गंगानगर इलाके के गली संख्या - तीन निवासी अनीता देवी (पति स्व. प्रयाग सरकार) घर में भीषण चोरी की घटना हुई थी। इस घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव के निर्देश और नगर पुलिस अधीक्षक की निगरानी में एक विशेष संयुक्त टीम का गठन किया गया था। जिसमें शामिल एसडीपीओ कहलगांव-01 स्नेह सेतु, भागलपुर डीआईयू और कहलगांव थाना के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने तकनीकी साक्ष्यों एवं स्थानीय सूचना के आधार पर सबसे पहले राजा सहनी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि उसने चोरी के पैसों से अपने घर की ढलाई कराई थी। और एक मोबाइल फोन खरीदा था। राजा सहनी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने उसकी दुकान से चोरी का सामान खरीदने वाले सोनार मनीष कुमार को गिरफ्तार किया। जिसकी दुकान से तमाम आभूषण बरामद किए गए। राजा सहनीः पिता - दीना सहनी (मूल निवासी - गोड़ी टोला लालू पोखर, कासिम बाजार, मुंगेर; हाल पता - सहनी टोला, कहलगांव) मनीष कुमार पिता - मुन्ना ठाकुर (निवासी - पूरब टोला, कहलगांव -आभूषण खरीदार/सोनार)।

साक्ष्य के अभाव में दोनों आरोपित बरी

पुलिस टीम पर था हमला करने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के बहुचर्चित पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। गढ़वा व्यवहार न्यायालय के जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ आशुतोष कुमार पांडेय के न्यायालय ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में मामले के दोनों अभियुक्तों रामकेश राम और बिन्हाई राम को बाइज्जत बरी कर दिया है। करीब नौ साल तक चली लंबी सुनवाई के बाद आए इस फैसले से बचाव पक्ष में खुशी है।

घटना 30 अगस्त 2018 की है। मेराल थाना क्षेत्र के चरका पत्थर टोला में जुआ खेले जाने की गुप्त सूचना पर पुलिस टीम छापेमारी करने पहुंची थी। इस टीम में सअनि अशोक कुमार सिंह, गिरवर दास, उमेश मांझी, सिपाही रवींद्र कुमार पासवान, श्रीकांत पासवान, पुलिस वाहन चालक संतोष कुमार तिवारी और चौकीदार अयोध्या राम शामिल थे।

पुलिस का आरोप था कि छापेमारी के दौरान घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना के संबंध में मेराल थाना में कांड संख्या 133/2018 दर्ज किया गया था, जिसमें रामकेश राम और बिन्हाई राम को नामजद अभियुक्त बनाते हुए जेल भेज दिया गया था। बाद में इस मामले का ट्रायल जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ के न्यायालय में (एस.टी. 249/2019) शुरू हुआ।

मालदा-आनंद विहार एक्सप्रेस से ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर(मुंगेर)। रेल क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सीआईबी की टीम को बड़ी सफलता मिली है। मालदा-आनंद विहार एक्सप्रेस ट्रेन से 200 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान मोहम्मद गुलफार, पिता मोहम्मद तसलीम, दिलावरपुर वार्ड नंबर 25 मुंगेर निवासी के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार ट्रेन के भागलपुर से जमालपुर आने के दौरान सीआईबी टीम ने जमालपुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर सर्च अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से 200 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। बरामद ब्राउन शुगर की बाजार कीमत करीब दो लाख रुपये बताई जा रही है।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार युवक ने बताया कि वह भागलपुर से ब्राउन

शुगर खरीदकर मुंगेर लाता था और यहां इसकी सप्लाई करता था। मामले में टीम ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।कार्रवाई में सीआईबी के सुधांशु कुमार सुधा, कांस्टेबल गौतम कुमार, कांस्टेबल एसके सुमन, स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार, एएसआई मोतीलाल, राजपत्रित अधिकारी तथा सहायक अभियंता राजीव कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।बताया गया कि इससे पूर्व भी सीआईबी टीम द्वारा रेल क्षेत्र में दो बार ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लगातार चल रहे अभियान से रेलखंड पर नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

पटना की धरती पर गूंजा फिल्मी क्लैप

सत्यकेतु सिंह की 4 ओटीटी फिल्मों की शूटिंग शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/सोनपुर। बिहार के पटना और सोनपुर से बॉलीवुड ओटीटी इंडस्ट्री के लिए बड़ी खबर सामने आई है। डैफोडिल्स एंटरटेनमेंट और भारत श्री फिल्म्स के बैनर तले बन रही 4 नई वर्टिकल हिंदी डळळ फिल्मों की ऑन-लोकेशन शूटिंग आज से पटना और दीघा-सोनपुर में शुरू हो गई है।

जिन 4 फिल्मों की शूटिंग एक साथ शुरू हुई है, उनके नाम हैं - रिपोर्टर साब, बवाल हो गया, दुल्हन फरार और झोलाछाप डॉक्टर।

इन फिल्मों के निमार्ता सत्यकेतु सिंह और भरत अग्रवाल हैं, निर्देशन अश्वनी कुमार अश्व कर रहे हैं और प्रचारक संजय भूषण पटियाला हैं। मुहूर्त के मौके पर पूरी टीम मौजूद रही।

बिहार पृष्ठभूमि पर निमार्ता सत्यकेतु सिंह ने कहा - ₹मैं मुजफ्फरपुर, बिहार का रहने वाला हूँ और पिछले कई सालों से मुंबई में कई फि ल्में प्रोड्यूस कर रहा हूँ। मैंने बाहर रहकर एक बात महसूस की कि हमारे बिहार में टैलेंट की कमी नहीं है, लेकिन मौके की कमी है।

मैं चाहता हूँ कि बिहार में भी अच्छी, साफ-सुथरी और रोजगार देने वाली फिल्में बनें। इसीलिए मैंने जान-बूझकर अपनी इन चारों फिल्मों की शूटिंग मुंबई में नहीं, बल्कि अपने घर - पटना और सोनपुर में शुरू की है। मेरा मकसद सिर्फ फिल्म बनाना नहीं, बल्कि मुंबई के दूसरे बड़े प्रोड्यूसर्स को भी इंस्पायर करना है कि वो बिहार आएं और यहाँ शूट करें।₹

उन्होंने आगे कहा, ₹बिहार में इंडस्ट्री तो है, कलाकार भी हैं, कहानियां भी हैं, लेकिन शूटिंग की बेसिक सुविधा आज भी नहीं है। कैमरा, लाइट, प्रॉपर टीम आज भी हमें मुंबई से मंगानी पड़ती है, जबकि इंडस्ट्री में काम करने वाले 70% टेक्नीशियन खुद बिहार के ही हैं।

अगर सरकार के सहयोग से पटना में एक प्रॉपर लाइन प्रोडक्शन और टेक्निकल हब बन जाए, तो मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि बिहार पूरे देश का बेस्ट शूटिंग डेस्टिनेशन बन सकता है।₹

इन फिल्मों में आदर्श आनंद, नितीश कुणाल राय, प्रेम कुमार, त्रिशाकर मधु, सोनू बोल्ट जैसे चर्चित कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। ये चारों फिल्में जल्द ही रॉकेट रील ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होंगी।

एक करोड़ के बीज एवं दवा चोरी का मामला दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। सारठ शांति चौक के नीचे किसान बीज भंडार से लगभग एक करोड़ रुपए कीमत का बीज एवं दवा चोरी करने का मामला सामने आया है। दुकान के मालिक दिलीप कुमार मंडल ने दुकान में काम कर रहे एग्रो सीड कंपनी के स्टाफ डिंडाकोली निवासी प्रदुम कुमार मंडल, ओझाडीह गंडा निवासी पिंटू कुमार पंडित के खिलाफ थाना में शिकायत दर्ज कराया है।दुकानदार का कहना है कि पिछले एक साल से दोनों आरोपितों द्वारा हेराफेरी की जा रही थी। दुकान के स्टाक में गड़बड़ी दिखने पर विक्रय पंजी से मिलान किया। इसके बाद बीज लेने वाले दुकानदार से जानकारी ली गई। संबंधित दुकानदार द्वारा बताया गया कि उन्हें कम दाम पर बीज मिल जा रहा है। जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

उन्हीं के कहने पर उनके पुत्र को भी दुकान में रखा था। लेकिन उनके विश्वास के साथ धोखा कर पिता पुत्र ने लाखों रुपए का चुना लगा दिया। वहीं पिंटू पंडित बगल के ही गांव का ही रहने वाला है। दिलीप मंडल ने कहा कि इनके बैंक खातों की जांच से मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी। पुलिस मामले में जुट गई है।

दुकानदार पंचायत के पूर्व मुखिया रह चुके हैं। लोगों के कहने पर उन्होंने गुरुवार की रात को सारठ में व्यवसायी अनिल कुमार राय, दिलीप चौधरी, संकुल झा, पप्पू गुप्ता, जिप सदस्य प्रतिनिधि उमाशंकर मंडल, सारठ मुखिया प्रतिनिधि अनिल राव सहित सारठ एवं डिंडाकोली पंचायत के कई गांवों के करीब 200 ग्रामीणों के साथ बैठक कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया। लेकिन बैठक में मामला नहीं सुलझने पर पुलिस को सूचना दी गई। बैठक के दौरान पंचों के सामने प्रदुम ने बताया कि पिंटू पंडित ने पांच सौ रुपए पैकेट वाला बीज तीन सौ रुपए में देने पर सहमति हुई थी। प्रत्येक दिन वे पिंटू पंडित के सहयोग से अपने बैग में बीज का पैकेट भर कर गोदाम से निकाल कर बाहर अन्य दुकानों में बेचते थे।

रेल क्वार्टरों में बिजली चोरी की जांच से अवैध कब्जाधारियों में बेचैनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर(मुंगेर)। रेल प्रशासन के निर्देश पर रामपुर रेल कॉलोनी में शुक्रवार को रेल क्वार्टरों में विद्युत चेकिंग अभियान चलाया गया। सीडब्ल्यूएम के निर्देश पर डिप्टी विद्युत बीपी के मिज की देखरेख में चले अभियान के दौरान रेल क्वार्टरों में बिजली कनेक्शन और विद्युत उपयोग की जांच की गई। जांच के दौरान अवैध तरीके से बिजली का उपयोग करने वाले लोगों की सूची तैयार की गई।रेल अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य रेल आवासों में बिजली के अनधिकृत उपयोग और चोरी पर रोक लगाना है। टीम ने क्वार्टरों में लगे विद्युत कनेक्शन, मीटर सहित अन्य व्यवस्था की जांच की। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित लोगों की जानकारी दर्ज की गई।इधर रामपुर रेल कॉलोनी में लगातार चल रहे जांच और कार्रवाई अभियान को लेकर रेल की जमीन पर अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहने वालों के बीच भी कार्रवाई का भय देखा जा रहा है। कॉलोनी में विद्युत जांच के साथ रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जे और अनधिकृत रूप से रहने वालों पर भी रेल प्रशासन की नजर है। इससे अवैध कब्जाधारियों में बेचैनी बढ़ गई है।अभियान के दौरान सीनियर सेक्शन इंजीनियर कुंदन कुमार, अशोक कुमार, आरपीएफ के हेड कांस्टेबल महादेव ढाली सहित रेलवे के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। रेल प्रशासन की ओर से आगे भी इस तरह की जांच जारी रहने की संभावना है।

टिकट जांच को लेकर हड़कंप

जमालपुर(मुंगेर)। मालदा मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारियों की अचानक टिकट जांच को लेकर शुक्रवार को जमालपुर रेलवे स्टेशन पर कुछ देर के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई। मालदा मंडल परिचालन प्रबंधक गुड्स सचिन कुमार, पीसीसीएम उदय शंकर झा, सीनियर डीसीएम कार्तिक सिंह सहित अधिकारियों की टीम अचानक जमालपुर स्टेशन पहुंची और प्लेटफार्म तथा ट्रेनों में टिकट जांच अभियान शुरू कर दिया।अधिकारियों के अचानक स्टेशन पहुंचने की सूचना मिलते ही स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार सहित अन्य रेल अधिकारियों में भी हलचल तेज हो गई। टीम ने सबसे पहले प्लेटफार्म संख्या दो पर यात्रियों के टिकट की जांच शुरू की। जांच के दौरान बिना वैध टिकट यात्रा कर रहे कई यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे रेलवे नियमों के तहत जुमार्ना वसूला गया।इसके बाद अधिकारियों की टीम ने मालदा-किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित डीएमयू ट्रेनों में भी टिकट जांच अभियान चलाया। ट्रेन में बिना टिकट के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों की जांच की गई तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया गया।

देसी शराब के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजी नगर। हथौड़ी थाना क्षेत्र के पुनमा धरमपुर गांव में पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए 4 लीटर देसी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान कृष्ण कुमार महतो एवं दयानंद पाल के रूप में की गई है

हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को क्षेत्र में शराब की खरीद-बिक्री एवं परिवहन की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुनमा धरमपुर क्षेत्र से दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 4 लीटर देसी शराब बरामद की गई थाना अध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद दोनों युवकों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है पुलिस की इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। थाना अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा और इस धंधे में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोने की 15 अंगूठियां लेकर शातिर फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बोचहां थाना क्षेत्र में ग्राहक बनकर आभूषण खरीदने पहुंचे दो शातिर बदमाश ज्वेलरी कारोबारी को करीब 6 लाख रुपये का चूना लगाकर फरार हो गए। बदमाश कारोबारी को झांसे में लेकर 15 सोने की अंगूठियां लेकर फरार हो गए। घटना का एहसास काफी देर बाद हुआ। जब ज्वेलरी दुकानदार के बेटे ने सीसीटीवी फुटेज देखा तो सभी के होश उड़ गए। आभूषणों का मिलान करने पर अंगूठियां गायब मिलीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पूरी घटना जिले के बोचहां थाना क्षेत्र के सफुद्दीनपुर बाजार की है, जहां आभूषण की दुकान से बदमाशों ने दुकानदार से करीब छह लाख रुपये की 15 सोने की अंगूठियां उड़ा लीं। घटना को अंजाम देने के लिए दो शातिर ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुए थे।

इसके बाद ज्वेलरी देखने के नाम पर कई अंगूठियां निकलवाकर रख लीं और मौका मिलते ही सभी अंगूठियां लेकर फरार हो गए।

घटना का एहसास दुकानदार को काफी देर बाद हुआ। आभूषण दुकान के मालिक अजय साह ने बताया कि देर शाम उनका पुत्र दुकान बंद करने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसे संदेह हुआ, जिसके बाद उसने सीसीटीवी फुटेज खंगाला। फुटेज देखते ही परिजनों के होश उड़ गए। इसमें दिखाई दिया कि दो लोग ग्राहक बनकर दुकान में आए थे और बड़ी सफाई से सोने की अंगूठियों की ट्रे लेकर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद डायल-112 पुलिस टीम को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पूरी घटना को लेकर बोचहां थाना प्रभारी ने बताया कि ज्वेलरी शॉप में घुसे दो बदमाशों ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बारिश ने छिने कई गरीबों के आशियाने

सरकार से तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। जिले में पिछले कई घंटों से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। कई जगह पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है, जबकि सड़कों को भी नुकसान पहुंचने लगा है। मि■ी के घरों के धंसने और पेड़ गिरने की घटनाओं से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।

वहीं बारिश के कारण अधिकांश लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। बोलबा प्रखंड में लगातार मूसलाधार बारिश के कारण कई परिवारों के सामने आवास का संकट खड़ा हो गया है। पिड़ियापोछ पंचायत के राजस्व ग्राम तलमंगा निवासी बबीता कुमारी, पिता स्व. देवराज सिंह का मि■ी का मकान बारिश के कारण धराशायी हो गया।

लगातार पानी पड़ने से घर की दीवारें पूरी तरह गीली और कमजोर हो गई थी। अचानक मकान गिरने से बबीता के सामने रहने और परिवार की सुरक्षा की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। पीड़िता ने प्रखंड प्रशासन से तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं मालसाड़ा पंचायत के खंडा निशान भंडार टोली निवासी अरुण धनवार, पिता स्व. जेरोम धनवार का मकान भी लगातार बारिश से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घर की दीवारों और अन्य हिस्सों में दरारें पड़ गई हैं। क्षतिग्रस्त मकान में रहने वाले परिवार को अब अनहोनी की आशंका सता रही है।

वहीं सदर प्रखंड के गरजा पंचायत अंतर्गत मुंजबेड़ा गांव में बारिश के बीच एक विशाल पेड़ घर पर गिर गया। इससे ग्रामीण के मकान को भारी नुकसान पहुंचा और घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था।

हादसे के बाद पूरा परिवार बेघर हो गया है और फिलहाल दूसरे के घर में शरण लेने को मजबूर है। इसके अलावा भी विभिन्न प्रखंडों से बारिश के कारण हुए नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। जिसमें ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

कई घरों में घुसा बाढ़ का पानी

आरा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर ने शाहपुर प्रखंड के दियारा इलाके में चिंता बढ़ा दी है। नदी का पानी खेतों के बाद अब गांवों में तेजी से फैलने लगा है। लक्ष्छुटोला, लालू डेरा, बहोरनपुर, सुहिया और दामोदरपुर पंचायत के कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है।

लक्ष्छुटोला पंचायत के लक्ष्छुटोला गांव के वार्ड 13 और 14 में पानी घरों में प्रवेश करने लगा है। अचानक बढ़ते पानी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। कई परिवार घर में रखे अनाज और जरूरी सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुट गए हैं।गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ लक्ष्छुटोला-सारंगपुर पथ पर भी बाढ़ का पानी चढ़ गया है। इससे इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित होने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी बढ़ने की रफ्तार जारी रही तो आसपास की दूसरी सड़कों पर भी पानी पहुंच सकता है।

ऐसी स्थिति में कई गांवों का सड़क संपर्क प्रभावित होने की आशंका है। प्रशासन ने हालात पर नजर रखने के साथ राजस्व कर्मचारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। ग्रामीण भी संभावित खतरे को देखते हुए जरूरी सामान सुरक्षित करने में जुटे हैं।

दुर्घटना में सेवानिवृत शिक्षक की मौत

शिवाजीनगर। रोसड़ा थाना क्षेत्र के बंधार पंचायत के वार्ड संख्या-14 निवासी 61 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक ललन बैठा की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रोसड़ा-हथौड़ी मुख्य पथ पर सुगा-रामोल पुल के समीप गुरुवार को हुआ। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई जानकारी के अनुसार, ललन बैठा पुल के समीप सड़क किनारे बैठे थे। इसी दौरान रोसड़ा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई बताया जाता है कि बाइक पर दो युवक सवार थे, जिनकी पहचान रामलाल राय एवं राजन राय के रूप में बताई जा रही है। दोनों बेला पबरा हरिपुरा निवासी बताए गए हैं। एक के पिता का नाम दिनेश यादव बताया गया है, जबकि दूसरे के पिता का नाम स्पष्ट नहीं हो सका है। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार भी घायल हुए हैं घटना की सूचना मिलते ही रोसड़ा थानाध्यक्ष फूलबाबू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

वेल्डिंग मशीन ब्लास्ट होने से तीन झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चासनाला। बीसीसीएल व एसीबी कंपनी के ज्वाइंट वेंचर में निमार्णाधीन 2.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाली पाथरडीह कोल वाशरी में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कार्यस्थल पर अचानक जोरदार धमाके के साथ वेल्डिंग मशीन ब्लास्ट कर गई।

हादसे में वेल्डर समेत तीन मजदूर बुरी तरह झुलस गए। सुदामडीह रिवर साइड निवासी 40 वर्षीय वेल्डर दिलीप यादव, पाथरडीह हाटतल्ला निवासी 48 वर्षीय हेल्पर बद्री रवानी, डिगवाडीह निवासी अमर महतो घायल हो गए। दिलीप की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।हादसे के बाद सहकर्मियों ने तत्काल तीनों घायलों को चासनाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए धनबाद एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पाथरडीह पुलिस मौके पर पहुंची व मामले की जानकारी ली। हादसे के बाद बीसीसीएल व एसीबी प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है।

झुलसे हेल्पर बद्री रवानी ने बताया कि प्रथम पाली में तीनों मजदूर सुबह करीब आठ बजे कार्यस्थल पहुंचे थे। करीब दस बजे दिलीप यादव व अमर महतो के साथ एक दरवाजे को बंद करने के लिए लोहे की रॉड लगाकर वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान अचानक जोरदार आवाज के साथ वेल्डिंग मशीन फट गई। देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं व धुएं का गुबार फैल गया। ब्लास्ट के जोरदार झटके से तीनों मजदूर गेट से जा टकराए। जिससे दरवाजे में लगा शीशा टूट गया। आग की लपटों से उनके कपड़े जल गए व शरीर भी झुलस गया।

किसी तरह तीनों मजदूर वहां से बाहर की ओर भागे व कीचड़ में गिर पड़े। धमाके की आवाज सुनकर आसपास काम कर रहे मजदूर दौड़कर पहुंचे व घायलों को कीचड़ से उठाकर सीएचसी अस्पताल ले गए।

वहीं मजदूरों ने पानी व कीचड़ डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कराई गई व किसी तरह आग पर काबू पाया गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: क्रम सं., ई–निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण निम्नानुसार हैं: : (1) टीआरडी–एडीए–ई–निविदा–11–2026, दिनांक 20.08.2026, (i) आद्रा मंडल के खर्ड़ा पर 300 से 750 मी. तक मौजूदा इंजी. साइडिंग के विस्तार के लिए ओएचई कार्य। (ii) आद्रा मंडल के बोकारो स्टील सिटी में डेप. यार्ड में दो पूर्ण लंबाई वाली लाइन के प्रावधान हेतु ओएचई कार्य। (iii) चाण्डिल में लाइन नं. 6 एवं 7 के बीच एक नई लाइन के प्रावधान हेतु ओएचई कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 2,95,17,089.46, (2) टीआरडी–एडीए–ई–निविदा–12–2026, दिनांक 20.08.2026, (i) आद्रा में पीएम यार्ड के पास आद्रा यार्ड में दो पूर्ण लंबाई वाली लाइन के प्रावधान हेतु ओएचई कार्य। (ii) अनारा में पीक्यूआरएस लाइन के पास एक नई लाइन के प्रावधान हेतु ओएचई कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 2,35,03,853.31, ई–निविदा की अंतिम तिथि और समय: 11–2026 के कार्य हेतु 14.09.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 12–2026 के कार्य हेतु 14.09.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 2 हेतु) तथा 14.09.2026 को 15.00 बजे के बाद निविदा खोली जाएगी (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। उक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है। (PR-651)

डोमन के आकर्षक पांच गोल से 11 स्टार सारोबाग को 7-0 से हराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। जमालपुर स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से स्थानीय जेएसए मैदान में चल रहे दस दिवसीय जेएसए फुटबॉल लीग के दूसरे दिन शुक्रवार को एलेवन स्टार एथलेटिक्स क्लब और सारोबाग के बीच मुकाबला हुआ। एकतरफा रहे मैच में एलेवन स्टार एथलेटिक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारोबाग की टीम को 7-0 से करारी शिकस्त दी। शुरूआत से ही एलेवन स्टार के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और लगातार सारोबाग के गोलपोस्ट पर दबाव बनाए रखा। टीम की ओर से जर्सी नंबर-9 डोमन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले पांच गोल दागकर टीम

की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं जर्सी नंबर-7 राकेश कुमार और जर्सी नंबर-6 सागर ने एक-एक गोल कर टीम की बढ़त को मजबूत किया। पूरे मुकाबले में एलेवन स्टार के खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल और आक्रामक रणनीति देखने को मिली। टीम के लगातार हमलों के सामने सारोबाग के खिलाड़ी पूरी तरह दबाव में नजर आए। मैच में निर्णायक की भूमिका रामरक्षा, मृत्युंजय सिंह, शिवृत गौतम और प्रविण शंकर सिंह ने निभाई। इस बावत संतोष कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन सीडब्ल्यूएम विनय प्रसाद वर्णवाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबले आगामी 30 अगस्त तक जारी रहेंगे। मौके पर ट्विंकल, संतोष, संजय सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

जनता दरबार में 30 मामलों की हुई सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। डीएम निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के तहत समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आमजन की समस्याओं की सुनवाई की गई। जन सुनवाई के दौरान डीएम ने 30 लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना।

HOMI BHABHA CENTRE FOR SCIENCE EDUCATION
TATA INSTITUTE OF FUNDAMENTAL RESEARCH

National Olympiad Programme 2026-2027
in Astronomy, Biology, Chemistry, Physics, Junior Science

All students wishing to participate in the programme must appear in corresponding **National Standard Examinations (NSEs)** (for science subjects) on **November 21 and 22, 2026**, conducted by **the Indian Association of Physics Teachers (IAPT).**

Qualification in NSE is the first step towards participation in the corresponding **International Olympiads of 2027.**

To enroll:
NSEs: https://www.iapt.org.in (Aug 21 - Sep 14, 2026)

For more details: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in

cbc48143/11/0005/2627

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह (नीलामी संचालन अधिकारी), प्रथम मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता–700014 द्वारा सियालदह मंडल के तहत "सियालदह (एसडीएएच) रेलवे स्टेशन में इलेक्ट्रिक वेहिकल बैटरी स्वैपिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव, बीरा (बीआईआरए) रेलवे स्टेशन में मिनी मार्ट का विकास, संचालन और रखरखाव, बहरमपुर कोर्ट (बीपीसी) और कोलकाता (केओएए) रेलवे स्टेशनों में फार्मेसी के साथ इमर्जेंसी मेडिकल रूम की स्थापना, संचालन और रखरखाव" के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है जिसके लिए ई–नीलामी कैटलॉग www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।

ऑक्शन कैटलॉग सं. बैटरीस्वैपएयूजी1

क्रम सं., लॉट सं., स्टेशन: एए/1, एमएसएस–एसडीएएच–एसडीएएच–बीएस–142–26–1, सियालदह। **एए/2,** एमएसएस–एसडीएएच–जेडीपी–बीएस–140–26–1, जादवपुर। **नीलामी शुरू होने की तिथि:** 26.08.2026 को 12.00 बजे।

ऑक्शन कैटलॉग सं. मिनी मार्ट बीरा

क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: एमएसएस–एसडीएएच–बीआईआरए–एसटीजीईएन–143–26–1, **स्टेशन:** बीरा। **नीलामी शुरू होने की तिथि:** 07.09.2026 को 11.00 बजे।

ऑक्शन कैटलॉग सं. ईएमआर–एसईपी–01

क्रम सं., लॉट सं., स्टेशन: एए/1, एमएसएस–एसडीएएच–बीपीसी–एमईडीएसटीएन–136–26–1, बहरमपुर कोर्ट। **एए/2,** एमएसएस–एसडीएएच–केओएए–एमईडीएसटीएन–135–26–1, कोलकाता। **नीलामी शुरू होने की तिथि :** 08.09.2026 को 12.00 बजे। प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अधिक जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई–ऑक्शन मॉड्यूल देखें।

SDAH-188/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मरीजों को मिल रही सुविधाओं की हकीकत जानने पहुंची टीम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। अस्पतालों में मरीजों को वास्तव में किस तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं, इसकी जमीनी हकीकत जानने के लिए राज्य स्तरीय टीम ने सदर अस्पताल और चंडी रेफरल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इसके बाद सदर अस्पताल पहुंचकर सिविल सर्जन डॉक्टर जयप्रकाश से मिलकर जानकारी ली । टीम ने अस्पताल की व्यवस्था देखने के साथ मरीजों से सीधे बातचीत कर इलाज, दवा, जांच और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।टीम के डॉ. आनंद शर्मा और जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. सत्येंद्र कुमार शामिल थे । टीम ने मरीजों से पूछा कि उन्हें इलाज के दौरान किसी तरह की परेशानी तो नहीं हो रही है। दवा और जांच की सुविधा मिल रही है या नहीं, स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और अस्पताल में मिलने वाली अन्य सुविधाओं की स्थिति कैसी है, इसकी भी जानकारी ली। इसके बाद टीम ने जिला स्वास्थ्य समिति में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। आईडीएसपी, टीकाकरण से रोकी जा सकने वाली बीमारियों, रेबीज, सर्पदंश और एनपीसीसीएचएच समेत अन्य कार्यक्रमों से जुड़े रजिस्टर और अभिलेखों की जांच की गई। अधिकारियों ने रिकॉर्ड में दर्ज आंकड़ों और कार्यक्रमों की प्रगति का भी जायजा लिया।टीम के डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान टीम ने यह भी देखा कि अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड नियमित रूप से अपडेट किए जा रहे हैं या नहीं। एसपीओटी की निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार जरूरी दस्ता वेज और रजिस्टर उपलब्ध हैं या नहीं, इसकी भी जांच की गई। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य कागजों पर दर्ज रिपोर्ट के बजाय अस्पताल में मरीजों को मिल रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानना है। मरीजों से सीधे बातचीत कर यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और अस्पताल की सुविधाओं का लाभ उन्हें किस हद तक मिल रहा है।

मंत्री ने उर्वरक की उपलब्धता और कालाबाजारी पर सख्ती का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। समाहरणालय में शुक्रवार को जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार समेत जिले के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी, उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि तथा थोक एवं खुदरा विक्रेता शामिल हुए।बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी ने जिले में उपलब्ध उर्वरक के भंडार की जानकारी दी। वर्तमान में 8208.57 मीट्रिक टन यूरिया, 1635.25 मीट्रिक टन डीएपी, 468.8 मीट्रिक टन एमओपी, 6558.75 मीट्रिक टन एनपीके और 7348.68 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। खरीफ 2026 में अब तक 492 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई। इसमें तीन प्रतिष्ठानों की अनुज्ञप्ति रद्द, 35 को निलंबित तथा 64 विक्रेताओं से स्पष्टीकरण मांगा गया है।मंत्री श्रवण कुमार ने डीएपी के अपेक्षाकृत कम भंडार पर गंभीरता जताते हुए निदेशालय को मांग-पत्र भेजकर पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को निर्धारित सरकारी दर पर ही उर्वरक मिले और कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए।जिला पदाधिकारी ने उर्वरक कंपनियों एवं विक्रेताओं को पर्याप्त स्टॉक रखने और किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में धरती माता बचाओ अभियान पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक खाद और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए जागरूक करने की अपील की। जिला पदाधिकारी ने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही स्वस्थ फसल और पर्यावरण का आधार है। पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

एक नजर

जर्जर किचन शेड में बन रहा 467 बच्चों का मध्यान्ह भोजन

बिहारशरीफ। रहुई प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय दोसुत में 467 बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाली रसोई की बदहाल स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। जर्जर करकट के शेड के नीचे छह रसोइया बच्चों के लिए रोजाना भोजन बनाने को मजबूर हैं। बारिश के दौरान शेड से पानी टपकने के कारण रसोई में पानी जमा हो जाता है, जिससे चूल्हे और खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखना मुश्किल हो जाता है। वहीं, तेज धूप में भी रसोइयों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।विद्यालय में प्रधानाध्यापक समेत कुल 11 शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं। रसोइया मीना देवी, जय श्री देवी, सीमा देवी, कविता देवी, सुनीता देवी और प्रिंस कुमार ने बताया कि जर्जर शेड के कारण भोजन तैयार करने में हमेशा खतरा बना रहता है। ऊपर से पक्षियों के कारण भोजन में गंदगी गिरने की आशंका भी रहती है।प्रधानाध्यापक हीरालाल पासवान ने बताया कि किचन शेड की समस्या करीब दो वर्षों से बनी हुई है।

35 वर्षीया महिला ने जहर खा की आत्महत्या

गिरियक। गिरियक थाना क्षेत्र के महतपुरा गांव में शुक्रवार सुबह 35 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान महतपुरा गांव निवासी उपेंद्र मांझी की पत्नी सरिता देवी के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार, सरिता देवी बंगाल में मजदूरी करती थी और कुछ दिन पहले ही घर लौटी थी। शुक्रवार सुबह बच्चों के साथ किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई। इसके बाद गुस्से में आकर उसने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है।जहरीला पदार्थ खाने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे इलाज के लिए ले जाने की तैयारी कर ही रहे थे, इसी दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गिरियक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आत्महत्या के कारणों समेत घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जनसुनवाई में 23 शिकायतों पर सुनवाई

बिहारशरीफ। नालंदा जिलाधिकारी द्वारा आयोजित जन-सुनवाई में आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान कुल 23 मामलों पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जन-सुनवाई में शिक्षक नियोजन, ईमादपुर स्थित श्मशान की भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने और घेराबंदी के लिए राशि उपलब्ध कराने, परिमार्जन, आम गैरमजरूआ भूमि पर अतिक्रमण कर रास्ता अवरुद्ध करने, पिछले 15 वर्षों से बंद स्वास्थ्य केंद्र डुमरावां को पुनः चालू कराने तथा सेवांत लाभ की राशि का भुगतान नहीं होने समेत कई मामलों की सुनवाई हुई।सेवांत लाभ और शिक्षक नियोजन से संबंधित शिकायतों पर जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। वहीं, ईमादपुर श्मशान भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने और घेराबंदी के लिए राशि उपलब्ध कराने के मामले में अपर समाहर्ता को कार्रवाई करने को कहा गया।परिमार्जन संबंधी मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए अंचल अधिकारी, बेन तथा डुमरावां स्वास्थ्य केंद्र को दोबारा चालू कराने के लिए डीपीएम स्वास्थ्य को निर्देशित किया गया। आम गैरमजरूआ भूमि पर अतिक्रमण से संबंधित शिकायत पर भी अपर समाहर्ता को कार्रवाई का निर्देश मिला।

महिला से छिनतई मामले में 48 घंटे में दो आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। हरनौत बाजार के गोनावां रोड स्थित राम जानकी मंदिर के पास महिला से हुई छिनतई के मामले का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर उद्भेदन कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से छिनतई किए गए मोबाइल फोन और 400 रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हरनौत थानाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि 19 अगस्त को पटेल नगर निवासी अंजनी कुमार की पत्नी प्रतिमा कुमारी बाजार से घर लौट रही थी। इसी दौरान राम जानकी मंदिर के दक्षिण दिशा में घात लगाए चार बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया और फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि दो फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सबनाहुआ डीह निवासी राजू कुमार और नियामतपुर निवासी सनी कुमार के रूप में हुई है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

मंत्री ने 31 लाभार्थियों को बांटे 3.30 लाख का चेक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नालंदा। सिलाव प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार और सांसद कौशलेंद्र कुमार ने 31 लाभार्थियों के बीच 3 लाख 30 हजार रुपये के चेक बांटे। इस दौरान जीविका के माध्यम से शौचालय निर्माण कराने वाले 29 लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। वहीं, मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत पकरीसराय की रिंकू देवी और मोहनपुर के रजनीकांत पांडेय को 20-20 हजार के चेक सौंपे गए।इसके अलावा प्रखंड कार्यालय से निर्गत 6 शिशुओं के जन्म प्रमाण पत्र और 2 व्यक्तियों के मृत्यु प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।लाभार्थियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा सरकार ग्रामीण विकास और स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध है। बीमारियों से बचाव और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए हर घर शौचालय का उपयोग जरूरी है। उन्होंने ग्रामीण योजनाओं को धरातल पर उतारने में जीविका दीदियों के योगदान की सराहना की। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने लोगों से योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने की अपील की।मौके पर त्रिनयन कुमार, डॉ. धनंजय कुमार देव समेत प्रखंड, अंचल व जीविका के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नए एसपी हृदयकांत ने संभाली नालंदा की कमान

अपराधियों में कानून का भय और जनता में भरोसा कायम करना प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा के नए पुलिस अधीक्षक हृदयकांत ने शुक्रवार को जिले की पुलिस की कमान संभाल ली। समाहरणालय में नालंदा पुलिस के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। पदभार ग्रहण करते ही एसपी ने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण, शराबबंदी को सख्ती से लागू कराने और पर्यटकों की सुरक्षा को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया।एसपी हृदयकांत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता आम लोगों के मन में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना और अपराधियों में कानून का भय कायम करना है। उन्होंने कहा कि अपराध करने वालों के लिए जगह सलाखों के पीछे होगी। पुलिस की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाला कोई भी फरियादी निराश होकर वापस न लौटे। पुलिसकर्मियों को संवेदनशीलता के साथ लोगों की समस्याएं सुनकर समय पर कार्रवाई करनी होगी।उन्होंने कहा कि शहर से गांव तक चैक-चैराहों और प्रमुख स्थानों पर पुलिस की सक्रिय मौजूदगी दिखनी चाहिए। अपराध होने के बाद कार्रवाई के साथ अपराध रोकना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। इसके लिए गश्ती व्यवस्था को मजबूत करने और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मुस्तैदी बढ़ाई जाएगी।एसपी ने शराबबंदी के साथ सूखे नशे के कारोबार पर भी कड़ा प्रहार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल किसी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और अभियान लगातार जारी रहेगा।पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण नालंदा में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा को भी उन्होंने प्राथमिकता दी। राजगीर, नालंदा समेत प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुरक्षित और भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए पुलिस व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच मजबूत विश्वास ही अपराध नियंत्रण की सबसे बड़ी ताकत है।

नवादा

जनसुनवाई में 36 परिवाद दर्ज, कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा । बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान" का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाना है। इस निश्चय के अंतर्गत आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई आयोजित किए जाने की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन अपर समाहर्त्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा शम्भू शरण पाण्डेय की अध्यक्षता में किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों द्वारा कुल 36 परिवाद दर्ज कराए गए। अपर समाहर्त्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा परिवादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जांचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया। अपर समाहर्त्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में अनुमंडल कार्यालय, नवादा सदर में भी अनुमंडल स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी, अमित अनुराग द्वारा आमजनों की समस्याओं एवं प्राप्त परिवादों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, पैंगरी में सखी वार्ता आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। 21 अगस्त 2026 को महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन एवं वन स्टॉप सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, पैंगरी, प्रखंड वारिसलीगंज में सखी वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को महिला एवं बाल सुरक्षा, उनके अधिकारों तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं शिकायत निवारण सेवाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की परामर्शी सुषमा कुमारी ने महिला हेल्पलाइन 181 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, दुर्व्यवहार अथवा अन्य समस्याओं की स्थिति में महिलाएं हेल्पलाइन के माध्यम से आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के संबंध में जानकारी देते हुए बाल शोषण, बाल विवाह, बाल मजदूरी, गुमशुदगी अथवा संकट की स्थिति में सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन के लैंगिक विशेषज्ञ पंकज कुमार ने पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को अनुचित स्पर्श, व्यवहार अथवा किसी भी प्रकार के शोषण की स्थिति में चुप न रहने तथा अभिभावक, शिक्षक अथवा विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी देने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बाल अधिकार, साइबर अपराध एवं साइबर ठगी पर भी विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को महिला एवं बाल सुरक्षा को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए हिंसा, शोषण अथवा अपराध की स्थिति में समय पर उचित सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

वृद्धाश्रम में इनर व्हील क्लब ने बांटी मनोरंजन एवं खाद्य सामग्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। इनर व्हील क्लब नवादा की सदस्यों ने वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के बीच टीवी, दो कैरम बोर्ड, दो लूडो, गेंदों का पैकेट, फुटबॉल सहित विभिन्न खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में बिस्किट, हॉर्लिक्स, मिक्सचर और बेदाना शामिल थे। इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों को मनोरंजन के साथ-साथ सक्रिय और प्रसन्न रखना है। क्लब की प्रेसिडेंट रेखा रानी ने कहा कि वृद्धावस्था में लोगों का धार्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए टीवी के माध्यम से वे धार्मिक कार्यक्रमों के साथ समाचार भी देख सकेंगे और आसपास तथा देश-दुनिया की जानकारी से जुड़े रहेंगे। खेल सामग्री उपलब्ध कराने का उद्देश्य मनोरंजन के साथ हल्की शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से उन्हें सक्रिय रखना है। उन्होंने कहा कि क्लब और वृद्धाश्रम की संचालिका का मुख्य उद्देश्य यही है कि यहां रहने वाले बुजुर्गों का जीवन बेहतर तरीके से बीते और उनका मन सकारात्मक गतिविधियों में लगा रहे। उन्होंने कहा कि कई बुजुर्ग शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी कमजोर महसूस करते हैं। ऐसे में छोटी-सी पहल से उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया है।

सामग्री पाकर वृद्धाश्रम के बुजुर्ग काफी खुश हुए। उन्होंने कहा कि अब मनोरंजन के साधन मिलने से उनका मन लगा रहेगा। कार्यक्रम में सचिव पुष्पा कुमारी, वाइस प्रेसिडेंट अंजना सिन्हा, आईएसओ मुस्कान कुमारी, आशा देवी, सावित्री बरनवाल, संध्या यशवाल, अदिति गोयल, रजनी कुमारी, अंजू चौधरी और बबिता जी सहित क्लब की अन्य सदस्य मौजूद रहीं।

मनोज कुमार ने अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दण्डाधिकारी, नवादा के रूप में ग्रहण किया प्रभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। गुरुवार के पूर्वाह्न में मनोज कुमार, बि०प्र०से० ने अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दण्डाधिकारी, नवादा के पद पर प्रभार ग्रहण किया। प्रभारी अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दण्डाधिकारी, नवादा शम्भु शरण पाण्डेय, बि०प्र०से० द्वारा उन्हें उक्त पद का प्रभार सौंपा गया। प्रभार ग्रहण करने के उपरांत मनोज कुमार ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित कार्यों में तेजी लाने, भूमि विवादों के त्वरित निष्पादन, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, अतिक्रमण एवं अन्य राजस्व मामलों के समयबद्ध निष्पादन पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सरकार द्वारा संचालित राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक ससमय पहुंचाने तथा लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर समाहरणालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा नवपदस्थापित अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दण्डाधिकारी का स्वागत किया गया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

विद्यालयों की बदहाली पर विधायक विभा देवी ने जताई नाराजगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा विधानसभा क्षेत्र के उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता तथा छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सदर विधायक विभा देवी ने विद्यालयों का औचक निरीक्षण शुरू किया है। शुक्रवार को विधायक ने नवादा नगर स्थित गांधी इंटर विद्यालय एवं राजकीयकृत कन्या इंटर विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रबंध समिति के अधिकारियों एवं प्रधानाचार्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गांधी इंटर विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कक्षाओं के अनियमित संचालन, शौचालय में ताला लगे रहने तथा स्मार्ट क्लास की बदहाल स्थिति को लेकर विधायक ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करने का निर्देश दिया। विधायक ने कहा कि विद्यालय के पास पर्याप्त फंड उपलब्ध रहने के बावजूद विकास कार्य लंबित रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अभिभावकों की बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके बाद विधायक ने राजकीयकृत कन्या इंटर विद्यालय का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विद्यालय में आवश्यक विकास कार्यों को लेकर प्रबंध समिति एवं प्राचार्य के साथ मंत्रणा की। निरीक्षण के दौरान क्लासरूम, मीटिंग हॉल तथा मुख्य द्वार निर्माण की आवश्यकता महसूस की गई। विधायक ने विद्यालय के उपलब्ध फंड से इन कार्यों को पूरा कराने का निर्देश दिया। दौरे के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी भी मौजूद रहीं। उन्होंने भी विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर देते हुए संसाधनों के दुरुपयोग पर नाराजगी जताई। निरीक्षण काफिले में ब्रजेंद्र कुशवाहा, अनिल प्रसाद सिंह, उमेश हरि, अमरेंद्र, घोषु जी, अजय यादव सहित दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षा प्रेमी मौजूद रहे।

रामायण के अरुण गोविल 23 को आएंगे नवादा

नवादा। तुलसी जयंती के पावन अवसर पर आगामी 23 अगस्त 2026 को मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, कुंतीनगर, नवादा (बिहार) में भव्य तुलसी जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में रामानंद सागर के लोकप्रिय धारावाहिक 'रामायण' में भगवान श्रीराम की अविस्मरणीय भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता एवं मेरठ लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री अरुण गोविल जी का नवादा की धरती पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। इस अवसर पर मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, नवादा के लगभग 5,000 छात्र-छात्राएँ एक साथ श्रीरामचरितमानस के 'धनुष यज्ञ' एवं 'सीता स्वयंवर' प्रसंग का सामूहिक संगीतमय गायन प्रस्तुत करेंगे। हजारों विद्यार्थियों की सामूहिक सहभागिता से आयोजित यह अनूठा एवं भव्य सांस्कृतिक आयोजन तुलसीदास जी की अमर कृति रामचरितमानस के प्रति श्रद्धा एवं भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा को समर्पित होगा। मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, नवादा की ओर से समस्त नवादा जिलावासियों से सादर अनुरोध है कि इस ऐतिहासिक एवं भव्य तुलसी जयंती समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएँ तथा श्री अरुण गोविल जी के स्वागत एवं अभिनंदन के इस विशेष अवसर के साक्षी बनें।

गाजर घास के उन्मूलन को लेकर सोखोदेवरा में निकाली गई जागरूकता रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा,नवादा की ओर से प्रखंड के सोखोदेवरा गांव में गाजर घास (पार्थेनियम) जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से किसानों एवं ग्रामीणों को गाजर घास से होने वाले नुकसान तथा इसके प्रभावी नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में फार्म प्रबंधक सुमिताभ रंजन एवं कार्यक्रम सहायक अनिल कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने ग्रामीणों को गाजर घास के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए खेतों, आसपास के क्षेत्रों एवं रिहाइशी इलाकों को पार्थेनियम मुक्त बनाने के लिए जागरूक किया। फार्म प्रबंधक एवं कार्यक्रम सहायक ने बताया कि गाजर घास फसलों की उत्पादकता एवं मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इसके संपर्क में आने से मनुष्यों में त्वचा संबंधी एलर्जी एवं दमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जबकि पशुओं के स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। किसानों को सलाह दी गई कि गाजर घास में फूल और बीज आने से पहले ही उसे जड़ सहित उखाड़कर नष्ट कर दें,ताकि इसका प्रसार रोका जा सके। इसके अलावा जैविक नियंत्रण तथा आवश्यकता के अनुसार जैविक एवं रासायनिक दवाओं के उचित प्रयोग की जानकारी भी दी गई।रैली में सोखोदेवरा गांव के किसानों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने खेतों तथा आसपास के क्षेत्रों को गाजर घास से मुक्त रखने का संकल्प लिया।

27 अगस्त 2026 को एकदिवसीय मेला का होगा आयोजन

नवादा। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार सरकार के निदेश के आलोक में जिला नियोजनालय, नवादा द्वारा दिनांक-27 अगस्त 2026 को संयुक्त श्रम भवन, जिला नियोजनालय (नजदीक सरकारी आई.टी.आई. कैंपस, गोनावां), नवादा के प्रांगण में एक दिवसीय जिला स्तरीय नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला ''नियोजक आपके क्षेत्र'' कार्यक्रम के तहत निःशुल्क रोजगार का सुनहरा अवसर लेकर आया है। जिसमें राज्य एवं अन्य राज्यों से लगभग 25-30 नियोजकों के भाग लेने की संभावना है। इसमें नन-मैट्रिक से उच्चतर योग्यताधारी बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार के सुनहरे अवसर हैं। साथ ही इस रोजगार मेले में के.वाई.पी., डोमेन, आर.टी.डी., पी.एम.के.वी.वाई., पी.एम.के.के. आदि से प्रशिक्षित युवक/युवतियों के लिए भी सुनहरा अवसर है। साथ ही इस कार्यक्रम में स्वरोजगार एवं कौशल विकास हेतु मार्गदर्शन कार्यक्रम एवं सरकार की अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी भी दी जाएगी।

पुलिस ने 75 गोवंश को मुक्त कराया

नारदीगंज,नवादा। पुलिस ने तस्करों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए ट्रक से क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे 75 गोवंश को मुक्त कराया है। गौ रक्षणी गया की संचालक लता देवी की शिकायत पर नारदीगंज थाने में मामला (कांड संख्या 304/2026) दर्ज कर चालक व उप-चालक समेत चार को नामजद आरोपी बनाया गया है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि 19 अगस्त को गया से गोवंश लदे ट्रक का पीछा गौ रक्षणी के सदस्यों ने किया। चालक मानपुर रेलवे क्रॉसिंग तोड़कर भागा, लेकिन सूचना पर पुलिस की बढ़ती दबिश देख तस्कर बस्ती बिगहा के पास ट्रक छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने 20 अगस्त को सभी 75 मवेशियों को बोधगया स्थित ज्ञान फाउंडेशन को सुपुर्द कर दिया। आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

विश्व उद्यमिता दिवस पर 6,000+ इनोवेटर्स ने लिया भाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व उद्यमिता दिवस 2026 के अवसर पर बिहार सरकार के उद्योग विभाग द्वारा स्टार्टअप बिहार के माध्यम से बिहार के सभी 38 जिलों में 47 स्टार्टअप सेल्स पर राज्यव्यापी स्केल-अप और मार्केट एक्सेस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 6,000 से अधिक वर्तमान एवं भावी इनोवेटर्स ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स को विचार एवं शुरुआती चरण से आगे बढ़ाकर उत्पाद के व्यावसायीकरण, बाजार तक पहुंच, व्यवसाय विस्तार और सतत विकास की दिशा में सहयोग प्रदान करना था। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्टार्टअप संस्थापक, उद्यमी, विद्यार्थी, उद्योग विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी, मेंटर एवं इन्क्यूबेशन इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रमों में स्टार्टअप उत्पादों का लॉन्च एवं प्रदर्शन, सफल उद्यमियों की प्रेरक कहानियां, स्केल-अप और मार्केट एक्सेस पर विशेषज्ञ सत्र, नेटवर्किंग तथा सरकारी विभागों के साथ संवाद प्रमुख गतिविधियां रहीं। उद्यमियों को सरकारी सहयोग, विभागीय सुविधाओं, प्रक्रियाओं, नियामकीय अनुपालन एवं व्यवसाय विस्तार से जुड़े अवसरों की जानकारी दी गई। साथ ही संभावित ग्राहकों, साझेदारों और नए बाजारों से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए गए। सफल उद्यमियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने अपने उद्यमिता सफर, चुनौतियों, असफलताओं और उनसे मिली सीख साझा की, जिससे युवा एवं भावी उद्यमियों को व्यवसाय निर्माण और रोजगार सृजन के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के तहत इन्नोवेशन वॉल की पहल भी की गई जिसमें प्रतिभागियों को बिहार आधारित स्टार्टअप्स द्वारा नवाचार के माध्यम से हल किए जा सकने वाले वास्तविक समस्याओं की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह राज्यव्यापी पहल महानगरों से आगे जिला स्तर तक उद्यमिता सहयोग को पहुंचाने और बिहार के स्टार्टअप इकोसिस्टम को अधिक समावेशी एवं बाजारोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्केल-अप और मार्केट एक्सेस कार्यक्रम बिहार में एक सशक्त, समावेशी और बाजारोन्मुख स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण के प्रति उद्योग विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक ने स्काडा का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल ने रिवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान के उद्देश्य से स्काडा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रबंध निदेशक ने रिवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम की कार्यप्रणाली, तकनीकी पहलुओं तथा उससे संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्रणाली में आ रही समस्याओं और उनके समाधान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। सौरभ जोरवाल ने संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को आरएमएस से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रणाली की कार्यक्षमता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रबंधन से जुड़ी डिजिटल प्रणालियों का सुचारू संचालन उपभोक्ता सेवाओं में सुधार और कंपनी के राजस्व संग्रह को मजबूत करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मंत्री श्रवण कुमार ने 119 लाभुकों को दिया योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास तथा जनसंपर्क मंत्री एवं जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने शुक्रवार को नालंदा जिले के सिलाव प्रखंड में 119 लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने पांच लाख रुपये से अधिक राशि के चेक लाभुकों को सौंपे। मंत्री ने शौचालय निर्माण के लिए जीविका दीदियों को आर्थिक सहयोग दिया। कुल 29 जीविका दीदियों को 10-10 हजार रुपये की सहयोग राशि का चेक प्रदान किया है। मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना के अंतर्गत दो लाभुकों को 20-20 हजार रुपये का चेक सौंपा। इसके अलावा 54 लाभुकों को बंदोबस्ती पर्चा का वितरण किया जिससे उन्हें भूमि संबंधी अधिकार मिल सकेंगे। अग्निकांड से फसल क्षति झेलने वाले किसानों को भी मंत्री ने सहायता राशि देकर राहत पहुंचाई है। कुल 34 लाभुकों को फसल क्षति के मुआवजे के रूप में 1,90,524 रुपये का चेक मंत्री ने वितरित किया।

'आवसम हर' कार्यक्रम से किशोरी स्वास्थ्य को मिलेगी मजबूती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। किशोर स्वास्थ्य को नयी दिशा और मजबूती देने के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति और पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में 'आवसम हर' कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। यह कार्यक्रम राज्य के 5 जिलों अररिया, गया, कटिहार, किशनगंज और पुर्णिया जिलों में संचालित किया जाएगा। शुक्रवार को पटना स्थित एक निजी होटल में कार्यक्रम संबंधित जानकारी के लिए राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन राज्य स्वास्थ्य समिति और पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने स्वागत अभिभाषण में पीएसआई इंडिया के कार्यपालक निदेशक मुकेश शर्मा ने कहा कि देश में 21 प्रतिशत आबादी 10-19 वर्ष आयुवर्ग की है और उनकी स्वास्थ्य को बेहतर करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 'आवसम हर' कार्यक्रम से किशोरियों के स्वास्थ्य को बेहतर करने के प्रयास में नयी दिशा मिलेगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. विजेता सिन्हा ने कहा कि माहवारी स्वच्छता को केंद्र में रखकर कार्यक्रम संचालित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया जिसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य के बिन्दुओं पर किशोरियों के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, गुणवत्ता आश्वासन सह नोडल सड़क सुरक्षा डॉ. अभिषेक सिन्हा ने कहा कि इसके लिए जरुरी है कि सभी स्कूलों की लाइन लिस्टिंग की जाए और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की इसमें मदद ली जाए इससे किशोरियों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। ऑरगेनन की रूचि ने कहा कि किशोरियों को उनके स्वास्थ्य के पहलुओं की सही एवं पूरी जानकारी उनके स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखती है। उन्होंने कहा कि बच्चों एवं किशोर/किशोरियों से संवाद बनाये रखना जरुरी है। सही जानकारी एवं शिक्षा किशोरियों को उनके स्वास्थ्य के बारे में सजग रखेगी। कार्यशाला में उक्त पांच जिलों के जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी एवं कर्मी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, किशोरी स्वास्थ्य डॉ. विजेता सिन्हा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, गुणवत्ता आश्वासन सह नोडल सड़क सुरक्षा डॉ. अभिषेक सिन्हा, निदेशक, पुब्लिक हेल्थ, बिहार विद्यापीठ डॉ. अजीत कुमार सिंह, पीएसआई इंडिया के कार्यपालक निदेशक मुकेश शर्मा, एम्स पटना के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. मुक्ता अग्रवाल, ऑरगेनन की रूचि, पीएसआई इंडिया के निदेशक प्रोग्राम हितेश साहनी सहित सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि और पीएसआई इंडिया के स्टेट लीड सौरव तिवारी सहित पीएसआई इंडिया की टीम मौजूद रही।

बिहार कर्मचारी राज्य बीमा निगम सोसाइटी की कार्यकारिणी समिति की बैठक में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार इएसआइएस सोसाइटी के कार्यकारी निकाय की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के श्रम विभाग के अपर मुख्य सचिव के. सेंथिल कुमार द्वारा की गई। क्षेत्रीय निदेशक बिहार ने समिति के इएसआइएस के पदेन सदस्य के रूप में बैठक में हिस्सा लिया और इएसआइएस की ओर से अध्यक्ष को विभिन्न विषयों से अवगत कराया। सोसाइटी की तरफ से निदेशक चिकित्सा सेवा कुमारी शिशिर भारती तथा नियोक्ता प्रतिनिधि के रूप में शिल्पी कुमारी एवं अन्य मौजूद रहे। बिहार कर्मचारी राज्य बीमा सोसायटी की कार्यकारिणी समिति की बैठक के दौरान राज्य औषधालयों में डॉक्टरों की उपलब्धता, प्रतिपूर्ति एवं खरीद के शक्तियों के प्रत्यायोजन जैसे विषयों पर चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव द्वारा लोगों को जागरूक करने, बीमितों की संख्या बढ़ाने को लेकर जोर दिया ताकि अधिक सुविधा बीमितों को प्रदान की जा सके।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने दीन दयाल उपाध्याय मंडल का किया दौरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न नवनिर्मित एवं उन्नत सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना एवं मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। दौरे के क्रम में पूर्व मध्य रेल इंटर कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय में नवीनीकृत अध्यापक कक्ष तथा उन्नत कंप्यूटर प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया। इसके बाद प्लांट डिपो कॉलोनी तथा स्टेशन कॉलोनी में नवनिर्मित ट्रांसिट हाउस के भवन एवं सुविधाओं का अवलोकन किया गया। विद्युत कर्षण विभाग के नवनिर्मित 'ऊपरी उपस्कर एवं विद्युत आपूर्ति डिपो' का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं उपकरणों का जायजा लिया गया। इसके अलावा मंडल कार्यालय के सामने 'दूरस्थ नियंत्रण केंद्र एवं कर्षण विद्युत नियंत्रण' के लिए नवनिर्मित भवन एवं सुविधाओं का भी जायजा लिया गया। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में महाप्रबंधक की अध्यक्षता में सभी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। दौरे के अंत में महाप्रबंधकछत्रसाल सिंह ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-जीवनाथपुर के बीच तृतीय रेल लाइन कार्य का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक एवं अधिकारियों द्वारा दौरा किए गए विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण भी किया गया।

विनोद कुमार तिवारी ने भू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन, गया के पद पर किया योगदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। विनोद कुमार तिवारी ने अध्यक्ष, भू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन, गया के पद पर विधिवत योगदान किया। योगदान के पश्चात उन्होंने विभागीय कार्यों एवं दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन से संबंधित मामलों में नियमानुसार एवं पारदर्शी तरीके से कार्य करते हुए संबंधित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी।

उन्होंने कहा कि प्रभावित रैयतों एवं संबंधित पक्षों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान करते हुए विकासात्मक परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही सभी मामलों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर विशेष जोर रहेगा। इस अवसर पर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा विनोद कुमार तिवारी का स्वागत किया गया तथा उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

केवाइपी रिन्यूअल पर फिर टकराव : पुराने केंद्रों ने उठाए सवाल, तत्काल नवीकरण की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कुशल युवा कार्यक्रम के संचालन और रिन्यूअल को लेकर बिहार में विवाद फिर तेज हो गया है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की हालिया प्रेस विज्ञप्ति के बाद पुराने केवाईपी केंद्र संचालकों ने सरकार से तत्काल नवीकरण और प्रशिक्षण शुरू कराने की मांग की है। केवाईपी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि लगभग एक दशक से संचालित अनुभवी केंद्रों को कई महीनों से बंद रखना हजारों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय है। उनके अनुसार इन केंद्रों के पास प्रशिक्षित मानव संसाधन, कंप्यूटर लैब और आवश्यक आधारभूत संरचना पहले से उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि केवल चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता देने की घोषणा पर्याप्त नहीं है। सरकार को पुराने एवं अनुभवी केंद्रों का तत्काल री-एक्रेडिटेशन कर नामांकन और प्रशिक्षण शुरू करना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर 20 अगस्त को केंद्र संचालकों ने नियोजन भवन, पटना में प्रदर्शन किया। बाद में प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर भी अपनी मांगें रखीं। प्रदर्शनकारियों ने पुराने केंद्रों के नवीकरण, लंबित नामांकन शुरू करने, लंबित भुगतान जारी करने और री-टेंडर प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की। डॉ. झा ने कहा कि केवाईपी केवल केंद्र संचालकों का नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं के कौशल और रोजगार का सवाल है। उन्होंने सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

बिहार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय कार्य : उच्च शिक्षा निदेशक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में 20-21 अगस्त को इम्पलीमेंटेशन ऑफ इनईपी 2020-स्टारेंगथेनिंग स्टेट सिस्टम थ्रू एबीसी, एम ई एम ई, आरपीएल एंड इंसीलुसिओं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्शी बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के राज्य उच्च शिक्षा परिषदों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. एनके अग्रवाल ने बिहार का प्रतिनिधित्व किया तथा राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे महत्वपूर्ण सुधारों एवं नवाचारों की जानकारी साझा की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में बिहार की तरफ से किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी), मल्टीपल इंट्री एंड मल्टीपल एग्जिट (एमईएमई) और रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) जैसे एनईपी के महत्वपूर्ण प्रावधानों को उच्च शिक्षा व्यवस्था में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को डिग्री कार्यक्रम के साथ-साथ वास्तविक कार्यस्थल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं कार्यानुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

बीएसपीएचसीएल को पावर सेक्टर में उत्कृष्ट प्रशिक्षण के लिए मिला कौशल उत्कृष्टता पुरस्कार

1,900 नवनियुक्त तकनीशियनों की इंडक्शन स्किलिंग पहल को मिली राष्ट्रीय पहचान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड को पावर सेक्टर में इंडक्शन स्किलिंग में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित कौशल उत्कृष्टता पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित वीओएलटी कार्यक्रम के तहत पीएसएससी की इंडस्ट्री कंसल्टेशन वर्कशॉप में प्रदान किया गया। बीएसपीएचसीएल की ओर से ट्रेनिंग को-ऑर्डिनेटर-कम-कंसल्टेंट अशोक कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किया। पुरस्कार केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के चेयरपर्सन एवं पावर सेक्टर स्किल काउंसिल के प्रेसिडेंट घनश्याम प्रसाद द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पावर सेक्टर के वरीय अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। यह पुरस्कार पावर सेक्टर के वरिष्ठ विशेषज्ञों एवं अधिकारियों की ज्यूरी द्वारा बीएसपीएचसीएल की सुव्यवस्थित इंडक्शन स्किलिंग पहल के लिए प्रदान किया गया। इस पहल के तहत कंपनी के 1,900 नवनियुक्त तकनीशियनों को प्रशिक्षण देकर विद्युत क्षेत्र में कार्य के लिए तैयार किया गया। मानकीकृत प्रशिक्षण एवं तकनीकी कर्मियों के बेहतर ऑनबोर्डिंग की दिशा में बीएसपीएचसीएल की इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि माना गया है। ऊर्जा सचिव-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बीएसपीएचसीएल अजय यादव ने कहा कि कौशल उत्कृष्टता पुरस्कार बीएसपीएचसीएल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 1,900 तकनीशियनों की इंडक्शन स्किलिंग के माध्यम से हमने कुशल, सुरक्षित और जिम्मेदार तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भविष्य में भी कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए प्रशिक्षण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। यह सम्मान बीएसपीएचसीएल द्वारा कुशल एवं प्रशिक्षित विद्युत मानव संसाधन तैयार करने तथा नवनियुक्त तकनीकी कर्मियों के लिए प्रभावी और मानकीकृत प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने के प्रयासों को मिली महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहचान है। बीएसपीएचसीएल द्वारा पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीयकृत रूप से अपने तकनीकी एवं अन्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाने के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग, तकनीकी प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, कौशल उन्नयन तथा कार्यस्थल आधारित प्रशिक्षण सहित कई कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। बदलती तकनीक और विद्युत क्षेत्र की नई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों को नवीन तकनीकों, सुरक्षा मानकों, परिचालन प्रक्रियाओं एवं आधुनिक विद्युत प्रणाली के अनुरूप प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मेगा जॉब फेयर बना युवाओं के सपनों को साकार करने का मंच, तीसरे दिन 3487 युवाओं का चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के ज्ञान भवन में आयोजित 'मेगा जॉब फेयर-2026' युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर का मंच बनकर उभरा है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से आयोजित इस मेगा जॉब फेयर के तीसरे दिन करीब 9 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया जिनमें से विभिन्न कंपनियों द्वारा 3487 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार की तलाश में बिहार के अलग-अलग जिलों से पहुंचे युवाओं में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। मेगा जॉब फेयर में एसबीआई लाइफ, भारती एयरटेल लिमिटेड, रिलायंस रिटेल, टाटा क्रोमा, टाटा मोटर्स, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, विजन इंडिया, जॉनसन लिफ्ट, मैनपावर ग्रुप, मास एचआर सॉल्यूशन, एनआईआईटी फाउंडेशन, रीशव ऑटोमोबाइल, सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड और अन्नपूर्णा फाइनेंस समेत 100 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एवं इंश्योरेंस (बीएफएसआई), रिटेल, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता, कौशल और रुचि के अनुरूप रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जॉब फेयर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि युवाओं को रोजगार के लिए अलग-अलग कंपनियों के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। ज्ञान भवन में ही कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा अभ्यर्थियों का पंजीकरण, स्क्रीनिंग, योग्यता की जांच, साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इससे युवाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने और अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी हासिल करने का अवसर मिल रहा है। मेले में पटना के अलावा बिहार के विभिन्न जिलों और सुदूरवर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा पहुंच रहे हैं। अभ्यर्थी डीईटी पोर्टल और क्यूआर कोड के माध्यम से पंजीकरण कर मेगा जॉब फेयर में शामिल हो रहे हैं। विभाग की ओर से मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक रोजगार इच्छुक युवाओं तक इसकी जानकारी पहुंच सके।

गांधी स्मृति यात्रा का चौथा चरण देश रत्न राजेंद्र बाबू के अंतिम स्मृति स्थल तक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गांधी स्मृति यात्रा का चौथा चरण देश रत्न राजेंद्र बाबू के अंतिम स्मृति स्थल (सदाकत आश्रम), गांधी शिविर (ए. एन. सिन्हा इंस्टिट्यूट) होते हुए सिताब दियारा स्थित लोकनायक जयप्रकाश के जन्म स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए राजेंद्र बाबू के जन्म स्थली जीरादेइ जाएगी। इस क्रम में गांधी से जुड़े स्थानों पर भी लोगों से संपर्क किया जाएगा। यात्रा का प्रथम पड़ाव छपरा होगा। पटना से छपरा जाने के क्रम में परशुरामपुर पानापुर मलखाचक आदि में गांधी के स्मृति का संकलन किया जाना है। 8 सितंबर को प्रारंभ होकर यह यात्रा 9 सितंबर को एकमां बसंतपुर होते हुए सिताब दियारा पहुंचेगी। सिताब दियारा से सिवान होते हुए जिरादेई में दूसरा दिन का पड़ाव रखा गया है। 10 सितंबर को यह यात्रा गोपालगंज बेतिया होते हुए गांधी आश्रम भितिहरबा मैं ठहराव होगा। 11 सितंबर को मोतिहारी और 12 सितंबर को सीतामढ़ी में ठहराव रखा गया है। सीतामढ़ी के बाद मुजफ्फरपुर होते हुए जननायक कर्पूरी ठाकुर के जन्मस्थली को नमन करते हुए वापस पटना आएगी। मोतिहारी में चंद्रहीया, जसौली पट्टी आदि गांधी से जुड़े स्थान जाने का कार्यक्रम बनाया गया है। उपरोक्त निर्णय पटना स्थित गांधी विचार मंच के कार्य समिति की बैठक में लिया गया। मंच के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार की अध्यक्षता में आहुत की गई।

संपादकीय

झारखंड में जेएसएससी, सीजीएल समेत कई परीक्षाएं रद्द, खतरे में 1975 नौकरियां

सवाल है कि जितने लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है, क्या सरकार उन सभी को अनियमितता का जिम्मेदार या उसमें सहभागी और उसका लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाला मान रही है? परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सरकार के सकारात्मक और लोकतांत्रिक रुख का संकेत है, लेकिन समूची व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस नीति और निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत पड़ती है। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता के आरोपों के बीच अभ्यर्थियों ने जो विरोध प्रदर्शन शुरू किया था, वह इस संबंध में राज्य सरकार के फैसले के बाद एक तरह से अपने निष्कर्ष पर पहुंच गया लगता है। सरकार ने टीडीपीएल के संचालन में हुई झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया। यह प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों की एक प्रमुख मांग थी।इसके अलावा, झारखंड लोकसेवा आयोग-14 की परीक्षा रद्द होगी और जेपीएससी ग्यारह से तेरह की भी जांच की जाएगी। साथ ही सरकार ने परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनी टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं और उसकी ओर से जारी नतीजों को भी रद्द करने का फैसला किया। इस संदर्भ में झारखंड के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में काम कर रही कई कंपनियां एक बड़े परीक्षा गिरोह में संलिप्त हो गई लगती हैं।सवाल है कि अगर राज्य सरकार को इस बारे में पहले से भनक थी, तो उसने उस कथित गिरोह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाया। फिर सारी स्थितियां स्पष्ट होने के बावजूद विद्यार्थियों का आंदोलन तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय तक क्यों खिंचता रहा? सरकार यह कह सकती है कि वह विद्यार्थियों के आंदोलन को लेकर चिंतित थी और उसने समस्याओं से निपटने के लिए झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण) अधिनियम लागू कर दिया है।मगर परीक्षाओं में अनियमितता पर काबू पाने के लिए सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद थीं, तो इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने क्यों आईं और विद्यार्थियों को आंदोलन का रास्ता क्यों अख्तियार करना पड़ा? हालांकि परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सरकार के सकारात्मक और लोकतांत्रिक रुख का संकेत है, लेकिन समूची व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस नीति और निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत पड़ती है।बहरहाल, झारखंड सरकार के सामने एक नई चुनौती यह सामने आ सकती है कि विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के बाद जिस तरह टीडीपीएल के माध्यम से हुए अभ्यर्थियों के चयन को भी रद्द करने का फैसला लिया गया है, अब उससे संबंधित नई जटिलता सामने खड़ी होगी। गौरतलब है कि सरकार का फैसला अमल में आया, तो उसके बाद इन परीक्षाओं के जरिए चयनित 1975 लोगों की नौकरियां खत्म हो जाएंगी और 2014 के बाद से हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच होगी।सवाल है कि जितने लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है, क्या सरकार उन सभी को अनियमितता का जिम्मेदार या उसमें सहभागी और उसका लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाला मान रही है? अब आगे इस दायरे में आए लोगों की ओर से अगर सरकार के फैसले का विरोध सामने आता है, तब उसे कैसे देखा जाएगा? यह अकेले झारखंड की समस्या नहीं है।

विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शुमार और उन्नत स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं के ढांचे पर खड़े इस देश के पांव बुढ़ापे के कारण लड़खड़ा रहे हैं। जन्म दर लगातार घटने की वजह से कामकाजी युवा आबादी कम हो रही है, परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की कमी का संकट पैदा होने लगा है। इस समस्या से निपटने के लिए जापानी सरकार 'ऑटोमेशन' और 'रोबोटिक्स' तकनीक को तेजी से विकसित कर रही है। मगर सामाजिक कल्याण एवं चिकित्सा खर्चों के बढ़ते बोझ और सिमटती आय की वजह से जापान पर कर्ज का भार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, तकरीबन 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में इस समय विश्व की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, जो कुल जनसंख्या का लगभग पैंसठ फीसद है।

विकसित होने से पहले ही 'बूढ़ा' हो जाएगा भारत? गिरती जन्मदर और बढ़ती बुजुर्ग आबादी

(अनीता सहरावत)

बच्चे और बूढ़े अर्थव्यवस्था पर निर्भर एक ऐसी आबादी है, जिसका बोझ उठाना सरकार और परिवार दोनों की मजबूरी है। केंद्र सरकार बजट का लगभग अठारह फीसद हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण पर खर्च करती है। इसमें से बुजुर्गों से जुड़ी योजनाओं के हिस्से केवल 0.15-0.20 फीसद रकम ही आती है।

जापान विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। करीब सवा बारह करोड़ की आबादी वाला यह देश तेजी से बूढ़ा हो रहा है और वर्तमान में यह दुनिया का सबसे बूढ़ा देश है। यहां जन्म दर लगातार गिर रही है और बूढ़ी आबादी तेजी से बढ़ रही है। आज जापान की लगभग तीस फीसद आबादी पैंसठ वर्ष से ज्यादा उम्र की है, यानी हर दस में से एक जापानी बूढ़ा है।

विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शुमार और उन्नत स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं के ढांचे पर खड़े इस देश के पांव बुढ़ापे के कारण लड़खड़ा रहे हैं। जन्म दर लगातार घटने की वजह से कामकाजी युवा आबादी कम हो रही है, परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की कमी का संकट पैदा होने लगा है। इस समस्या से निपटने के लिए जापानी सरकार 'ऑटोमेशन' और 'रोबोटिक्स' तकनीक को तेजी से विकसित कर रही है। मगर सामाजिक कल्याण एवं चिकित्सा खर्चों के बढ़ते बोझ और सिमटती आय की वजह से जापान पर कर्ज का भार लगातार बढ़ रहा है।

वहीं, तकरीबन 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में इस समय विश्व की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, जो कुल जनसंख्या का लगभग पैंसठ फीसद है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत में 15 से 16 फीसद कमाऊ एवं युवा आबादी के पास रोजगार नहीं है। यानी इस समय देश की 36.7 करोड़ युवा आबादी अर्थव्यवस्था में सक्रिय योगदान देने के लिए तैयार है, लेकिन विडंबना यह है कि यहां सबके लिए काम ही नहीं है। इस समय देश में डेढ़ से ढाई करोड़ युवा बेरोजगार हैं और इनमें भी पढ़े-लिखे युवाओं की आबादी ज्यादा है।

सीधे तौर पर कहा जाए, तो वर्तमान में युवा आबादी भी अर्थव्यवस्था में या तो लागत या फिर औसत गुजारे का ही योगदान दे पा रही है। ऐसे में यह सवाल चिंता पैदा करता है कि पच्चीस से तीस साल बाद की तस्वीर क्या होगी? क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023' के मुताबिक, वर्ष 2022 में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 14.9 करोड़ थी, जो 2050 तक बढ़कर 34.7 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। यानी पच्चीस साल बाद पांच में से हर एक भारतीय बूढ़ा होगा। साफ है कि विकसित अर्थव्यवस्था के पायदान पर पहुंचने से पहले ही भारत की गिनती बूढ़े देशों में होने लगेगी।

बच्चे और बूढ़े अर्थव्यवस्था पर निर्भर एक ऐसी आबादी है, जिसका बोझ उठाना सरकार और परिवार दोनों की मजबूरी है। बच्चे भविष्य का निवेश हैं, जिनके आने वाले समय में आय में तब्दील होने की उम्मीद है, जबकि बुजुर्ग आबादी केवल बचत का खर्च है। मगर ऐसा सोचकर बुढ़ापे की निर्भरता को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। भविष्य की तैयारी करके इस चुनौती को गंभीर समस्या बनने से रोका जा सकता है।

केंद्र सरकार बजट का लगभग अठारह फीसद हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण पर खर्च करती है। इसमें से बुजुर्गों से जुड़ी योजनाओं के हिस्से केवल 0.15-0.20 फीसद रकम ही आती है। सरकारी खजाने से 6,645 करोड़ रुपए वृद्धावस्था पेंशन पर खर्च होते हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को दिए जाते हैं। यह राशि दिखने में भले ही बड़ी लगती है, लेकिन केंद्र की तरफ से प्रति व्यक्ति बुजुर्ग पेंशन के जरिए 200 से 500 रुपए की मामूली सहायता ही मिल पाती है, जिसमें राज्य अपने बजट का बड़ा हिस्सा जोड़कर इसे दो हजार से तीन हजार रुपए तक तय करते हैं। मगर मौजूदा हालात में इतनी कम राशि की मासिक पेंशन के भरोसे क्या गुजारा संभव है?

हालांकि सरकारी बजट पर बुजुर्गों की देखरेख एवं कल्याण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, बीमा और बचत योजनाओं का भी दबाव है।

भोजन, आश्रय और चिकित्सा की संयुक्त योजनाओं के अलावा शारीरिक सहायता एवं बुजुर्गों के लिए जीवनयापन में सहायक जरूरी सामान भी सरकार वृद्धों को मुफ्त मुहैया कराती है। अलग-अलग योजनाओं पर सालाना हजारों करोड़ रुपए सरकारी खजाने से खर्च होते हैं।

हालांकि अर्थशास्त्री और नीति-विशेषज्ञ इसे खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का निवेश मानते हैं, जिसमें पैसा घूमकर खर्च या निवेश के रूप में वापस अर्थव्यवस्था में लौट आता है। मगर यह भी सच है कि सरकारी नीतियों के कागजों से जमीन पर उतरने में कई तरह के रोड़े हैं और योजनाओं की इस चमचमाती तस्वीर से अक्सर अपने घरों की दहलीज पर भूखे, अकेले और बीमार बैठे बुजुर्ग गायब रहते हैं। सरकारी मदद की या तो उन्हें जानकारी ही नहीं होती या फिर इस तक पहुंचना उनके लिए संभव नहीं हो पाता।

एक और दिलचस्प बात यह है कि देश का मध्यम वर्ग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो सबसे ज्यादा कर का बोझ उठाता है। वेतनभोगी और व्यापारिक मध्य वर्ग अपनी कुल आय का लगभग बीस से 45 फीसद विभिन्न तरह के कर के रूप में चुकाता है। इसके बावजूद इस वर्ग को सीधे तौर पर सरकार की तरफ से सामाजिक सुरक्षा या निश्चित बुढ़ापा पेंशन नहीं मिलती। चूंकि यह वर्ग सरकारी मानदंडों में मजबूर, गरीब और निचले तबके में नहीं आता, तो इसे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी सहारा नहीं मिलता। यानी इसे अपने वर्तमान और भविष्य की चिंता खुद ही करनी होती है।

अब सवाल यह है कि इस असुरक्षा का दबाव क्या आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा? यह भी एक बड़ी समस्या है कि देश में प्रजनन दर बहुत तेजी से गिर रही है, क्योंकि कामकाजी होती युवा पीढ़ी में बच्चे पैदा न करने या सिर्फ एक बच्चे तक ही सीमित रहने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस समय देश में कुल प्रजनन दर 1.9 फीसद है, जोकि जनसंख्या के स्थिर संतुलन के आंकड़े 2.1 फीसद से काफी कम है।

प्रजनन दर में गिरावट की शुरुआत वर्ष 1970 के मध्य से ही शुरू हो गई थी, इसमें सबसे ज्यादा तेजी 1990 से 2000 के बीच दर्ज की गई। जो प्रजनन दर वर्ष 1991 में 3.6 फीसद थी, वह 2001 आते-आते 3.1 फीसद रह गई। वर्ष 2001 से लेकर अब तक प्रजनन दर में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इस समय देश में प्रजनन दर इतिहास के सबसे न्यूनतम स्तर पर है। यानी वर्ष 1970 में औसतन एक महिला के पांच से अधिक बच्चे होते थे, मगर वर्तमान में यह औसत दो बच्चों से भी कम रह गई है। जबकि आजादी के समय प्रजनन दर अपने उच्चतम स्तर 6.18 फीसद पर थी।

दिल्ली, केरल, तमिलनाडु जैसे राज्यों में जन्म दर विकसित देशों जितनी कम हो चुकी है। इससे आने वाले समय में मानव कार्यबल में भारी कमी और क्षेत्रीय असमानता का खतरा पैदा होगा। देश में सरकारी योजनाओं का आधार बनने वाली नई जनगणना कई मायनों में खास होगी, जो भविष्य की रूपरेखा तैयार करेगी। इस बीच बचपन और बुढ़ापे का बिगड़ता आंकड़ा चर्चा नहीं, बल्कि संतुलन की जरूरत बता रहा है। अगर इस चुनौती पर अभी से काम शुरू नहीं किया गया, तो भविष्य के युवा कंधे इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे। (यह लेखक के अपन विचार है)

उभरता उत्तर प्रदेश- वैश्विक निवेश की नई धुरी

(प्रोफेसर शिववर्धन पाठक)

'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे से 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026? तक का सफर बताता है कि जब कोई सरकार राज्य के विकास के लिए साफ नीयत व स्पष्ट नीति के साथ कदम बढ़ाती है तो नतीजा उन्नति का नया सवेरा लेकर ही आता है।'

कभी देश के औद्योगिक मानचित्र पर हाशिए पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेशकों के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है, तो इसमें अचरज की कोई बात नहीं है। क्योंकि 25 करोड़ की विशाल आबादी वाला यह राज्य अब केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी आधुनिक अवसंरचना, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, और वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के स्पष्ट रोडमैप के कारण पहचाना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सफल जापान दौरे और वर्तमान में जारी 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026' ने यह साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश ने खुद को वैश्विक पूंजी और तकनीक के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार कर लिया है।

भरोसे और रणनीतिक साझेदारी की नींव – फरवरी 2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे ने उत्तर प्रदेश और जापान के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंधों को एक नए आर्थिक आयाम में बदल दिया। टोक्यो रोड शो के दौरान जापानी उद्योगपतियों और टेक-दिग्गजों से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने राज्य के मेक-इन-यूपी विजन को प्रस्तुत किया। इस दौरान जापानी कंपनियों के साथ करीब एक लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि ?1.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। कुबोटा, स्पार्क मिंडा, टोयो डेंसो व नागासे जैसी दिग्गज जापानी कंपनियों ने एग्रीकल्चरल मशीनरी, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश की प्रतिबद्धता जताई। यामानाशी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू और एचबीटीयू के सहयोग से 'ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर सहमति बनी। जापानी निवेशकों की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के निकट यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ भूमि पर विशेष 'जापान सिटी' विकसित कर रही है। यह एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप जापानी कंपनियों और उनके सप्लायर्स के लिए एक प्लग-एंड-प्ले प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी।

वैश्विक निवेश का 'हब' कैसे बना उत्तर प्रदेश – जापान दौरे की सफलता के बाद दिल्ली-एनसीआर में आयोजित हो रहा 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026' (18-23 अगस्त) दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक रिश्तों को धरातल पर उतारने का काम कर रहा है। इसमें 200 से अधिक शीर्ष जापानी प्रतिनिधि, सीईओ और नीति निर्माता भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश का यह आर्थिक रूपांतरण रातों-रात नहीं हुआ है। इसके पीछे दूरदर्शी नीतियां, कनेक्टिविटी और बेहतर शासन मॉडल है। 'जीरो टॉलरेंस' पर आधारित लॉ एंड ऑर्डर नीति ने राज्य में अपराधियों के खौफ को खत्म कर निवेशकों को सुरक्षा का भरोसा दिया है। सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र', सेक्टर-विशिष्ट नीतियों, और एमएसएमई इकाइयों के लिए 1000 दिनों तक कई एनओसी से छूट जैसे कदमों ने प्रदेश में लालफीताशाही को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।

विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे और लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी – देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 60 प्रतिशत हिस्सा अब यूपी में है। 17 चालू/प्रस्तावित घरेलू एयरपोर्ट्स, 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन, और देश का पहला इनलैंड वाटरवे (वाराणसी) यूपी को एक मजबूत लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बनाते हैं। यही वजह है कि आज यूपी के पास भारत का 55 फीसदी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन का आधार है। 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां और एक विशाल युवा कार्यबल जापानी निवेशकों को निर्माण से लेकर खपत तक एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) प्रदान करते हैं।

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में निर्णायक – 'बीमारू' राज्य के ठप्पे को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश आज भारत के विकास का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। पिछले 9 वर्षों में राज्य का बजट, जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना बढ़ चुकी है। जापान और उत्तर प्रदेश के बीच का संबंध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्ध विरासत का भी है। भगवान बुद्ध की कर्मभूमि–सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, और कपिलवस्तु–का विकास 'बुद्ध सर्किट' के रूप में करके राज्य ने जापानी पर्यटकों और आध्यात्मिक निवेशकों के साथ एक आत्मीय भावनात्मक संबंध गढ़ा है। यह केवल निवेश का आगमन नहीं। यह जापानी टेक्नोलॉजी व प्रिसिजन का यूपी के स्केल व स्पीड के साथ एक ऐतिहासिक संगम है। आज उत्तर प्रदेश ने यह साबित कर दिखाया है कि स्थिर सरकार, पारदर्शी नीतियों, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षित माहौल के बल पर किसी भी क्षेत्र को दुनिया की अग्रणी आर्थिक जमीन के रूप में स्थापित किया जा सकता है। आने वाले दिनों में दुनिया के अन्य शीर्ष औद्योगिक देशों के प्रतिनिधिमंडल यदि उत्तर प्रदेश में दौरा करते दिखाई दें तो यह हैरत की बात नहीं होगी।(लेखक प्रोफेसर हैदीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष रह चुके हैं।) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

साधारणता में छिपा है असली सौंदर्य- चमक-दमक से दूर, सरलता में ढूंढें जीवन का सच्चा आनंद

जब हम सरल जीवन अपनाते हैं, कम वस्तुओं का उपभोग, स्थायी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर दबाव कम करते हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन और भोग-विलास ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को खत्म किया है, बल्कि मानसिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाई है। साधारण जीवनशैली अपनाने से हम संसाधनों का सम्मान करते हुए संतुलन बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, साधारणता का अर्थ सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देना हो सकता है। जब हम दिखावे के बजाय गुणवत्ता और संबंधों को महत्त्व दें, तो समाज में दिखावे के कारण बनने वाले विभाजन कम होते हैं।

(अविनाश जोशी)

साधारणता में ही जीवन का असली सौंदर्य और शांति छिपी है। बनावटी चमक-दमक से दूर, सादा जीवन और प्रामाणिक रिश्ते हमें मानसिक स्पष्टता, आत्मसंतोष तथा प्रकृति के साथ बेहतर संतुलन प्रदान करते हैं।

हम अक्सर सुंदरता की परिभाषा बड़ी चीजों, असाधारण चिह्नों और भव्य दृश्यों से जोड़ लेते हैं। चमकीली रोशनी से सजी इमारतें, महंगे पोशाक-परिधान और सोशल मीडिया पर खूब प्रचारित होने वाली तस्वीरें- ये सभी मन में सुंदरता का एक विशेष और ऊंचा मानक स्थापित कर देते हैं। मगर हम ध्यान से देखें तो जीवन की सबसे ठोस, स्थायी और दिल को छू लेने वाली सुंदरता अक्सर साधारण, सामान्य और रोजमर्रा की चीजों में छिपी होती है। साधारण के भीतर छिपा यह सौंदर्य न सिर्फ दिखता है, बल्कि महसूस भी होता है। यह हमें ज्यों का त्यों रहने और सरलता में आनंद लेने की प्रेरणा देता है।यह समझना जरूरी है कि 'साधारण' का अर्थ दुर्बल या निम्न नहीं होता। साधारण का तात्पर्य है सरलता, अप्रतिष्ठा और स्वाभाविकता- ऐसी चीजें जो बेझिझक, बिना सजावट के और वास्तविक रूप में मौजूद रहती हैं। एक खेत में खड़ी सरसों की पीली लहर, आम के बाग में मौसम का मीठा फल या एक बरसाती सड़क पर चलती साइकिल- ये तमाम दृश्य किसी भी समय हमें सहजता से आनंद दे सकते हैं। इनके सामने चमक-दमक की आभा अस्थायी और सतही लगती है, क्योंकि साधारण चीजों का आकर्षण सच्चाई और अनुराग से जुड़ा होता है, न कि दिखावे से।

साधारणता की सुंदरता का एक बड़ा कारण उसकी प्रामाणिकता है। जब कोई वस्तु या अनुभव सजावट, दिखावे या बनावटीपन से मुक्त होता है, तब वह अपनी असली पहचान प्रकट करता है। प्रामाणिकता का अर्थ है कि चीजें जैसे हैं, वैसी ही स्वीकार की जाएं। यह स्वीकार्यता हमें गहरा संतोष देती है। साधारण रिश्ते, जो दिखावे के बजाय समझदारी, भरोसे और साधारण सहायक भावों पर टिकी हों, वे अक्सर सबसे मजबूत व टिकाऊ होते हैं। हर सफल दोस्ती या पारिवारिक संबंध के पीछे रोजमर्रा की छोटी-छोटी परवाह व साझा किए गए अनुभव होते हैं, जो दिखने में साधारण पर व्यवहार में गहरे होते हैं।

सदियों से भारतीय संस्कृति में साधारणता की महत्ता

पर जोर दिया गया है। हमारे ऋषि-मुनि, संत और साधु साधारण जीवन को अहम मानते रहे हैं, क्योंकि वे जानते थे कि कम चीजों के साथ जीना मन के लिए शांति का मार्ग खोलता है। अधिक की लालसा मन को बेचैन कर देती है, जबकि साधारणता में संतोष और आत्मसंतुष्टि होती है। लोक जीवन की कला, हस्तशिल्प और ग्रामीण संस्कृति में भी यही सौंदर्य निहित है। हाथों से बनी मिट्टी के बर्तन, बुनकरों के कपड़े, गांव की सादगी- ये सब हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और अस्तित्व के अर्थ की याद दिलाते हैं।

जब हम सरल जीवन अपनाते हैं, कम वस्तुओं का उपभोग, स्थायी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर दबाव कम करते हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन और भोग-विलास ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को खत्म किया है, बल्कि मानसिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाई है। साधारण जीवनशैली अपनाने से हम संसाधनों का सम्मान करते हुए संतुलन बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, साधारणता का अर्थ सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देना हो सकता है। जब हम दिखावे के बजाय गुणवत्ता और संबंधों को महत्त्व दें, तो समाज में दिखावे के कारण बनने वाले विभाजन कम होते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में साधारणता अपनाने का अर्थ केवल भौतिक वस्तुओं की कटौती नहीं है, बल्कि मानसिक सरलीकरण भी है। आज हम अनेक अपेक्षाओं, योजनाओं व तनावों से घिरे रहते हैं। साधारण जीवन का अभ्यास दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव, अनावश्यक शोर को कम करना, प्राथमिकताओं का फिर से मूल्यांकन हमें मन की स्पष्टता देता है। सुबह की थोड़ी सैर, मोबाइल का समय सीमित करना और भोजन के समय पूरी तरह उपस्थित रहना- ये कदम भी जीवन की गुणवत्ता बदल देते हैं। जब मन शांत होता है, तब हम आसपास की साधारण सुंदरताओं को भी अधिक गहराई से देख पाते हैं।

फिर भी, साधारणता का अर्थ आत्म-परित्याग नहीं है। यह तर्कसंगत ढंग से चुनने और उन चीजों को बनाए रखने का तरीका है, जो खुशी और अर्थ देती हैं। हर दिन कुछ मिनट निकालकर उन चीजों के लिए धन्यवाद करना, जैसे निरोग होना, परिवार की हंसी और प्रकृति की उपस्थिति हमें यह याद दिलाती है कि जीवन की असल खुशियां दिखावे से नहीं, बल्कि अनुभवों और रिश्तों से आती हैं। आभार का अभ्यास दृष्टिकोण को बदल देता है। वही दिन, जो पहले बेमायने थे, साधारणता की दृष्टि से समृद्ध और सुंदर लगने लगता है। हमारे समाज में आधुनिकता और पारंपरिकता के बीच एक संतुलन बनाना आवश्यक है। आधुनिक सुविधाएं और विज्ञान हमारी जिंदगी को सरल और सुविधाजनक बना सकते हैं, मगर उन सुविधाओं का उपयोग तभी सार्थक है, जब हम उन्हें साधारण जीवन के सिद्धांतों के साथ जोड़ते हैं।

तकनीक और साधारणता विरोधी नहीं हैं। वे मिलकर बेहतर जीवन का आधार बन सकते हैं। 'जो साधारण है वही सुंदर है'- यह विचार हमें एक गहरी मानवीय सच्चाई की ओर ले जाता है कि वास्तविक खुशी और सुंदरता बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदरूनी शांति, ईमानदारी और संबंधों की सरलता में है। साधारण होना हमें जीवन की असली परतों से जुड़ने का अवसर देता है। रिश्तों की गर्माहट, प्रकृति की सहजता, और स्वयं के प्रति सच्चाई। जब हम साधारण को अपनाते हैं, तब हमारे देखने का ढंग बदल जाता है। छोटे-छोटे पल भी उत्सव बन जाते हैं और जीवन का हर क्षण पूर्णता से भरपूर दिखता है। यही साधारणता की परम स्वत-स्फूर्त सुंदरता है- स्थायी, सहज और सबके लिए सुलभ।

खरीफ फसल, किसान रजिस्ट्री, उर्वरक उपलब्धता सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने बताया कि खरीफ वर्ष 2026 में विभिन्न फसलों के लिए कुल 1,00,979.94 हेक्टेयर आच्छादन लक्ष्य के विरुद्ध मुख्य रूप से 92,138.44 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुआई की जा चुकी है।प्रतिकूल मौसम में अल्पधिक वर्षापात,बाढ़ तथा अनावृष्टि के अंतराल की स्थिति को देखते हुए आकस्मिक फसल योजना तैयार की गई है।उर्वरकों की उपलब्धता एवं उचित मूल्य पर बिक्री की को लेकर लगायार निगरानी की जा रही है। खरीफ मौसम में जिले में पर्याप्त मात्रा में सभी प्रकार का उर्वरक उपलब्ध है।डीएओ ने बताया कि किसान रजिस्ट्री को लेकर बताया कि 20 से 25 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान चलाकर सभी पंचायतों में किसान रजिस्ट्री का कार्य कराया जा रहा है। 20 अगस्त 2026 तक कुल 2,24,308 किसानों की किसान रजिस्ट्री पूरा हो चुका है,जिसके आधार पर कटिहार जिला राज्य में दूसरे स्थान पर है।उन्होंने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी सीधे किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार कृषि ऐप का निर्माण किया जा चुका है।अब तक 55,534 कृषकों का इस ऐप के माध्यम से किया जा चुका है।इस दौरान पशुपालन, मत्स्य, गव्य, सिंचाई एवं लघु सिंचाई सहित अन्य विभागों के पदाधिकारियों द्वारा भी वर्ष 2026 में संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों के पदाधिकारियों को अपने - अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का ससमय एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आगामी बैठक में योजनाओं की प्रगति का अद्यतन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।बैठक में टास्क फोर्स के सभी सदस्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भेदभावमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन,अररिया की पहल पर महिला सशक्तिकरण कार्यालय एवं महिला एवं बाल विकास निगम, अररिया के तत्वावधान में ढङ्क्ल्ल् अू३ (पोश एक्ट) 2013 से संबंधित उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, अररिया में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पूजा भारती फैकल्टी प्लॉटेक्निक कॉलेज अररिया, श्रीमती लोभा कुमारी जिला परियोजना प्रबंधक सोहेब रूमी जिला मिशन समन्वयक अररिया, अनुज रंजन लैंगिक विशेषज्ञ द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में पलिटेक्निक के सभी फैकल्टी, विद्यार्थी ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, शिकायत निवारण की प्रक्रिया, आंतरिक शिकायत समिति एवं स्थानीय शिकायत समिति की भूमिका तथा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। एक्ट 2013 से संबंधित विषय पर श्री अनुज रंजन जेंडर स्पेशलिस्ट, अररिया द्वारा जेंडर आधारित हिंसा एवं लैंगिक समानता से संबंधित विषय पर प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। सोहेब रूमी जिला मिशन समन्वयक, अररिया द्वारा आंतरिक शिकायत समिति, स्थानीय शिकायत समिति एवं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। लोभा कुमारी जिला परियोजना प्रबंधक ने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल का निर्माण केवल कानूनी जिम्मेदारी नहीं बल्कि हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी भी है। पोष एक्ट महिलाओं को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपनी शिकायत के लिए एक मजबूत कानूनी व्यवस्था उपलब्ध कराता है। उन्होंने जिला प्रशासन की पहल का उद्देश्य जिले के प्रत्येक कार्यालय एवं संस्थान तक इस कानून की जानकारी पहुंचाना और महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और संवेदनशीलता के माध्यम से ही हम महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं समान वातावरण का निर्माण कर सकते हैं। साथ ही कार्यस्थल पर किसी भी महिला के साथ लैंगिक उत्पीड़न या भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक संस्थान का दायित्व है।

संक्षिप्त समाचार

16 वर्षीया नाबालिग बच्ची की शादी रुकवाई

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के काबर पंचायत मे प्रखंड विकास पदाधिकारी -सह- सहायक बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार धीरज ,महिला विकास निगम के जिला परियोजना प्रबंधक जितेंद्र कुमार साह, जिला समन्वयक मनीष पोद्दार, केंद्र प्रशासक बारसोई ममता कुमारी भारती ,तटवासी समाज न्यास के प्रखंड समन्वयक प्रदीप कुमार ,राहत के भवानी कुमारी ,चाइल्ड हेल्पलाइन के हरदेव कुमार एवं पिंकू कुमार के द्वारा कार्रवाई करते हुए 16 वर्षीय नाबालिग बच्ची की शादी रुकवाई गई।। मामले की सूचना मिलने के बाद संबंधित टीम मौके पर पहुंची और बच्ची की उम्र से संबंधित दस्तावेजों की जांच की, जिसमें वह नाबालिग पाई गई।इसके बाद टीम ने बच्ची के परिजनों को बाल विवाह से होने वाले सामाजिक एवं कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी दी। परिजनों को समझाया गया कि निर्धारित कानूनी आयु से पहले विवाह कराना कानूनन अपराध है और इससे बच्ची के शिक्षा एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम 2006 के विषय में भी बताई गई ,तत्पश्चात परिजनों ने शादी रोकने पर सहमति जताई तथा भविष्य में बच्ची के बालिग होने के बाद ही विवाह कराने का आश्वासन दिया। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से एक नाबालिग बच्ची का बाल विवाह समय रहते रुक गया। कवच 2.0 परियोजना के प्रखंड समन्वयक प्रदीप कुमार ने बताया कि परिजन से एक लिखित आवेदन ली गई की अपनी पुत्री की शादी 18 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद ही कराई जाएगी । संबंधित बालिका की निरंतर फोलोअप की जाएगी ताकि 18 वर्ष उम्र पूरी होने के पहले उसकी शादी ना हो एवं उसकी पढ़ाई आगे भी सुचारू रूप से चलती रहे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में 27 हजार का जुर्माना वसूला

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कटिहार नगर निगम कटिहार की ओर से शुक्रवार को मिरचाईबाड़ी हनुमान मंदिर से हरिशंकर नायक उच्च विद्यालय मिरचाईबाड़ी तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया तथा संबंधित लोगों को सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमणमुक्त रखने की सख्त हिदायत दी गई। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों से कुल ₹27,000 की जुमार्ना राशि वसूल की गई। अतिक्रमण हटाओ अभियान में नोडल पदाधिकारी सह सिटी मैनेजर ज्योति कृष्णमुर्ति ,सहायक अभियंता विवेक कुमार, कनीय अभियंता अजय सिंह सहित नगर निगम के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।नगर निगम प्रशासन ने आम लोगों एवं दुकानदारों से अपील की कि सार्वजनिक सड़कों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

पांच सूत्री मांगों को ले कर आपूर्ति विभाग के कर्मियों ने काला बिल्ला लगा कर किया कार्य

सालमारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार आपूर्ति सेवा संघ के आह्वान पर पांच सूत्री मांगों को लेकर आपूर्ति विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी गुरुवार से काला बिल्ला लगा कर विरोध जताते हुए कहा की मांगे पूरी नहीं होने एवं इस का कुछ समाधान नहीं निकालने पर आगामी 26 अगस्त से पहले सामुहिक अवकाश और फिर पूर्ण हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी गयी।संघ के सदस्यों ने बताया कौ इस की सूचना संबंधित विभाग के साथ साथ मुख्य सचिव और विभागीय मंत्री को ज्ञापन सौंप कर आन्दोलन किये जाने की सूचना दे दी गयी है। संघ के द्वारा पांच सूत्री मांगों में आपूर्ति कार्यालय में विभागीय वाहन, कार्यालय के लिए संसाधन एवं बजट का प्रावधान, वेतनमान विसंगति दुर करने, अविलंब प्रोन्नति सुनिश्चित करने, संवर्ग पुनर्गठन कराने की मांग की गयी है। आजमनगर आपूर्ति पदाधिकारी सजल वत्स, बलरामपुर आपूर्ति पदाधिकारी सृजन श्रीवास्तव, बारसोई आपूर्ति पदाधिकारी संजीव सिंह, कदवा आपूर्ति पदाधिकारी मनीष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की राज्य में नया राशन कार्ड बनाने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने या संसोधन के लिए अभियान चलाया गया है। लेकिन संसाधन की कमी के कारण परेशानी बढ़ गयी है। विवश हो बिहार आपूर्ति सेवा संघ के आह्वान पर काला बिल्ला लगा कर विरोध जताते हुए हड़ताल पर जाने के लिए विवश हो रहे हैं।

408 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

कुरसेला/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कुरसेला पुलिस ने विगत शाम गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 408 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत 35 से 40 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्कर के पास से एक मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर समेली शिवमंदिर चौक की ओर आ रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने शिवमंदिर चौक के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति भागने लगा। पुलिस बल के सहयोग से उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सत्यम कुमार (25) बताया। जो खगड़िया जिले के अलौली थाना क्षेत्र स्थित हरिहरपुर गांव का रहने वाला है। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से 408 ग्राम स्मैक बरामद किया। इसके बाद आरोपित को गिरफ्तार कर कुरसेला थाना में मामला दर्ज किया गया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सत्यम कुमार का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ अलौली, खगड़िया रेल थाना और सदर थाना में एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस बरामद मादक पदार्थ के स्रोत और इसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है।

22 एवं 23 अगस्त को सुबह के आठ बजे से दोपहर दो बजे तक बिजली सेवा रहेगी बाधित

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पावर सब स्टेशन मनसाही के हरिप्रसाद, मनसाही,कुरेठा एवं पोठिया फीडर में 22 एवं 23 अगस्त को सुबह के आठ बजे से दोपहर के दो बजे तक विद्युत सेवा बाधित रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए पावर सब स्टेशन के जूनियर इंजीनियर रोशन कुमार राकेश ने बताया कि पावर सब स्टेशन मनसाही अंतर्गत कुरेठा, पोठिया,मनसाही एवं हरिप्रसाद फीडर में दी जाने वाली बिजली सुबह के आठ बजे से दोपहर के दो बजे तक 22 एवं 23 अगस्त को बाधित रहेगी। इस दौरान विद्युत शक्ति उपकेंद्र में मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा मेंटेनेंस का कार्य हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति दी जाएगी। अगर इन दोनों दिन मौसम खराब होने पर अगले दिन मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा।

विभिन्न संस्थानों में सब्जी उपलब्ध कराने को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता प्रखंड स्तरीय प्राथमिक सब्जी सहकारी समिति के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न संस्थानों में प्राथमिक सब्जी सहकारी समिति के माध्यम से सब्जी उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई।बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी,जिला परियोजना प्रबंधक जीविका,जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, पी एम पोषण योजना खासकर उपस्थित रहें।जिला पदाधिकारी ने जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,पीएम पोषण योजना को पोषण योजना से आच्छादित जिले के विद्यालयों के प्रधानाचार्य को मध्याह्न भोजन के लिए सब्जी खरीदने में प्राथमिक सब्जी सहकारी समिति को प्राथमिकता देने के लिए निर्देशित करने को कहा। वहीं जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका को निर्देश दिया कि दीदी की रसोई की सब्जी के लिए सब्जी की उपलब्धता प्राथमिक सब्जी सहकारी समिति को प्राथमिकता दी जाये। उन्होंने कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थानों में सब्जी उपलब्धता के लिए प्राथमिक सब्जी सहकारी समिति को प्राथमिकता देने का निर्देश जिला कल्याण पदाधिकारी को दिया।उन्होंने जिला सहकारिता पदाधिकारी को संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर प्रखंडस्तरीय सब्जी सहकारी समिति के सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

कांग्रेसी नेता की माता के निधन पर सांसद ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस के युवा नेता मो आदिल लड़कनिया मोहल्ला निवासी की माता जी बारिरह खातून (51) का कोलकाता के अस्पताल मे इलाज के दौरान निधन हो गई। इनके असामयिक निधन पर दुःख प्रकट करते हुए सांसद तारिक अनवर ने शोक जताया। श्री अनवर ने अल्लाह तआला से दुआ की कि उनके परिवारजनों एवं करीबियों को इस कठिन वक्त को सहने की शक्ति प्रदान करें। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव ,प्रदेश उपाध्यक्ष सऊद आलम, वरिष्ठ नेता संजय सिंह, दिलीप विश्वास, जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला, सत्यनारायण प्रसाद पूर्व विधायक, सुनीता देवी पूर्व विधायक, शाहनवाज खान,नगर अध्यक्ष अ राज आनंद सिंह, नगर अध्यक्ष ब रिंकू मिश्रा, बीके ठाकुर, शंकर सिंह अधिवक्ता, पुतुल सिंह, बिमल सिंह बेगानी, विनोद यादव, आम्रपाली यादव , संतोष यादव, अल्तमस दीवान, डॉ बिपिन सिंह, अवधेश मंडल, मो असलम, भुवन अग्रवाल, सांसद के निजी सचिव गुलाम मोहम्मद शहदुल हक, मुकेश साह, मो रियाज, हसन अधिवक्ता, नवीन खंडेलिया, पप्पू कश्यप, मन्नी पासवान, मो इश्तियाक, मेजर जमाल , मीनाक्षी श्वेता, नितिन सिंहा, प्रीतम चक्रवर्ती, धनंजय ठाकुर, मसूद रजा खान, सुबीर सरकार , मो शकील, अमित साह, अबुल कलाम आजाद आदि नेताओं ने दुःख प्रकट किया।

कचरे से खिलौने बनाकर बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दे रही आंगनवाड़ी सेविका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । जिले के पलासी प्रखंड अंतर्गत सुक्सेना पंचायत में संचालित आंगनवाड़ी केंद्र संख्या-116 की सेविका श्रीमती बीबी किशवर जहाँ अपने व्यक्तिगत प्रयास और रचनात्मक सोच से बच्चों को रोचक एवं आनंददायक तरीके से शिक्षा देने की मिसाल पेश कर रही हैं। उनके द्वारा केंद्र पर अनुपयोगी एवं फेंकने योग्य घरेलू सामग्री का रचनात्मक उपयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के शिक्षाप्रद खिलौने एवं प्री-स्कूल शिक्षण सामग्री तैयार की गई है। सेविका द्वारा कूट/कार्डबोर्ड, खाली डिब्बे, बोतल सहित अन्य अनुपयोगी सामग्रियों से आकर्षक खिलौने तैयार किए गए हैं। साथ ही बच्चों के लिए अ से, 1 से 100, क से ज्ञ तक अक्षर ज्ञान, रंग एवं आकार की पहचान सहित विभिन्न गतिविधियों से संबंधित शिक्षण सामग्री तैयार कर केंद्र पर प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा आंगनवाड़ी केंद्र का मॉडल भी तैयार किया गया है। इन स्वयं निर्मित खिलौनों एवं शिक्षण सामग्रियों के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी जा रही है। रंग, आकार, संख्या, अक्षर, पशु-पक्षी, फल-सब्जियों आदि से संबंधित गतिविधियों को इन सामग्रियों के माध्यम से रोचक एवं सरल बनाया गया है। इससे बच्चों में सीखने के प्रति रुचि बढ़ने के साथ-साथ उनकी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता एवं बौद्धिक विकास को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। इस पहल की खासियत यह है कि ह्लकचरे को संसाधन में बदलकर सीखने का साधनह्व बनाया गया है। बच्चों को जहां आनंदपूर्वक सीखने का अवसर मिल रहा है, वहीं उनमें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, पुनर्चक्रण तथा उपलब्ध संसाधनों के सदुपयोग की भावना भी विकसित हो रही है। सीमित संसाधनों के बीच सेविका श्रीमती बीबी किशवर जहाँ द्वारा किया जा रहा यह प्रयास करके सीखने की अवधारणा को साकार करता है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनुपयोगी सामग्री का बेहतर उपयोग कर तैयार की गई यह शिक्षण सामग्री अन्य आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए भी प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय पहल है।

रसोइया पर शिक्षिका से मारपीट व अभद्र व्यवहार का आरोप की डीपीओ ने की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ग्वालटोली सिंहपुर में कार्यरत रसोईया पर शिक्षिका के साथ बीते सोमवार को कथित मारपीट एवं अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया था। मामले को लेकर शिक्षिका रीमा घोष के आवेदन पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अल्ताफ हुसैन ने विद्यालय पहुंचकर मामले की जांच की थी। जिसमें रसोईया के व्यवहार में अनुशासनहीनता की पुष्टि हुई थी। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालय शिक्षा समिति को निर्देश दिया था कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर आपातकालीन बैठक आयोजित कर रसोईया आशा देवी के विरुद्ध विद्यालय हित, बच्चों की सुरक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए विभागीय दिशा-निर्देश के अनुसार आवश्यक निर्णय लिया जाए। उक्त मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर डीपीओ मध्यान भोजन योजना नीशिंत सिंह ने भी विद्यालय पहुंचकर विस्तृत जांच की। उन्होंने प्रभारी प्रधानाध्यापक, सभी शिक्षकों, रसोईया एवं छात्र-छात्राओं से घटना के संबंध में जानकारी ली। साथ ही विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय ग्रामीणों से भी पूरे मामले को लेकर उनका पक्ष जाना। उन्होंने बताया कि संबंधित शिक्षिका का फिलहाल प्रतिनियोजन प्रखंड कार्यालय में कर दिया गया है।

विधायक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। कदवा विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी शुक्रवार को अपराह्न लगभग तीन बजे अचानक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डंडखोरा पहुंचकर अस्पताल में चल रही गतिविधियों का जायजा लिया।विधायक ने परिसर एवं विभिन्न कक्षों की साफ-सफाई का बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं ओपीडी कक्ष,औषधि भंडार कक्ष, औषधि वितरण कक्ष का भी निरीक्षण किया तथा दवाओं के रख-रखाव को लेकर संतोष जताया।औषधि भंडार कक्ष के निरीक्षण के दौरान फार्मासिस्ट तथा भंडार पाल से आवश्यक पूछताछ की तो विभिन्न दवाओं के पैकेट पर अंकित निर्माण तिथि एवं वैधता समाप्ति की जांच की।इस क्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तथा स्वास्थ्य प्रबंधक ने चिकित्सक एवं अन्य चिकित्सा कर्मियों के कारण अस्पताल की गतिविधियों के संचालन हो रही समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने कहा कि चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों की कमी के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर अवगत करा दिया गया है।उन्होंने बहाली होने पर चिकित्सक एवं कर्मियों की कमी दूर करने का आश्वासन दिया है। विधायक ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि उपलब्ध संसाधनों से अस्पताल आने वाले रोगियों को सुविधा मिलनी चाहिए।इस संबंध में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वरीय अधिवक्ता अविनाश यादव के निधन पर शोकसभा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट। जिला व्यवहार न्यायालय के वरीय अधिवक्ता अविनाश यादव के निधन से अधिवक्ता समाज में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से खुद को अलग रखा। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महानंद यादव और सचिव विजय कुमार झा के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित शोकसभा में अधिवक्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कीया गया और 2 मिनट का मौन धारण किया गया।संघ के सचिव विजय कुमार झा ने कहा कि स्व. यादव आपराधिक मामलों के कुशल अधिवक्ता होने के साथ-साथ नेक इंसान भी थे। वे पूर्व में सहायक लोक अभियोजक एवं लॉ कॉलेज के प्राचार्य रह चुके थे। उन्होंने संघ की ओर से दिवंगत अधिवक्ता के परिजनों को तीन लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। मौके पर सैकड़ों अधिवक्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। श्रावणी मेला को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मनिहारी प्रखंड सभागार में अनुमंडल स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मनिहारी एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह ने की। बैठक में प्रभारी एसडीपीओ आसिफ आलम, बीडीओ, सीओ,कल्याण पदाधिकारी सहित मनिहारी व अमदाबाद प्रखंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। बैठक में श्रावणी मेला के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों से मेला क्षेत्र में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली तथा सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए पेयजल, साफ-सफाई,प्रकाश व्यवस्था,भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम समय रहते पूरे किए जाएं। उन्होंने चिन्हित स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने तथा वाहनों के आवागमन के मार्ग और ठहराव स्थलों को चिह्नित करने का निर्देश दिया। बैठक में मेला क्षेत्र में भीड़ बढ़ने की स्थिति से निपटने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर भी विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी रखने को कहा गया। प्रभारी एसडीपीओ आसिफ आलम ने बताया कि श्रावणी मेला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

फेस्टिव सीजन में महंगाई का झटका, टाटा मोटर्स की गाड़ियां 25,000 तक महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की गाड़ियां महंगी होने जा रही हैं। कंपनी ने 1 सितंबर से अपनी सभी गाड़ियों की कीमतों में 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने इसकी वजह बढ़ती लागत और महंगाई के दबाव को बताया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सभी खंडों में पेट्रोल-डीजल और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने इस फाइनेंशियल ईयर में तीसरी बार कीमत बढ़ाई है। कंपनी ने कहा, 'बढ़ती लागत और महंगाई के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए कीमतों में यह बदलाव किया जा रहा है।' कंपनी का दावा है कि अब भी इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही है लेकिन संशोधन के जरिये इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है। टाटा मोटर्स की गाड़ियों में छोटी कार टियागो से लेकर प्रीमियम एसयूवी सफारी तथा हैरियर ईवी शामिल है। इन वाहनों की कीमत लगभग 4.7 लाख रुपये से 31 लाख रुपये के बीच है। टाटा मोटर्स पीवी ने अप्रैल से तीसरी बार अपनी गाड़ियों की कीमत बढ़ाई है। पहली बार अप्रैल में कंपनी ने इनपुट-कॉस्ट में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की कीमत में औसतन 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद जुलाई में उसने पेट्रोल-डीजल और ईवी दोनों तरह की पैसेंजर गाड़ियों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की।

6 प्रतिशत तक लुढ़के शुगर स्टॉक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को शुगर कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। एक तरफ घरेलू बाजार में चीनी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं तो वहीं शुगर स्टॉक लुढ़क गए। अवध शुगर एंड एनर्जी के शेयर 1.53 प्रतिशत लुढ़क गए। डालमिया भारत शुगर कंपनी का शेयर करीब 6 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। बता दें, इस गिरावट के पीछे की वजह सरकार का लिया गया एक फैसला है। सरकार ने

घरेलू बाजार में चीनी की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और उपलब्धता बढ़ाने के लिए 31 अक्टूबर तक शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दी है। इसके साथ ही कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार ने उन थोक उपभोक्ताओं पर भी भंडारण सीमा लागू कर दी है, जो हर महीने 10 टन से अधिक चीनी का उपयोग करते हैं। ऐसे उपभोक्ता अब अधिकतम 15 दिन की खपत के बराबर चीनी का ही भंडार रख सकेंगे। बता दें, इसी फैसले की वजह से शुगर कंपनियों के शेयरों के दाम लगातार कम हो रहे हैं। डालमिया भारत शुगर के शेयर शुक्रवार की सुबह 5.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 480.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज के शेयरों का दाम 4.32 प्रतिशत लुढ़क चुका है। बलरामपुर चीनी मिल्स का स्टॉक 4.15 प्रतिशत और त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज के शेयर 3.82 प्रतिशत की गिरावट के बाद 288.60 रुपये के स्तर पर आ गया। उत्तम शुगर मिल्स के शेयर 3.07 प्रतिशत, ईआईडी पेरी के सेयर 2.22 प्रतिशत की गिरावट के बाद 792.30 रुपये, धमापुर शुगर मिल्स के शेयर 1.99 पर्तिशत और अवध शुगर एनर्जी के शेयर 1.53 प्रतिशत लुढ़क गए। बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल्स के शेयरों का दाम 1.41 प्रतिशत टूटने के बाद 23 रुपये और श्री रेणुका शुगर के शेयर 1.03 प्रतिशत लुढ़क गया। यह कदम चीनी की कीमत में तेज बढ़ोतरी के बीच उठाया गया है।

सोना 3 दिन में 6,400 उछला चांदी 14,000 रू. हुई महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज लगातार तीसरे दिन तेजी आई है। डॉलर के कमजोर होने और अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट की ओर से लॉन्ग टर्म यील्ड को कंट्रोल में रखने की कोशिशों से सोने और चांदी को सपोर्ट मिला। अमेरिकी डॉलर में साप्ताहिक गिरावट देखी जा रही है। इससे दूसरी करेंसी रखने वालों के लिए डॉलर में कीमत वाली कमोडिटीज सस्ती हो गई हैं।

एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी के लिए सिल्वर फ्यूचर्स 2,986 बढ़कर 2,46,229 प्रति किलो तक पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 2,43,243 पर बंद हुआ था। इसी तरह अक्टूबर 2026 डिलीवरी के लिए गोल्ड फ्यूचर्स 1,205 बढ़कर 1,60,630 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। पिछले तीन सेशन में चांदी की कीमत में 14,000 का उछाल आया है जबकि सोने की कीमत में लगभग 6,500/10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। जानकारों का कहना है कि एक्समएक्स पर सोने के लिए सपोर्ट 1,58,000-1,56,650 रुपये और रेजिस्टेंस 1,60,600-1,61,800 रुपये है।

सर्राफा कीमत

इस बीच सर्राफा मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 1,210 रुपये की तेजी के साथ 1,60,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 1,100 रुपये ऊपर 1,47,100 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 18 कैरेट वाला सोना 900 रुपये ऊपर 1,20,360 रुपये पर है। चांदी भी 5,000 तेजी के साथ 2,60,000 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है।

सोने और चांदी की इंटरनेशनल कीमतें

स्पॉट गोल्ड की कीमत पिछले सेशन में जून की शुरुआत के बाद से अपने उच्चतम स्तर को छूने के बाद 4,514.23 प्रति औंस पर स्थिर रही। इस हफ्ते इस मेटल की कीमत में 3.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 4,571.20 पर स्थिर रहे। इसी तरह स्पॉट सिल्वर की कीमत भी फ्लैट 68.03 प्रति औंस पर रही।

नहीं बढ़ेगी चीनी की कीमत, 15-20 दिन पहले ही शुरू हो जाएगा प्रोडक्शन लेकिन... शुगर एसोसिएशन ने रखी सरकार के सामने शर्त

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स असोसिएशन के डायरेक्टर जनरल दीपक बल्लानी ने से कहा कि शुगर मिलें नए सीजन में तय समय से 15-20 दिन पहले उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हैं, जिससे कीमतों में स्थिरता आएगी। उन्होंने हालांकि कहा कि इसके लिए इंडस्ट्री को सरकार से टैक्स छूट की दरकार है। शुगर सीजन 30 सितंबर को खत्म होगा। तब तक देश में करीब 40 लाख टन भंडार होने का अनुमान है। अक्टूबर में 24-25 लाख टन की खपत हो सकती है। 15 लाख टन चीनी फिर भी बचेगी। नए सीजन में 15-20 अक्टूबर से महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलें चालू हो जाती हैं। नई चीनी आने लगेगी। यूपी सहित देश में सारी मिलें 15 नवंबर तक चालू हो जाती हैं। इस सीजन में कर्नाटक और महाराष्ट्र में उत्पादन कम रहा। पहले एक्सपोर्ट हो रहा था और करीब 8 लाख टन का निर्यात हो चुका था। मई में सरकार को लगा कि आगे तंगी न हो जाए, इसलिए निर्यात 30 सितंबर तक रोक दिया गया। इसके बाद भी पिछले कुछ समय से इस अटकलबाजी के चलते एक्स-मिल प्राइसेज बढ़ी हैं कि देश में पर्याप्त भंडार नहीं है। इ20 प्रोग्राम फिक्स्ड है। साल में करीब 1200 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत होती है। इसमें चावल, मक्का और डैमेज्ड फूडग्रेन का भी उपयोग होता है। पैदावार के हिसाब से उपयोग घटता-बढ़ता है। अगले सालभर में करीब 285 लाख टन चीनी खपत के अनुमान को देखते हुए पहले इसका इंतजाम होगा। 40-45 लाख टन का बफर स्टॉक भी रखते हैं। इसके बाद जो हिस्सा बचेगा, उसका ही एथेनॉल के लिए उपयोग हो सकता है। अगले सीजन में गन्ने की उपज का अनुमान नहीं आया है। अल-निनो से भी रिस्क है।

झोपड़ी में रहता था ये यूट्यूबर, आज चलाता है 80 लाख की मर्सिडीज, ऐसे खड़ी की करोड़ों की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूब ने कई लोगों की जिंदगी बदल दी है। कुछ लोगों ने इस प्लेटफॉर्म पर लगातार कंटेंट बनाकर न सिर्फ अपनी पहचान बनाई, बल्कि करोड़ों की संपत्ति भी खड़ी की। भारत के लोकप्रिय यूट्यूबर्स में शामिल मनोज डे की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। कभी बेहद साधारण परिस्थितियों में रहने वाले मनोज डे आज हर महीने कई लाख रुपये कमा रहे हैं। उनके पास कई गाड़ियां हैं जिनमें करीब 80 लाख रुपये की मर्सिडीज बेंज एसयूवी भी शामिल है। मनोज डे की सफलता की कहानी में

7.78 मिलियन सब्सक्राइबर

मनोज डे के यूट्यूब चैनल पर फिलहाल 7.78 मिलियन सब्सक्राइबर हैं, जबकि इंस्टाग्राम पर उनके 2 मिलियन यानी 20 लाख फॉलोअर्स हैं। मनोज डे उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उनका शुरुआती जीवन बेहद सामान्य और आर्थिक चुनौतियों से भरा रहा था।

असफलताओं का भी बड़ा हिस्सा रहा है। उनके तीन यूट्यूब चैनल बुरी तरह असफल हुए। इनमें से एक चैनल पर वह गाने के वीडियो पोस्ट करते थे, जबकि दूसरे चैनल पर कॉमेडी कंटेंट बनाया जाता था। उनका तीसरा चैनल टेक्नोलॉजी से जुड़ा था। यह चैनल अच्छी तरह ग्रो भी कर रहा था, लेकिन बीच में बंद हो गया। इसका मतलब था कि चैनल पर विज्ञापन से होने वाली कमाई रुक गई। इसके बावजूद मनोज ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी रणनीति बदली और लगातार नए तरीके से कंटेंट बनाते रहे। धीरे-धीरे उनके वीडियो को दर्शक मिलने लगे और उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ती गई।

गरीब परिवार में हुआ जन्म

मनोज डे झारखंड से आते हैं। उनका जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता गांव में साइकिल पंक्चर बनाने का काम करते थे। कभी 200 तो कभी 250 रुपये की कमाई से उनके पिता 6 लोगों का पालन पोषण करते थे। मनोज और उनका परिवार गांव में झोपड़ी में रहता था। मनोज ने अपनी पढ़ाई एक सरकारी स्कूल से पूरी की। उन्होंने गुजरात में एक फैक्ट्री में भी काम किया, लेकिन बाद में वापस अपने गांव लौट आए। बेहद सीमित संसाधनों के साथ यूट्यूब पर वीडियो बनाना शुरू किया। यूट्यूब से कमाई शुरू होने से पहले वह अतिरिक्त आमदनी के लिए छोटे-मोटे काम भी करते थे। वीडियो एडिटिंग सीखने के लिए उन्होंने फ्री टूल्स का इस्तेमाल किया। शुरुआत में उनके वीडियो पर ज्यादा व्यूज नहीं आते थे।

सरकारी बैंक में मिलेगा सबसे सस्ता होम लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के समय में हर कोई चाहता है कि उसका खुद का अपना कोई घर हो। वह मकान जिसमें वह अपनों के साथ रह सके, वह घर जिसे वह किराया वाला नहीं कहे बल्कि पूरे हक के साथ यह कह सके कि उसने खुद खरीदा या बनवाया है। व्यक्ति अपने घर के लिए सपना देखता है, लेकिन आज तेजी के साथ बदलती इस दुनिया में महंगाई भी बढ़ती जा रही है। इसका असर अन्य चीजों के साथ प्रॉपर्टी की कीमतों पर भी पड़ रहा है।

प्रॉपर्टी के बढ़ते दामों के बीच कई लोगों को अपना घर खरीदना इतना आसान नहीं है। ऐसी

स्थिति में अधिकतर लोग होम लोन लेने की प्लानिंग करते हैं। इसके लिए उनकी तलाश होती है कि कौन सा बैंक सबसे सस्ता होम लोन दे रहा है। इसके लिए वे सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के होम लोन के बारे में जानना चाहते हैं। इस बीच हम उन लोगों के लिए यहां कुछ खास और अहम जानकारी लाए हैं।

यहां हम कुछ सरकारी और प्राइवेट बैंकों के नाम बता रहे हैं, जिनके साथ उनके द्वारा दिए जा रहे होम लोन और उसकी ब्याज दरों की भी जानकारी है। आप इसमें देख सकते हैं कि सबसे सस्ता होम लोन कौन सा बैंक दे रहा है। होम लोन लेने के लिए विभिन्न बैंकों के अपने-अपने नियमानुसार दस्तावेजों की जरूरत होती है। हम यहां कुछ ऐसे दस्तावेजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी जरूरत लगभग सभी बैंकों में होम लोन लेने के दौरान पड़ सकती है।

सरकारी बैंक और होम लोन पर लगने वाली ब्याज दरें

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया: 7.25 से 9.20 फीसदी **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया:** 7.00 से 9.15 फीसदी **बैंक ऑफ बड़ौदा:** 7.20 से 9.00 फीसदी केनरा बैंक: 7.20 से 10 फीसदी **बैंक ऑफ इंडिया:** 7.10 से 10.00 फीसदी यूनियन **बैंक ऑफ इंडिया:** 7.15 से 9.60 फीसदी बैंक ऑफ महाराष्ट्र: 7.00 से 9.90 फीसदीयूको बैंक: 7.15 से 9.25 फीसदी **पंजाब नेशनल बैंक:** 7.25 से 9.20 फीसदी पंजाब एंड सिंध बैंक: 7.35 से 10.75 फीसदी एचडीएफसी बैंक: 7.75 फीसदी एक्सिस बैंक: 8.00 से 11.90 फीसदी बंधन बैंक: 8.55 से 13.52 फीसदी फेडरल बैंक: 7.35 से 10.00 फीसदी आरबीएल बैंक: 9.00 प्रतिशत एचएसबीसी बैंक: 7.45 प्रतिशत तक मिलेगा।

राजधानी दिल्ली में क्लाउड किचन से ई-कॉमर्स तक, घर के आसपास बढ़ेगा कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मास्टर प्लान 2047 में क्लाउड किचन, डिलिवरी आधारित कारोबार, छोटे सर्विस सेंटर और अन्य नई कमर्शल गतिविधियों के लिए मिक्स्ड-यूज और लचीले शहरी विकास पर जोर दिया गया है। इससे रिहायशी इलाकों के आसपास रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी कारोबारी गतिविधियों के विस्तार की संभावना बढ़ेगी, ताकि लोगों को छोटी जरूरतों के लिए दूर कमर्शल सेंटर न जाना पड़े। क्लाउड किचन को ग्राहकों के बैठने के लिए बड़े स्थान की जरूरत नहीं होती। कम जगह में किचन और डिलिवरी नेटवर्क के जरिए कारोबार चल सकता है। इसलिए मिक्स्ड यूज इलाकों में इनकी मांग बढ़ सकती है। हालांकि हर रिहायशी मकान में स्वतः क्लाउड किचन की अनुमति नहीं होगी। लैंड यूज, बिल्डिंग बायलॉज, फूड और फायर सेफ्टी तथा स्थानीय निकाय के नियम लागू होंगे।

वहीं, ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने के साथ छोटे वेयरहाउस, डिलिवरी पॉइंट और

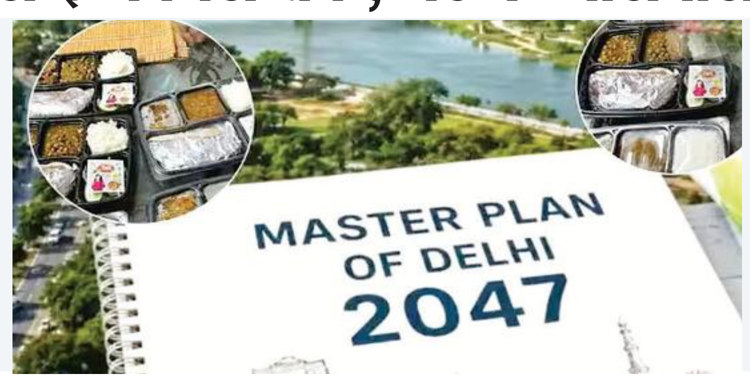

लॉजिस्टिक सुविधाओं की जरूरत भी बढ़ेगी। इन्हें उपयुक्त जगह देने से पारंपरिक बाजारों पर दबाव घटाने और उपभोक्ताओं के नजदीक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है। यूईआर-द्वितीय के आसपास हाई-डेंसिटी और मिक्स्ड -यूज विकास और लैंड पूलिंग से बनने वाले सेक्टरों में आवास के साथ बाजार, ऑफिस, सर्विस और अन्य गतिविधियों के लिए जगह डिवेलप की जा सकती है। नई कॉलोनियों को सिर्फ रहने के लिए नहीं।

खाना पकाने वाले तेल की खुली बिक्री पर रोक लगी महाराष्ट्र में, कुछ को फायदा तो इन्हें नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने कल ही खाना बनाने के तेल पर बड़ा फैसला किया है। राज्य के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट या एफडीए ने राज्य में एडिबल ऑयल की खुली बिक्री पर रोक लगा दी है। इस फैसले से एडिबल ऑयल इंडस्ट्री खुश है। लेकिन अपने घर में ही तेल पेड़ने की मशीन लगा कर छोटे स्तर पर काम करने वाले कारोबारी परेशान हैं। जानते हैं पूरी बात।

महाराष्ट्र एफडीए ने कल यानी गुरुवार को एक आदेश निकाला। इसमं बताया गया है कि अब राज्य में सिर्फ सीलबंद, टैम्पर प्रूफ और पूरी तरह से लेबल्ड पैकेज्ड एडिबल ऑयल ही बिकेंगे। मतलब कि अब लूज या अनपैकेज्ड खाना बनाने का तेल बाजार या किसी दुकान में नहीं बिकेगा। जो भी इसका उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

एडिबल ऑयल सेक्टर का शीर्ष संगठन के चेयरमैन सुरेश नागपाल कहते हैं कि यह कोई नया फैसला नहीं है। इस तरह का फैसला केंद्र सरकार की तरफ से 1998-99 में ही लिया जा चुका है। उस समय देश के कुछ इलाकों में ड्रॉप्सी का प्रकोप हुआ था। इसमें कई लोगों की जान भी चली गई थी। ड्रॉप्सी की वजह मिलावटी सरसों तेल थी। इसके बाद केंद्र सरकार की एक एजेंसी ने पूरे देश में खुले तेल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। उनका कहना है कि महाराष्ट्र सरकार के नए आदेश के बाद फर्क यह पड़ेगा कि शिथिल पड़ गई एजेंसियां एक बार फिर से सक्रिय हो जाएंगी। इससे तेल की गुणवत्ता बनी रहेगी, मिलावटखोरों पर लगाम लगेगी और लोगों की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। महाराष्ट्र सरकार के नए आदेश के बाद फर्क यह पड़ेगा कि शिथिल पड़ गई एजेंसियां एक बार फिर से सक्रिय हो जाएंगी। इससे तेल की गुणवत्ता बनी रहेगी, मिलावटखोरों पर लगाम लगेगी और लोगों की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

लोगों को सही प्रोडक्ट मिलेगा: बैल कोल्हू ब्रांड से सरसों तेल एवं कुछ अन्य एडिबल ऑयल बेचने वाली कंपनी बीएल एग्रो के एमडी आशीष खंडेलवाल ने भी महाराष्ट्र एफडीए क इस कदम का स्वागत किया है। उनका कहना है कि साल 2014 में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी कुछ इसी तरह का एक आदेश निकाला था। इस प्रतिबंध के बाद लोगों को मिलावट रहित खाद्य तेल उपलब्ध होंगे। लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य तेल मिलेगा और उनकी सेहत भी बनी रहेगी।

टाटा संस में कौन लेगा एन चंद्रशेखरन की जगह एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख से मिले नोएल टाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के लिए नए चेयरमैन की खोज की प्रक्रिया अनौपचारिक रूप से शुरू कर दी है। कंपनी के मौजूदा चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने फरवरी में कार्यकाल खत्म होने पर अपना पद छोड़ने की घोषणा की है। सूत्रों के मुताबिक नोएल टाटा ने बुधवार को मुंबई के ताज वेलिंगटन म्यूज रेजिडेंस में एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख से मुलाकात की। इस बैठक में ट्रस्ट के एक अन्य ट्रस्टी भी शामिल थे। इससे पहले मंगलवार को टाटा संस की तरूको कोरम पूरा नहीं होने के कारण इतिहास में पहली बार स्थगित करना पड़ा था। माना जा रहा है कि बैठक में प्रस्तावित सक्सेशन कमिटी पर चर्चा हुई जो 185 अरब डॉलर के टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी के अगले चेयरमैन का चयन करेगी। टाटा संस के नियमों के तहत इस समिति का गठन जरूरी है।

टाटा संस के नियमों के अनुसार उत्तराधिकार समिति में पांच सदस्य होने चाहिए। इनमें तीन सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा नामित और दो टाटा संस बोर्ड द्वारा चुने होने चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में करीब 66 फीसदी हिस्सेदारी है। माना जा रहा है कि बोर्ड के प्रतिनिधियों में से एक टाटा संस का मौजूदा डायरेक्टर होगा जबकि दूसरा बाहरी इंडिपेंडेंट सदस्य हो सकता है।

नियमों के अनुसार ट्रस्ट द्वारा नामित तीन सदस्यों का टाटा संस बोर्ड में प्रतिनिधि होना जरूरी नहीं है। पेच यह है कि ट्रस्ट द्वारा नामित तीन सदस्यों को SDTT और SRTT द्वारा संयुक्त रूप से नामित किया जाना चाहिए।

पारेख का टाटा ग्रुप से संबंध

हालांकि यह पता नहीं चल सका कि पारेख को उत्तराधिकार पैनल में कोई भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया गया था या नहीं। नोएल टाटा के ऑफिस ने टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया, जबकि पारेख से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। पारेख टाटा ग्रुप के लिए कोई अनजान व्यक्ति नहीं हैं। ग्रुप के टाटा समूह के साथ महत्वपूर्ण व्यावसायिक संबंध थे। पारेख साथ ही टाटा ग्रुप की प्रमुख हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी के बोर्ड में भी थे। पारेख उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने रतन टाटा और साइरस मिस्त्री के बीच विवाद में सार्वजनिक रूप से मिस्त्री का समर्थन किया था। साइरस मिस्त्री को साल 2016 में टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया था।

चोटिल हुए कार्तिक आर्यन? कबीर खान की अगली फिल्म के लिए कर रहे थे शूटिंग

कबीर खान के निर्देशन में बन रही फिल्म में शूटिंग के दौरान कार्तिक आर्यन के घुटने में चोट लग गई। फिल्म की शूटिंग का आखिरी दौर चल रहा था और अहम एक्शन सीन आखिरी दो दिनों के लिए रखे गए थे, इसी दौरान कार्तिक को चोट लगी। कार्तिक आर्यन जिस फिल्म के लिए शूटिंग कर रहे थे, वह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। अभी इसका नाम तय नहीं किया गया है।

मुंबई में शूटिंग कर रहे कार्तिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। एक्टर के घुटने की सर्जरी भी एक-दो दिन में होगी, जिसके बाद ठीक होने के लिए उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। वह कबीर की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी करने के करीब हैं। ठीक होते ही उन्हें अपने दूसरे काम भी पूरे करने होंगे।

कब होगी सर्जरी?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक फिल्म में खास सीन की तैयारी के लिए एक्शन कोच के साथ कड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। हालांकि, शूटिंग के दौरान उनके घुटने में गंभीर चोट लग गई और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया, 'कार्तिक को अब फोर्टिस रहेजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर एक दिन में उनके घुटने की सर्जरी करेंगे, जिसके बाद उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। इसके बाद वे अपने काम पर लौट सकेंगे।'

फिर कबीर के साथ आए आर्यन

उम्मीद है कि सर्जरी के बाद कार्तिक ठीक होने पर ध्यान देने के लिए थोड़ा ब्रेक लेंगे। फिर वह काम पर लौटेंगे। आपको बता दें कि कार्तिक आर्यन, कबीर खान के साथ दूसरी फिल्म में काम कर रहे हैं। इसका नाम अभी तय नहीं है। इससे पहले वह फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। एक्टर, जिन्होंने हाल ही में 'चंदू चैंपियन' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता है, ने फिल्म प्रोडक्शन में भी कदम रखा है।

फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं प्यार करना जरूरी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं। हालांकि, इस बीच फिल्म की पूरी टीम कियारा के साथ नजर आई। वहीं, कियारा का मानना है कि यह बोल्ड और मजबूत किरदार उनके अभिनय करियर का एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म में यश (डबल रोल - राया और रूमी), कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार नजर आएंगे।

दिशा पाटनी बनीं आवारापन 2 की पहली पसंद

निर्माता ने बताई कास्टिंग की कहानी

अगर हाल के दिनों में सिनेमाघरों में किसी फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, तो वह 'आवारापन 2' है। पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी को एक रोमांटिक ड्रामा में साथ लाने वाली यह फिल्म अपनी शानदार कहानी के साथ-साथ दोनों कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच निर्माता विशेष भट्ट ने बताया कि उन्होंने दिशा पाटनी को फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर क्यों चुना। उन्होंने कहा कि दिशा का अब तक का सफर उन्हें इस किरदार के लिए बिल्कुल सही बनाता था। विशेष भट्ट कहते हैं, 'इमरान और दिशा को स्क्रीन पर साथ देखना दिलचस्प है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इससे पहले दोनों को एक साथ देखा गया है। दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित के साथ 'मलंग' में देखा है। मैं उनसे 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अभी शुरुआत ही की थी।' दिशा पाटनी के बारे में विशेष भट्ट का मानना है कि उनमें उनकी खूबसूरती से कहीं ज्यादा है। वह कहते हैं, 'पिछले कुछ सालों में मुझे हमेशा लगा है कि उनका चेहरा बहुत आकर्षक है और उनकी अपनी एक खास पर्सनैलिटी है। वह जैसी हैं और हमें इस किरदार के लिए जैसी जरूरत थी, जिस तरह से यह किरदार फिल्म में आगे बढ़ता है, उसके हिसाब से वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लग रही थीं। यह एक बहुत ही मॉडर्न और आज के समय से जुड़ा हुआ किरदार है, जो दूसरे देश में रह रहा है। यह किरदार श्रीया सरन जैसा नहीं है। दोनों के बीच जानबूझकर एक अलग तरह का कॉन्ट्रास्ट रखा गया है।' कहीं न कहीं, दिशा पाटनी को फिल्म में लेने का फैसला 'आवारापन 2' के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। इससे न सिर्फ फिल्म की विरासत को बनाए रखने में मदद मिली, बल्कि दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में भी मदद मिली। इस साल 'ओ' रोमियो' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों के बाद दिशा पाटनी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर लकी साबित हुई हैं और फिल्म की कमर्शियल सफलता में उनकी अहम भूमिका नजर आ रही है।

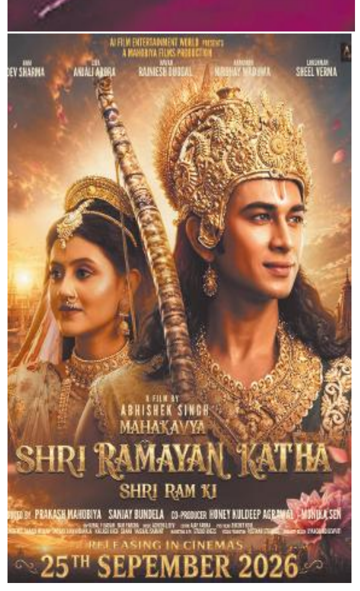

कच्चा बादाम फेम गर्ल अंजलि अरोड़ा का एक्टिंग डेब्यू, फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में निभाएंगी अहम भूमिका

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है। अजय कनौजिया की कंपनी एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड ने इसे पेश किया है। इसके डायरेक्टर अभिषेक सिंह हैं। यह फिल्म हिंदी के अलावा छत्तीसगढ़ी भाषा में भी रिलीज होगी।

राजपाल यादव की नई फिल्म में दिखेगा बिल्कुल अलग अंदाज

राजपाल यादव का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म में दर्शकों को उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि फिल्म उनके लिए एक खास सफर जैसी है, जिसे उन्होंने पिछले कई दशकों में नहीं किया है। बातचीत में राजपाल यादव ने फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' जिंदगी पर आधारित 12 चैप्टर्स की एक कहानी है। इस प्रोजेक्ट पर उनकी टीम काफी लंबे समय से काम कर रही है। फिल्म पर काम कोविड-19 महामारी से पहले ही शुरू हो गया था। राजपाल यादव ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का प्रपोजल मिला तो टीम ने इसे भारतीय संस्कृति से जोड़ने का फैसला किया। उन्होंने साफ कहा कि फिल्म में किसी दूसरी फिल्म के सीन की कॉपी नहीं होगी। एक्टर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से अपनी कहानी और भारतीय संस्कृति पर आधारित होगा।

राजपाल यादव ने फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उन्होंने बताया कि दिवाली से पहले फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग भारत में होगी। इसका सेट मुंबई के गोरेगांव में तैयार किया जाएगा, लेकिन राजपाल यादव चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड में भी हो। इसके लिए उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से शूटिंग के लिए जगह देने की अपील की है। राजपाल यादव के मुताबिक, फिल्म के 12 चैप्टर्स में दर्शकों को उनके करियर का एक ऐसा सफर देखने को मिलेगा, जो उन्होंने पिछले 40 साल में नहीं किया है।

ये फिल्में भी हैं पाइपलाइन में

वर्कफ्रंट की बात करें तो राजपाल यादव को हाल ही में 'वेलकम टू द जंगल' में देखा गया था। इसके अलावा उनके पास 'मालामाल वीकली 2' भी है। अब 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' में उनका नया अंदाज देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं।

कपिल के शो के कारण एक्टिंग नहीं कर पाई कलाकार के रूप में मेरे साथ ज्यादती हुई

छोटे पर्दे पर लाफ्टर क्वीन के रूप में मशहूर अर्चना पूरन सिंह ने पिछले दिनों फिल्म 'टोस्टर' की अजीबोगरीबी भूमिका निभाई थी, जिसमें खूब सराही गई। इन दिनों वह वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' के सेंट्रल रोल से चर्चा में हैं। चार दशकों से भी ज्यादा का समय इंडस्ट्री में बिता चुकी अर्चना कई सालों से कपिल शर्मा के लाफ्टर शो का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं।

मेरे साथ बहुत ज्यादती हुई

करियर की शुरुआत में अर्चना टेलीविजन पर कई मशहूर शो में अहम भूमिकाओं में दिखीं। उन्होंने 'राजा हिंदुस्तानी', 'कुछ कुछ होता है' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया, मगर फिर कपिल शर्मा के शो ने जहां एक ओर उन्हें लाफ्टर क्वीन का खिताब दिलाया, वहीं उस शो के कारण वे कहीं न कहीं बंध-सी गईं और कई बार उन्हें अच्छे रोल्स से भी हाथ धोना पड़ा। वह कहती हैं, 'आप कुछ पाते हैं और कुछ खोते हैं। एक तरफ मैं कपिल के शो में इतना बिजी और विज़िबल थी और दूसरी तरफ मैं बाहर काम नहीं कर पा रही थी। हालांकि रोल्स मिल रहे थे, मगर जिस किस्म का काम मैं चाह रही थी, वो नहीं मिल रहा था। शो से मुझे काफी लोकप्रियता मिली, मगर मैं अभिनय करना चाहती थी, तो एक कलाकार के रूप में मुझे लगा कि मेरे साथ काफी ज्यादती हुई। अब क्या कहूं, कई डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स कॉल करके बुलाते, मगर मैं अपनी डेट्स मैच नहीं कर पाती थी। अब जैसे वाशु भगनानी जी ने फोन करके रोल ऑफर किया और मुझसे स्कॉटलैंड के शेड्यूल के लिए 25 दिन मांगे, मगर यहां कपिल शो के लिए मुझे हफ्ते में दो बार शूटिंग करनी होती थी, तो मैं कर नहीं पाई। ऐसा कई बार हुआ। अब शो में मेरे एपिसोड कम हो गए हैं, इसलिए मुझे दूसरे तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, जो एक अभिनेत्री होने के नाते मेरे लिए बहुत जरूरी है। 'टोस्टर' मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार अवसर था।'

बेटों को अपने फैसले लेने की आजादी दी

सभी जानते हैं कि असल जिंदगी में अर्चना पूरन सिंह आर्यमान और आयुष्मान जैसे दो बेटों के मां हैं। उनकी सीरीज एजुकेशन सिस्टम पर है, तो हमने उनसे जानना चाहा कि पढ़ाई -लिखाई और पैरेंटिंग के मामले में वे किस तरह की मां रहीं, क्योंकि आम तौर पर कई माता-पिता अपने बच्चों पर काफी दबाव बनाते हैं। इस पर अर्चना बोलीं, 'मैंने हमेशा अपने बच्चों को अपनी पसंद चुनने की आजादी दी। मेरा छोटा बेटा जब स्कूल बदल कर जमनाबाई से सिंगापुर इंटरनेशनल स्कूल जाना चाहता था, हमने उसे रोका नहीं। बड़ा बेटा फुटबॉल के लिए लंदन जाना चाहता था, तो हमने उसका भी साथ दिया। मैंने बेटों से यही कहा कि अगर कोई एक्टर बनना चाहता है तो उसे एक्टिंग सीखनी होगी। हमारे घर में हर मुद्दे पर हमेशा खुलकर बातचीत होती है और अंतिम फैसला बच्चों का ही होता है। मैं हमेशा कहती हूं कि कागज़ पर किसी फैसले के फायदे और नुकसान लिखो, फिर खुद समझ आ जाएगा कि क्या सही है क्या गलत? मुझे लगता है कि माता-पिता प्यार में बच्चों पर दबाव डालते हैं, लेकिन कई बार वही प्यार बच्चों पर नकारात्मक असर भी डालता है।'

टीचर ने दस बेंत मारी थी

सरकारी स्कूल की दुर्दशा पर आधारित 'आदर्श बाल विद्यालय' में काम करके अर्चना काफी खुश हैं। वह अपने स्कूल की यादों को ताजा करते हुए कहती हैं, 'मुझे स्कूल जाना बहुत अच्छा लगता था। उस समय लगता था कि बड़े होकर ज्यादा आजादी मिलेगी, लेकिन अब महसूस होता है कि स्कूल के दिन ही सबसे खूबसूरत थे। हर दिन कुछ नया होता था, कभी टेस्ट, कभी गेम्स, कभी आर्ट प्रतियोगिता। एक स्टूडेंट की जिंदगी जीना अपने आप में सबसे अच्छा दौर था। स्कूल में मुझे अपनी पनिशमेंट भी याद है। मुझे पहली कक्षा में हमारी हेड नन ने दस बेंत मारी थीं। आज तक याद है कितना दर्द हुआ था। उसके बाद हमारे स्कूल में शारीरिक सज़ा बहुत कम होती थी। कभी ज्यादा शरारत की तो टीचर चॉक का टुकड़ा फेंक देते थे, लेकिन पहली क्लास की वो दस बेंत की मार आज भी याद है।'

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

त्रिसा-गायत्री ने दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी को हराया, महिला डबल्स में मेडल पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला डबल्स जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी जी यिफान और झांग शुक्सियन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। त्रिसा-गायत्री की जीत ने देश के लिए मेडल पक्का कर दिया है। भारतीय जोड़ी ने एक गेम पीछे रहने के बाद चीनी जोड़ी पर 16-21, 21-15, 21-13 से जीत दर्ज की और महिला डबल्स में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली दूसरी जोड़ी बन गई। इससे पहले महिला डबल्स में 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने कांस्य पदक जीता था। शुरुआत में भारतीय जोड़ी कमजोर दिखी क्योंकि जिया और झांग ने 6-2 की बढ़त बना ली और शुरुआती गेम तक अपनी बढ़त बनाए रखी। त्रिसा और गायत्री ने धीरे-धीरे अपनी आक्रामक रिदम पाई, अपने पावरफुल स्मैश और नेट के दम पर अंतर को 8-9 कर दिया। हालांकि, रिकवरी इतनी नहीं थी कि चीनी खिलाड़ी को 11-8 की बढ़त के साथ ब्रेक में जाने से रोका जा सके और आखिरकार शुरुआती गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम भारतीयों ने अपने विरोधियों को वैसा नियंत्रण नहीं करने दिया, लंबी रैलियों में उनका मुकाबला किया और दबाव में डिफेंड करते हुए इंटरवल पर 11-10 की मामूली

बढ़त हासिल की। वहां से, त्रिसा और गायत्री और ज्यादा आक्रामक हो गईं। उनके क्रॉस-कोर्ट अटैक ने बार-बार चीनी जोड़ी को कोर्ट के पार खींचा, जबकि उनके डिफेंस ने जिया और झांग के दबाव को झेला। इंडियन्स ने 17-14 की बढ़त के साथ शुरुआत की और फिर गेम 21-15 से खत्म करके निर्णायक बना दिया। निर्णायक गेम में 4-4 से बराबरी की शुरुआत के बाद, त्रिसा ने एक जोरदार स्मैश से ब्रेकथ्रू पाया, और भारतीय जोड़ी ने बढ़त बना ली। लगातार सात पॉइंट्स ने मैच का पासा पलट दिया, जिससे वे 4-4 से 9-4 पर आ गए। त्रिसा के अटैक ने चीनी जोड़ी को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। भारतीय जोड़ी ने 11-5 की बड़ी बढ़त के साथ इंटरवल में एंट्री की। साइड बदलने के बाद, जिया और झांग ने थोड़ी देर के लिए अपनी चुनौती को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार तीन पॉइंट्स जीतकर अपनी लय वापस पा ली। चीनी जोड़ी पर बढ़ते दबाव के साथ, उनके गेम में गलतियां होने लगीं। 18-9 पर, भारतीय बस बराबरी पर थे। झांग के शॉट को आउट दिए जाने के बाद एक समीक्षा से नतीजे में ज्यादा बदलाव नहीं आया। चीनी जोड़ी की दो और गलतियों ने त्रिसा और गायत्री को निर्णायक पाइंट दिला दिए। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी का पदक पक्का हो गया।

सिनसिनाटी ओपन

इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंची

एलेना रयबाकिना इंजरी की वजह से बाहर

सिनसिनाटी, एजेंसी। एलेना रयबाकिना को सिनसिनाटी ओपन क्वार्टर फाइनल मैच से बाएं टखने में चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इंजरी की वजह से जहां वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, वहीं उनकी विपक्षी इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंच गईं। मैच के दौरान स्वियाटेक 4-1 से आगे थीं और रयबाकिना 40-15 पर सर्व कर रही थीं। उसी समय रयबाकिना के लिए मुश्किल शुरू हुई। रयबाकिना नेट पर एक रैली खत्म नहीं कर सकीं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पॉइंट पर उन्हें अपनी पहली सर्व पर पुश करने में मुश्किल हुई, जो सिर्फ तीन शॉट तक चली, और गेम के बीच में मेडिकल जांच के बाद, रयबाकिना ने कुछ देर बाद मैच खत्म करने का फैसला किया। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अच्छा नहीं लग रहा है, मैं सर्व से पुश भी नहीं कर पा रही थी। चलने में दर्द हो रहा है। एमआरआई के बाद समस्या के बारे में और पता चलेगा।' उन्होंने कहा, 'यह मुझे लंबे समय से परेशान कर रहा था। कनाडा में बहुत सारे मैच खेलने और यहां लगातार दो मैच खेलने के बाद और मैच से पहले ठीक लग रहा था लेकिन बदकिस्मती से एक गलत मूवमेंट, एक लैंडिंग, और समस्या शुरू हो गई।' बुधवार को चौथे राउंड में सारा बेजलेक

श्रीलंका ने कोलंबो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है। पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके। अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

श्रीलंका टीमः

लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पासिंदू सोरियाबंदारा, कामिंडू मेंडिस (उपकप्तान), धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सहन अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

सिनसिनाटी ओपन

आर्थर फिल्स ने थियागो अगस्टिन टिरेंटे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी। फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक, इस साल फ्रेंचमैन का टूर-लेवल रिकॉर्ड 30-10 रहा है, जिसमें बार्सिलोना में एक खिताब और मियामी और मैड्रिड में मास्टर्स 1000 इवेंट्स के सेमीफाइनल में पहुंचना शामिल है।

पहले सेट में 4-3 पर एक अहम ब्रेक हासिल करने के बाद, फिल्स ने लगातार जबरदस्त फोरहैंड लगाए, जिससे टिरांटे लगातार बैकफुट पर रहे। एटीपी के मुताबिक, 22 साल के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी और पूरे मैच के दौरान उन्हें कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। अब वह टाइटल मैच में जगह बनाने के लिए फ्लेवियो कोबोली से भिड़ेंगे, दोनों खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचना चाहते हैं।

कोबोली ने घरेलू पसंदीदा टॉमी पॉल के खिलाफ 2-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओहियो में अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। 24 साल के खिलाड़ी अब जून में रोलैंड गैरोस चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के बाद अपने पहले सेमीफाइनल की तैयारी करेंगे। वह 2024 और 2025 में जैनिक सिनर के बाद सिनसिनाटी में अंतिम चार में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे इटैलियन खिलाड़ी हैं। पॉल के खिलाफ जीत के साथ, कोबोली ने यह भी पक्का कर लिया कि वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वह अभी लाइव रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 6 पर हैं।

जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने में पटियाला हाउस कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली, एर्जेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक मामले में बड़ी राहत दी है। 2004 के इस मामले में कोर्ट ने मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। पूर्व क्रिकेटर पर फर्जी यूके आव्रजन स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़ा आरोप लगाया गया था, जिसे साबित नहीं किया जा सका। अदालत को वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं मिला। कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था। बाद में उनका नाम मामले में जोड़ दिया गया। घटना के बारे में मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए। वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था। वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। किसी के जरिए उसने वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली। फर्जी स्टैंपिंग कराने के बाद जब वह भारत वापस आया, तो उसे ब्रिटेन से डिपोर्ट कर दिया गया था। उसे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और फिर उससे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, 'मेरा नाम एफआईआर में नहीं था, लेकिन जब जांच हुई, तो एक बड़ा नाम होने के नाते मुझे इस मामले में घसीटा गया।

यूएस ओपन 2026: प्राइज मनी में भारी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा प्राइज मनी बढ़ाने की मांग लंबे समय से चल रही है। यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों की ये मांग पूरी होने वाली है। यूएस ओपन में इस बार खिलाड़ियों के प्राइज मनी में इजाफा होने वाला है। यूएस ओपन की प्राइज मनी में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खिलाड़ियों की कुल सैलरी बढ़कर 108 मिलियन डॉलर हो गई है। टूर्नामेंट से पहले, यूएसटीए (यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन) ने एक बयान जारी कर इसकी घोषणा की। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली ने कहा कि यह कदम खेल के आगे बढ़ने के लिए जरूरी हो सकता है। यह एथलीटों में कई सालों के निवेश में एक अहम पहला कदम है क्योंकि यूएस ओपन खिलाड़ियों के लिए सबसे अच्छा आर्थिक मौका और खिलाड़ियों, फैंस और पार्टनर्स के लिए टेनिस में सबसे कीमती प्लेटफॉर्म बना हुआ है। एकल विजेता को 52.65 करोड़ मिलेंगे। वहीं, एकल फाइनल में हारने वाले खिलाड़ी को करीब 26.80 करोड़ रुपये (2.8 मिलियन) दिए जाएंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को लगभग 7.46 करोड़ रुपये (780,000) और सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले प्लेयर्स को करीब 13.88 करोड़ रुपये (1.45 मिलियन) मिलेंगे। डबल्स मुकाबलों में पुरुष, महिला और मिक्स जीतने वाले प्लेयर्स को लगभग 9.57 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जिन्हें वे आपस में बाटेंगी। वहीं उपविजेता टीमों को करीब 5,00,000 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। इसके अलावा, व्हीलचेयर सिंगल्स के चैंपियन्स को लगभग 99 लाख रुपये (1,04,000) की इनामी राशि मिलेगी। पहले ही मैच में हारकर बाहर होने वाले खिलाड़ी को भी लगभग भारतीय रुपये में 1.34 करोड़ रुपये (140,000) मिलेंगे। यूएस ओपन रोमांचक होने वाला है। पिछले 4 महीने से पेशेवर टेनिस से दूर रहे पूर्व चैंपियन कार्लोस अल्काराज अपना खिताब बचाने के लिए उतरेंगे। अल्काराज ने अप्रैल के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है। उन्हें बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लग गई थी। चोट की वजह से वह फ्रेंच ओपन, विंबलडन और कई दूसरे टूर्नामेंट से भी बाहर रहे। यूएस ओपन 2026 की शुरुआत 23 अगस्त से होगी और 13 सितंबर को पुरुषों के फाइनल के साथ खत्म होगा।

डोपिंग को लेकर नाडा की बड़ी कार्रवाई, इस भारतीय भाला फेंक एथलीट पर लगाया 10 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग को लेकर कड़ी कार्रवाई की है। ओलंपियन भाला फेंक एथलीट शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए 10 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता और ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 10 साल का प्रतिबंध लगाया है। शिवपाल प्रतिबंधित पदार्थ मेथाएंडिएनोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। 31 साल की उम्र में यह प्रतिबंध उनके खेल करियर का अंत कर सकता है। शिवपाल ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

पहले लगा था चार साल का प्रतिबंध

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अगस्त 2022 में उन्हें डोपिंग उल्लघंन का दोषी मानते हुए 2021 से चार साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध 2025 तक चलना था, लेकिन शिवपाल ने नाडा के अपील पैनल के सामने सफलतापूर्वक तर्क दिया कि उनकी डोप जांच में पॉजिटिव आने के पीछे दूषित सप्लीमेंट्स जिम्मेदार थे। जनवरी 2023 में अपील पैनल ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए प्रतिबंध को चार साल से घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया।

एशियाई चैंपियनशिप में जीता था रजत

शिवपाल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना है। दोहा में उन्होंने 86.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पदक हासिल किया था। हालिया मामलों में कार्रवाई का सामना करने वाले शिवपाल अकेले भारतीय एथलीट नहीं हैं। धाविका एमवी जिल्ना को भी दूसरे डोपिंग उल्लघंन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित किया गया और वह मेफेंटरमाइन के लिए पॉजिटिव मिलीं। इससे पहले 2021 में शिवपाल का डोप नमूना प्रतियोगिता से बाहर की गई जांच में एक स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था।

कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने टीम इंडिया और श्रीलंका क्रिकेट टीम की मेजबानी की

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलंबो में श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले इंडिया हाउस में भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी की। भारतीय उच्चायुक्त झा ने गुरुवार रात भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी दी है और इसे एक 'यादगार शाम' बताया है। बीसीसीआई ने अपने एक्स में लिखा, 'कोलंबो में एक यादगार शाम। श्रीलंका में इंडिया के उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो के इंडिया हाउस में भारतीय टीम की मेजबानी की।' झा ने दोनों टीमों की मेजबानी करके खुशी जाहिर की और कार्यक्रम की कुछ झलकियां एक्स पर साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'टीम इंडिया के साथ चीयर कर रहा हूं। श्रीलंका में चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैचों के दौरान भारतीय और श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके खुशी हो रही है। खेल के लिए एक जैसे जुनून से बंधा, क्रिकेट भारत और श्रीलंका के बीच हमेशा रहने वाले रिश्तों को और मजबूत कर रहा है।' भारत ने गाले में पहले टेस्ट में 165 रन की बड़ी जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। गाले टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमटकर 178 रनों से पिछड़ी थी। भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन पर सिमटी और पहली पारी में मिले 178 रन की बढ़त के आधार पर श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य दिया। श्रीलंका दूसरी पारी में 206 रन पर सिमट गई और 165 रन से मैच हार गई। दूसरी पारी में भारत के लिए मानव सुथार ने 6 विकेट लिए थे।

कट शॉट बना यशस्वी जायसवाल का 'दुश्मन', 27 गेंदों में 4 बार फंसे...कोलंबो टेस्ट से पहले की गंभीर तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी मैदान में 23 अगस्त (रविवार) से होना है. लेकिन इस मुकाबले से पहले यशस्वी जायसवाल अपनी एक खास कमजोरी पर जोरदार मेहनत कर रहे हैं. भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाना है. मुकाबले से दो दिन पहले यशस्वी जायसवाल ने नेट्स में अपनी उस कमजोरी पर खास तौर पर काम किया, जो गॉल टेस्ट में फिर सामने आई थी. ऑफ स्टंप के बाहर तेज गेंदबाजों की गेंद पर कट शॉट खेलने की उनकी आदत इन दिनों परेशानी बनती दिख रही है. भारत के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल अब तक 30 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उन्होंने हर टेस्ट अलग-अलग मैदान पर खेला है. टेस्ट डेब्यू से लेकर अब तक उनका सफर कैरेबियाई देशों, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और अब श्रीलंका तक पहुंच चुका है. सिर्फ तीन साल के टेस्ट करियर में ही जायसवाल भारतीय बल्लेबाजी की अहम कड़ी बन चुके हैं. सफेद गेंद क्रिकेट वाली उनकी आक्रामकता

नेट्स में शुरू हुआ सुधार का काम

जायसवाल के गलत शॉट खेलने का प्रतिशत भी बढ़ा है. पहले यह आंकड़ा 31.1 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 48.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है. यही वजह रही कि शुक्रवार को कोलंबो के स्स्ष्ट मैदान पर भारत के तेज गेंदबाजों ने नेट्स में उन्हें लगातार इस एरिया में परखने की कोशिश की.

कट शॉट बना परेशानी की वजह?

गॉल टेस्ट में श्रीलंका के तेज गेंदबाज फर्नांडो ने जायसवाल को ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ गेंद पर फंसाया. जायसवाल गेंद को कट करने के लिए गए, लेकिन किनारा लगा और गेंद विकेटकीपर डिकवाला के पास चली गई. आंकड़े बताते हैं कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलते हुए आउट होने का पैटर्न हाल के महीनों में बढ़ा है. पिछले साल अक्टूबर में भारतीय घरेलू टेस्ट सीजन शुरू होने के बाद से जायसवाल सिर्फ 27 गेंदों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलने के प्रयास में चार बार आउट हो चुके हैं. वहीं टेस्ट डेब्यू से लेकर पिछले साल इंग्लैंड दौरे तक, करीब दो साल के दौरान वह 190 गेंदों में सिर्फ चार बार इस शॉट पर आउट हुए थे. यानी हाल के समय में यह कमजोरी ज्यादा साफ होकर सामने आई है.

उपायुक्त की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक

बालपन के अधिकार की रक्षा एवं बाल संरक्षण को सुदृढ़ करने पर उपायुक्त ने दिया जोर

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में आज सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं संस्थानों के कार्यों की समीक्षा करते हुए बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनके समुचित देखरेख को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बाल संरक्षण विभाग की प्रमुख जिम्मेवारी यह सुनिश्चित करना है कि 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को उसका ह्यराइट टू चाइल्डहुडह्ण अर्थात बालपन का अधिकार प्राप्त हो रहा है या नहीं। बच्चा चाहे बेहतर परिस्थितियों में रह रहा हो अथवा विपरीत परिस्थितियों में, उसके संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं समुचित विकास को सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेवारी है।उपायुक्त ने सृजन फाउंडेशन, हजारीबाग में आवासित नन्हें बालक-बालिकाओं की समुचित देखरेख, सुरक्षा, इलाज एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में बरही में संचालित बाल गृह की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी उपायुक्त ने प्राप्त की।

उन्होंने बताया कि बाल गृह वर्तमान में किराए के भवन में संचालित हो रहा है। बच्चों को बेहतर एवं स्थायी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बाल गृह को हजारीबाग में स्थानांतरित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

वहीं, हजारीबाग में संचालित संप्रेक्षण गृह की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अधीक्षक के पद को स्वीकृति प्रदान कराने हेतु उपायुक्त स्तर से संबंधित विभाग को पत्राचार करने का निर्देश दिया, ताकि संस्थान का संचालन अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया जा सके। उपायुक्त ने फोस्टर केयर के अंतर्गत रह रहे बच्चों की स्थिति की भी जानकारी ली तथा उनके संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पारिवारिक वातावरण से संबंधित स्थिति की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया।

बैठक में बाल श्रम के मुद्दे पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बाल श्रम के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने, नियमित जांच एवं अभियान संचालित करने तथा बाल श्रम से संबंधित किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आमजनों से अपील की कि बाल श्रम से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत की सूचना टोल फ्री नंबर 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन पर दें। साथ ही, उक्त टोल फ्री नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

उपायुक्त ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों का संरक्षण केवल विभागीय जिम्मेवारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेवारी है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को संवेदनशीलता, तत्परता एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले में बाल संरक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्देश दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह,बाल संरक्षण पदाधिकारी श्री संजय प्रसाद व अन्य उपस्थित थे।

चक्कर खाकर गिरी प्रधानाध्यापिका, अस्पताल में मौत

मेदिनीनगर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय कुहकुह की प्रधानाध्यापिका प्रणीता सिंह (38) का गुरुवार सुबह अचानक निधन हो गया। विद्यालय जाने की तैयारी के दौरान उन्हें तेज चक्कर आया और वह अचेत होकर गिर पड़ीं। स्थानीय लोगों व शिक्षकों ने उन्हें तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रणीता सिंह मूल रूप से मेदिनीनगर के नीमिया गांव की निवासी थीं और रिस्यपा में किराये के मकान में रहकर विद्यालय में सेवा दे रही थीं। प्राथमिक जांच में चिकित्सकों ने हार्ट अटैक या ब्रेन हैमरेज की आशंका जताई है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि चिकित्सीय प्रक्रिया के बाद ही होगी।

उनकी अचानक मौत की खबर से विद्यालय, शिक्षा जगत और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सहकर्मियों ने उन्हें कर्तव्यनिष्ठ, मिलनसार और विद्यार्थियों के प्रति समर्पित शिक्षिका बताते हुए श्रद्धांजलि दी।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जिले के उच्च विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के सभी प्रखंडों के उच्च विद्यालयों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं किशोरों को स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, लैंगिक समानता तथा विभिन्न सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से किशोरियों को मासिक धर्म एवं उससे जुड़ी भ्रांतियों, मासिक धर्म स्वच्छता एवं प्रबंधन, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, स्वास्थ्य एवं पोषण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वहीं किशोरों के साथ नशीले पदार्थों एवं मादक द्रव्यों के सेवन के दुष्प्रभाव तथा नशे की रोकथाम पर संवाद किया गया। विद्यालय स्तर पर किशोरों को नशे से दूर रखने एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए जागरूकता फैलाने हेतु वालंटियर का चयन भी किया गया। अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता सत्रों में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत तथा सखी वन स्टॉप सेंटर जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं एवं अभियानों के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को उनके अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह की रोकथाम, आत्मरक्षा एवं लैंगिक समानता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी सहायता, चिकित्सीय सहायता, मनोसामाजिक परामर्श एवं अस्थायी आश्रय जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत 17 अगस्त से 21 अगस्त 2026 तक हजारीबाग जिले के विभिन्न विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के माध्यम से किशोरियों को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, आत्मरक्षा, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान विद्यालयों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में अभिनव कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज, आदित्य कुमार शाही, नीति आयोग, संजीत कुमार पांडे, वठक्छएत्रु विद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने किशोरियों को शिक्षा को प्राथमिकता देने, अपने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने, आत्मनिर्भर बनने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। साथ ही उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाते हुए अपने उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया।

झामुमो पलामू प्रवक्ता के भाई वरुण प्रकाश सिन्हा का निधन

छतरपुर ,पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झामुमो के पलामू प्रवक्ता चंदन प्रकाश सिन्हा के भाई वरुण प्रकाश सिन्हा उर्फ बबलू का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें डाल्टनगंज स्थित नारायणा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गंभीर हालत में वे वेंटिलेटर पर थे। गुरुवार करीब 10 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

निधन की खबर मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों व शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव लोहराही स्थित श्मशान घाट पर किया गया।

याचिका समिति ने की हजारीबाग में विभिन्न याचिकाओं के लंबित मामलों की समीक्षा

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड विधानसभा की याचिका समिति ने शुक्रवार को हजारीबाग जिले का दौरा किया। इस दौरान समिति के मनोनीत सदस्य विधायक श्री उदय शंकर सिंह, विधायक श्री नागेंद्र महतो एवं विधायक श्रीमती ममता देवी ने परिसदन सभागार में जिले के विभिन्न विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में समिति द्वारा जिले से संबंधित विभिन्न विभागों की याचिकाओं एवं लंबित मामलों की क्रमवार समीक्षा की गई तथा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान मुआवजा एवं नौकरी, धान के बकाया भुगतान, जंगली जानवरों के शिकार से प्रभावित व्यक्तियों को मुआवजा, सड़क निर्माण सहित विभिन्न लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने

संबंधित पदाधिकारियों से प्रत्येक मामले की वर्तमान स्थिति एवं अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की।

समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों में अब तक की गई कार्रवाई की अद्यतन रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाए। साथ ही, जनसामान्य से जुड़ी याचिकाओं एवं शिकायतों का नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि पात्र लाभुकों एवं प्रभावित लोगों को समय पर राहत मिल सके।

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

एनएच पर काम कर रहे दो मजदूरों को अपराधियों ने मारी गोली, रिम्स रेफर

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सतबरवा थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात एनएच पर काम कर रहे दो मजदूरों को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 11 बजे की है। घायल मजदूरों के मुताबिक, बाइक पर सवार कुछ अपराधी काम कर रहे मजदूरों के पास पहुंचे और उनसे माचिस मांगी। मजदूरों ने माचिस नहीं होने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और बाइक सवार अपराधियों ने दोनों मजदूरों पर गोली चला दी।

पंचायत स्तर पर बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस

हैदरनगर, पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ग्रामीणों के लिए राहत की खबर है। अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। परिवहन विभाग की ओर से हैदरनगर प्रखंड के पंचायत कलस्टर स्तर पर विशेष शिविर लगाकर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की व्यवस्था की गई है। परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी पत्र के अनुसार 22 अगस्त को हैदरनगर पूर्वी पंचायत सचिवालय में शिविर लगाया जाएगा। इसमें चौकड़ी, बरेवा, बिलासपुर, कुकही समेत सात पंचायतों के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। वहीं 25 अगस्त को हैदरनगर पश्चिमी पंचायत सचिवालय में शिविर आयोजित होगा। इसमें परता, खरगड़ा, बभंडी और मोकहरकला समेत संबंधित पंचायतों के ग्रामीणों के लाइसेंस बनाए जाएंगे।लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदकों को आधार कार्ड, जन्मतिथि प्रमाण-पत्र, ब्लड ग्रुप रिपोर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे।

विभाग का उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध कराने के साथ वैध ड्राइविंग लाइसेंस और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।इस पहल से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय आने-जाने की परेशानी और अतिरिक्त खर्च से राहत मिलेगी। विभाग ने लोगों से निर्धारित तिथि पर आवश्यक कागजात के साथ शिविर में पहुंचकर सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

रात्रि गश्ती व एंटी क्राइम चेकिंग बढ़ाएं : एसपी

लातेहार, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शुक्रवार को हेरहंज थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना के महत्वपूर्ण अभिलेखों व विभिन्न पंजियों की बारीकी से जांच की। लंबित एवं पुराने मामलों की समीक्षा करते हुए एसपी ने उनके त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने के लिए रात्रि गश्ती को प्रभावी करने तथा सघन एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया।

साइबर अपराध से लेकर गुड टच-बैड टच तक, बच्चों को सुरक्षा का पाठ

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देश पर महिला थाना हुसैनाबाद की पुलिस टीम ने गुरुवार को मध्य विद्यालय, जपला में छात्र-छात्राओं के बीच विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य बच्चों को अपराध, नशा और सामाजिक कुरीतियों से बचाने के साथ उन्हें अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग करना रहा।

पुलिस पदाधिकारियों ने बच्चों को अनुशासन, नशामुक्ति, साइबर अपराध, मोबाइल के सुरक्षित इस्तेमाल, सोशल मीडिया, गुड टच-बैड टच, छेड़खानी, घरेलू हिंसा और डायन प्रथा जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। बच्चों को समझाया गया कि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल सावधानी से करें तथा किसी अनजान व्यक्ति के साथ निजी जानकारी, फोटो, पासवर्ड, ओटीपी अथवा बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। साइबर अपराध से बचाव के लिए फर्जी सोशल मीडिया आईडी, साइबर बुलिंग, संदिग्ध लिंक, आपत्तिजनक संदेश, ऑनलाइन ठगी और अनजान लोगों से ऑनलाइन संपर्क के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध का शिकार होने पर डरने या चुप रहने के बजाय तत्काल अभिभावक, शिक्षक अथवा पुलिस को इसकी जानकारी दें। अभियान के दौरान बच्चों को गुड टच और बैड टच की जानकारी देते हुए अपने शरीर की सुरक्षा और व्यक्तिगत सीमाओं के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस ने कहा कि किसी भी असहज या अनुचित स्पर्श की स्थिति में बच्चे तुरंत विरोध करें और किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी दें।बच्चों को बाल शोषण, यौन उत्पीड़न, बाल विवाह, मानव तस्करी और बाल अधिकारों के संबंध में भी जागरूक किया गया। पुलिस पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की धमकी, दबाव या उत्पीड़न को छिपाने के बजाय इसकी सूचना तत्काल विश्वसनीय व्यक्ति या पुलिस को दी जानी चाहिए। डायन प्रथा को सामाजिक कुरीति बताते हुए पुलिस ने कहा कि किसी महिला को डायन बताकर प्रताड़ित करना, मारपीट करना, सामाजिक बहिष्कार करना अथवा हिंसा करना अपराध है।

पेट्रोल पंप कर्मी की संदिग्ध मौत में दीपक यादव पर नामजद प्राथमिकी

डीजल के बकाया पैसे मांगने पर हाईवा चढ़ाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप, भाई ने दर्ज कराया मामला

हुसैनाबाद, पलाम, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हुसैनाबाद (जपला) के कुर्मी टोला निवासी राजू कुमार चौधरी की पिपरा थाना क्षेत्र के बांसदोहर स्थित वैष्णवी पेट्रोल पंप पर हुई संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आया है। मृतक के भाई शंकर चौधरी के लिखित आवेदन के आधार पर पिपरा थाना पुलिस ने बरदाग गांव निवासी दीपक कुमार यादव के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राथमिकी में मृतक के भाई ने आरोप लगाया है कि दीपक कुमार यादव द्वारा पेट्रोल पंप से उधार लिए गए डीजल के पैसे की मांग करने पर राजू कुमार चौधरी को कथित तौर पर धमकी दी जाती थी। आवेदन में कहा गया है कि करीब एक सप्ताह पूर्व भी दीपक कुमार यादव द्वारा राजू को हाईवा चढ़ाकर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसको लेकर राजू ने अपनी मां को भी आशंका जताई थी कि उसकी हत्या की जा सकती है। शंकर चौधरी के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के बाद जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां राजू को गंभीर हालत में पाया गया। प्राथमिकी में घटना के दौरान मौजूद लोगों और मौके की परिस्थितियों का भी उल्लेख किया गया है। किसी ने गैस से जलने और किसी ने बिजली करंट लगने से मौत होने की बात कही है। जबकि मृतक के शरीर पर चोट के निशान होने तथा नाक से खून आने की बात भी आवेदन में कही गई है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अब पिपरा पुलिस घटनास्थल की परिस्थितियों, मृतक के परिजनों के आरोप, पोस्टमार्टम रिपोर्ट,नामजद आरोपी से जुड़े तथ्यों तथा अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।हालांकि, प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस जांच के बाद ही राजू कुमार चौधरी की मौत के वास्तविक कारण और घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो पाएगी।

एलएण्डटी कंपनी के वेयरहाउस लूटकांड का खुलासा, मुख्य साजिशकर्ता समेत दो गिरफ्तार

हजारीबाग पुलिस की एसआइपी ने की कार्रवाई, लूटे गए मोबाइल, एलसीडी मॉनिटर और केबल वायर बरामद; दोनों आरोपियों का रहा है आपराधिक इतिहास

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चरही थाना क्षेत्र में स्थित छ&ळ कंपनी के वेयरहाउस में गार्ड को बंधक बनाकर हुई लूट की घटना का हजारीबाग पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर लूटे गए सामान भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 18/19 जुलाई 2026 की रात चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत चरही ओवरब्रिज के पास स्थित छ&ळ कंपनी के वेयरहाउस में अज्ञात अपराधियों ने गार्ड को बंधक बनाकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस संबंध में चरही थाना कांड संख्या-59/26, दिनांक 19 जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी दौरान पेलावल ओपी क्षेत्र में भी लूट की एक घटना को अंजाम दिया गया था, जिसके संबंध में कटकमसांडी (पेलावल ओपी) थाना कांड संख्या-105/26 दर्ज किया गया।

दोनों मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ के नेतृत्व में विशेष जांच दल (स्क्ळ) का गठन किया गया। गठित टीम ने तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान करते हुए मामले के मुख्य साजिशकर्ता मो. जमाल और उसके सहयोगी मो. नासीर को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार मो. जमाल, उम्र करीब 30 वर्ष, रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत मायल गांव का निवासी है, जबकि मो. नासीर रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत जरियो गांव का निवासी बताया गया है।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों की निशानदेही पर छ&ळ कंपनी के वेयरहाउस से लूटे गए सामानों की बरामदगी की गई है। पुलिस के अनुसार, लूट का सामान हजारीबाग के एक कबाड़ी व्यापारी को बेचा गया था। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बरामद सामान

पांच की-पैड मोबाइल फोन

एसीआर कंपनी का एक एलसीडी मॉनिटर

केबल वायर (केबल तार)

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है और उनके विरुद्ध रामगढ़, रजरप्पा, कुज्जू, कटकमसांडी तथा सिकिदिरी थाना क्षेत्रों में चोरी एवं अन्य मामलों के कई मामले दर्ज हैं।

इस सफल कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ फौजान अहमद, चरही थाना प्रभारी अजीत कुमार, पेलावल ओपी थाना प्रभारी बिट्टु रजक, चुरचू थाना प्रभारी कुमार आश्विनी, चरही थाना के अभय आनंद, पेलावल थाना के प्रमोद राय सहित तकनीकी शाखा, चरही थाना एवं पेलावल ओपी के पुलिस बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्नातक विज्ञान में नामांकन पर रोक के बाद विवि के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान

हुसैनाबाद, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवादाता। संबद्धता की निर्धारित शर्तों और नियमों के अनुपालन को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक विज्ञान में नामांकन पर रोक लगाए जाने के बाद ए.के. सिंह महाविद्यालय, जपला में विवाद गहराता जा रहा है। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा अब विश्वविद्यालय के निर्णय के विरोध में छात्रों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर उच्च शिक्षा व्यवस्था, विश्वविद्यालयीय अनुशासन और छात्रों के भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राम सुभग सिंह ने 14 अगस्त को जारी आवश्यक सूचना में विश्वविद्यालय के निर्णय को ह्लतानाशाही एवं छात्र-विरोधी रवैयाह्व बताया है। सूचना के अनुसार, 17 से 25 अगस्त तक महाविद्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। छात्रों से अपने कथित ह्लमौलिक अधिकारह्व की रक्षा के लिए अभियान में शामिल होने तथा अपनी आवाज राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री तक पहुंचाने की अपील की गई है। किंतु 25 जुलाई को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया था कि विश्वविद्यालय ने यूजीसी के प्रावधानों और नैक के निदेशों के आलोक में शिक्षकों की भारी कमी को देखते हुए यह कार्रवाई की है।

ए.के. सिंह महाविद्यालय में बढ़ा विवाद

इस संबंध में कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मार्च 2025 में विश्वविद्यालय की निरीक्षण टीम ने जिले के दोनों कॉलेजों का दौरा किया था। निरीक्षण में पाया गया कि एके सिंह डिग्री कॉलेज, जपला और मजदूर किसान कॉलेज, पांकी में यूजीसी द्वारा निर्धारित 1:60 के शिक्षक-छात्र अनुपात का पालन नहीं किया जा रहा था। दोनों कॉलेजों में लगभग 3000 छात्र नामांकित हैं, जबकि अनुपात में शिक्षक नहीं हैं। टीम ने तभी दोनों कॉलेजों को कमियों को दूर करने का निर्देश दिया था। लेकिन सुधार नहीं किया गया।

ए.के. सिंह महाविद्यालय नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर से संबद्ध महाविद्यालय है। विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2026-30 में बीएससी में नामांकन पर रोक लगाए जाने के बाद महाविद्यालय प्रबंधन ने इस निर्णय के विरुद्ध सार्वजनिक रूप से अपना विरोध दर्ज कराया है।महाविद्यालय की ओर से जारी सूचना में चांसलर पोर्टल नहीं खुलने को छात्रों के शिक्षा के अधिकार से जोड़ते हुए हस्ताक्षर अभियान की बात कही गई है।

तांतरी दक्षिणी पंचायत में उपायुक्त ने की विकास कार्यों की समीक्षा, ग्रामीणों की समस्या सुनी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने जरीडीह प्रखंड अंतर्गत तांतरी दक्षिणी पंचायत भवन में पंचायत क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को क्रमवार सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को समस्याओं के समाधान को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। वहीं, जिन मामलों में प्रक्रिया अथवा अन्य स्तर से स्वीकृति की आवश्यकता है, उनमें नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

विस्थापित परिवारों की समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर

तांतरी दक्षिणी पंचायत क्षेत्र पुनर्वास क्षेत्र है, जहां बीएसएल प्लांट के विस्थापित परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों द्वारा उपायुक्त के समक्ष पर्चा, पुनर्वास, नियोजन, बुनियादी सुविधाओं सहित विस्थापित परिवारों से जुड़ी विभिन्न समस्याएं रखी गईं। उपायुक्त ने विस्थापितों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा सकारात्मक एवं ठोस पहल की जा रही है। उन्होंने विस्थापित को पर्चा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने - सुनवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित अभिलेखों एवं पात्रता की जांच के बाद शिविर आयोजित कर विस्थापितों को पर्चा उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संबंधित पदाधिकारी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि पात्र लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

विद्यालय बाउंड्री वॉल, सोलर लाइट एवं सभागार की समस्याओं के समाधान का निर्देश

ग्रामीणों द्वारा विद्यालय, बाउंड्री वॉल, सोलर लाइट तथा सभागार निर्माण से संबंधित समस्याएं भी उपायुक्त के समक्ष रखी गईं। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सभागार निर्माण के लिए ग्रामसभा से प्रस्ताव पारित कर भेजने को कहा, ताकि नियमानुसार इसकी स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। वहीं, पंचायत क्षेत्र में सोलर लाइट से संबंधित समस्या को भी प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन और ग्रामीणों के बीच निरंतर संवाद से ही समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, बीडीओ कुमार कनिष्क, सीओ प्रणव ऋतुराज, थाना प्रभारी विपिन चंद्र महतो, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, मुखिया शांति देवी, उप मुखिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएल में 'गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से सेवा अनुबंध' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के माध्यम से सेवा अनुबंधों पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लगभग 50 अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास), मुख्य महाप्रबंधक (सर्विसेज) एवं मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) सह एसीवीओ के साथ 'जेम' के विशेषज्ञ एवं कई वरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी का स्वागत करते हुए 'जेम के माध्यम से सेवा अनुबंधों' की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी साझा की। प्रशिक्षण सत्र के दौरान 'जेम' के विशेषज्ञ द्वारा जेम-पोर्टल के माध्यम से सेवा अनुबंध प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी साझा की गई। सत्र के दौरान सेवा अनुबंध प्रक्रियाओं, बिड प्रबंधन, अनुबंध प्रशासन तथा वैधानिक अनुपालन से जुड़ी आवश्यकताओं जैसे प्रमुख विषयों को विस्तार से कवर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को ऑनलाइन जूम लिंक के माध्यम से भी संचालित किया गया, जिसमें कई अधिकारियों ने ऑनलाइन सहभागिता करते हुए जेम-आधारित सेवा अधिप्राप्ति की अपनी समझ को सुदृढ़ किया तथा सेवा अनुबंधों से जुड़े व्यावहारिक मुद्दों एवं शंकाओं के समाधान का उपयोगी अवसर प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण पहल बोकारो इस्पात संयंत्र में सेवा अनुबंधों के प्रबंधन में पारदर्शिता, कार्यकुशलता और वैधानिक अनुपालन को सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत प्रभावी रही। अनुबंध प्रबंधन प्रक्रियाओं का यह डिजिटलीकरण और अधिकारियों का निरंतर क्षमता संवर्धन संयंत्र के प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम, सटीक और समयबद्ध बनाने के प्रति बीएसएल की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से रेखांकित करता है।

हम आपको सुनते हैं लोक संवाद में बुजुर्ग महिला की फरियाद पर त्वरित पहल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आमजनों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम में चंद्रपुरा प्रखंड की बुजुर्ग महिला जरीना खातून की लंबित वृद्धावस्था पेंशन की समस्या का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। चंद्रपुरा प्रखंड अंतर्गत चंदनाबाद निवासी जरीना खातून ने लोक संवाद में अपनी समस्या रखते हुए बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ मिल रहा था, लेकिन पिछले करीब 14 माह से पेंशन की राशि उनके खाते में नहीं आई है। पेंशन की राशि के लिए वह पिछले कई महीनों से प्रखंड कार्यालय एवं बैंक के चक्कर लगा रही थीं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण लंबित पेंशन राशि उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को आवश्यक कार्रवाई करते हुए लंबित पेंशन राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा ने बताया कि 24 घंटे के भीतर 14 माह की लंबित पेंशन राशि लाभुक के बैंक खाते में भुगतान कर दी जाएगी। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जरूरतमंद एवं पात्र लाभुकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले, यह जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब नहीं हो तथा लाभुकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। लोक संवाद कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त कुल 46 मामलों की सुनवाई की। उन्होंने प्रत्येक मामले की अद्यतन स्थिति की जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से लेते हुए नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हम आपको सुनते हैं लोक संवाद जिला प्रशासन और आमजनों के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख रहे हैं और प्रशासन द्वारा मामलों का संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस नेताओं पर टिप्पणी के विरोध में सांसद ढुल्लू महतो का पुतला दहन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में धनबाद नगर कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। रणधीर वर्मा चौक, कोर्ट मोड़ पर संध्या 4 बजे सांसद का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व नगर अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि कतरास के छाताबाद में भू-धंसान प्रभावित परिवारों से मिलने गए कांग्रेस नेताओं पर सांसद की टिप्पणी से कार्यकताओं और आम जनता में भारी रोष है। नगर अध्यक्ष ने कहा कि, गरीब, मजदूर और भू-धंसान पीड़ितों से मिलना और उनके आंसू पोंछना हर जनप्रतिनिधि का सामाजिक दायित्व है। इस पर आपत्ति जताना दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद को दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले अपने आचरण पर आत्ममंथन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि जिन नेताओं पर टिप्पणी की गई उनका सार्वजनिक जीवन और जनसेवा का लंबा इतिहास है। कांग्रेस टीम में के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री इरफान अंसारी, विधायक कुमार जयमंगल सिंह, पूर्व विधायक जलेश्वर महतो, लोकसभा प्रत्याशी अनुपमा सिंह, विधानसभा प्रत्याशी अजय दुबे और जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने छाताबाद पहुंचकर पीड़ितों की पीड़ा समझी।सिंह ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास मनरेगा, RTI, राइट टू फूड, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अधिकार देकर गरीबों को सशक्त करने का रहा है। कोयलांचल की जनता मजदूरों के महानायक स्व. राजेंद्र प्रसाद सिंह उर्फ राजेंद्र बाबू के योगदान को कभी नहीं भुला सकती। नगर कांग्रेस ने मांग की कि सांसद अपने कथित बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, नहीं तो लोकतांत्रिक तरीके से विरोध और तेज किया जाएगा। साथ ही भू-धंसान प्रभावितों को न्याय, पुनर्वास और सुरक्षा देने की मांग भी उठाई। जिलाध्यक्ष कुमार सिंह, मदन महतो, बिजेंद्र सिंह, आदित्य आनंद, शाहिद कमर, महेंद्र दुबे, मंटू दास, जहीर अंसारी, बबलू दास, शंकर प्रजापति, सत्यनारायण पांडे, गोपाल चौधरी, साहिल अंसारी, हरेंद्र शाही, प्रमोद सिंह, ओम प्रकाश, वीरेंद्र पासवान, सोनू यादव, मनोहर दास, साजन कुमार, शैलेश कुमार, ए के झा, रजनीकांत, इरफान खान, मोहन यादव, अशोक साव, जय मंगल यादव, छोटू यादव, देव कुमार, अनिल राय, जितेंद्र सिंह, साबिर आलम, मधुसूदन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने सुनी आम जनों की शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए आम जनों की शिकायत सुनीं। जनता दरबार में केंदुआडीह से आए व्यक्ति ने भू-माफिया द्वारा जमीन का अतिक्रमण करने, पांडरपाला से आए व्यक्ति ने सड़क दुर्घटना के अंतर्गत मुआवजा दिलाने, झरिया के लिलोरी पथरा से आए व्यक्ति ने बेलगड़िया में आवास उपलब्ध कराने, जिनागोड़ा से आए व्यक्ति ने मुख्य मार्ग को ओवर बर्डन गिराकर अवरुद्ध करने, बाघमारा के हरिजन टोला से आई महिला ने उन पर आश्रित तीन दिव्यांग पुत्रियों के जीविका उपार्जन के लिए सरकारी सहायता उपलब्ध कराने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने आमजनों की शिकायतों का समाधान करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दरबार में जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा भी मौजूद थे।

गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस में आइडिया ट्राइब एवं स्मार्ट स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस, चास में आइडिया ट्राइब 2026 के संस्थागत स्तर के प्रथम चरण एवं स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। आइडिया ट्राइब के तहत 10 प्रोजेक्ट और स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के अंतर्गत 30 प्रोजेक्ट व रिसर्च आइडिया प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने पीपीटी और फिजिकल प्रोटोटाइप के माध्यम से अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया। प्रोजेक्ट्स में तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की क्षमता देखने को मिली। कार्यक्रम आईआईसी कोडीनेटर प्रो. पंकज कुमार राय के नेतृत्व में प्रो. सुमन कुमारी एवं प्रो. परमेश्वर रजक के सहयोग से आयोजित हुआ। निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने कहा कि आने वाले समय में अन्वेषण और आइडिया देश के भविष्य को नई दिशा देंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध और नवाचार के लिए प्रेरित किया। आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र एवं एआई/एमएल विशेषज्ञ इंजीनियर मनीष राज ने बाह्य पर्यवेक्षक के रूप में प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन किया। संस्थान के विभागाध्यक्षों ने आंतरिक पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। निदेशक ने बताया कि जे सी एस आई टी, रांची द्वारा डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता को 4.50 लाख तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विकास घोषाल को 1.05 लाख का शोध अनुदान मिला है। उन्होंने जे यू टी के कुलपति प्रो. डॉ. डी. के. सिंह के मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

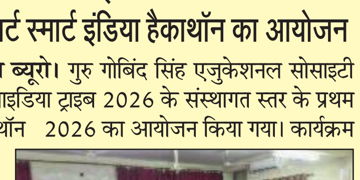

आदिवासी युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अंगवाली, चलकरी कटहल टोला में आदिवासी युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर भाजपा नेताओं ने पीड़िता एवं उसके परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली।भाजपा नेताओं ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग एवं न्याय दिलाने का भरोसा दिया। भाजपा नेताओं ने सरकार एवं प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर आरोपियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की जाए। भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने स्पष्ट कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि सरकार एवं प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो भारतीय जनता पार्टी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

ग्रामीण एसपी ने महिला पर्यवेक्षिका, सेविकाओं को दिया साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

साइबर ठगी के नए तरीकों से कराया अवगत, दिए बचाव के टिप्स

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देशानुसार धनबाद में चलाए जा रहे विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान को अब ग्रामीण क्षेत्रों में और व्यापक स्तर तक पहुंचाने की पहल की गई है। इस कड़ी में शुक्रवार को पुलिस केंद्र में महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं सेविकाओं के लिए विशेष साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर का नेतृत्व ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने किया। मौके पर साइबर डीएसपी प्रदीप कुमार साव समेत जिले की सैकड़ों महिला पर्यवेक्षिकाएं एवं सेविकाएं मौजूद थीं। प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीण एसपी एवं साइबर डीएसपी ने साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों, ठगी के नए तरीकों और उससे बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीकों का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में सतर्कता और जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। ग्रामीण एसपी ने कहा कि महिला पर्यवेक्षिकाएं एवं सेविकाएं सरकार की विभिन्न योजनाओं और सामाजिक कार्यों के सिलसिले में लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर तक पहुंचती हैं। उनकी पहुंच सुदूर ग्रामीण इलाकों तक है। ऐसे में उन्हें साइबर सुरक्षा के प्रति प्रशिक्षित करने का उद्देश्य यह है कि पुलिस का सुरक्षा संदेश गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच सके। इस मुहीम मे सभी महिला पर्यवेक्षिकाएं एवं सेविकाएं साइबर सखी की भूमिका के तहत लोगों को जागरूक करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित महिला पर्यवेक्षिका एवं सेविकाएं अपने कार्यक्षेत्र में लोगों को साइबर ठगी के प्रति जागरूक करेंगी तथा उन्हें संदिग्ध फोन कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी, केवाईसी अपडेट, बैंकिंग फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी से करने, अपना बैंक अकाउंट और सिम कार्ड किसी दूसरे को नहीं देने और अन्य साइबर अपराधों से सावधान रहने की जानकारी देंगी। साथ ही लोगों को यह भी बताया जाएगा कि किसी भी परिस्थिति में बैंकिंग अथवा निजी जानकारी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। साइबर अपराधी अक्सर सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के साथ साथ सस्ता लोन और वित्तीय लाभ देने का लालच देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। लोगों को ऐसे प्रलोभन से सावधान रहने को कहा गया। प्रशिक्षण शिविर में साइबर अपराध के अलग-अलग पहलुओं पर उदाहरण के साथ चर्चा की गई।

जन समस्याएं एवं फीडबैक को प्रशासन तक पहुंचाने का सोशल एक सशक्त माध्यम : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाले जनसमस्याओं, शिकायतों एवं फीडबैक की समीक्षा करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं एवं फीडबैक का प्रशासन सम्मान करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या प्रशासन के समक्ष रख सकता है। हालांकि, किसी भी व्यक्ति को भ्रामक जानकारी प्रसारित कर अव्यवस्था पैदा करने, जनता को भड़काने अथवा जनमत को प्रभावित कर माहौल खराब करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे मामलों को चिन्हित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जनहित में सकारात्मक भूमिका का स्वागत है, लेकिन विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने अथवा सामाजिक माहौल खराब करने की किसी को अनुमति नहीं होगी।

पिलपिला गांव में जमीन से आग निकलने की घटना की समीक्षा

बैठक के दौरान गोमिया प्रखंड अंतर्गत पिलपिला गांव में भूमि से आग निकलने की घटना की उपायुक्त ने समीक्षा की। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो श्री मनोज कुमार से क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने ओएनजीसी एवं सीसीएल के अधिकारियों से मामले में पूर्व में हुई बैठक की कार्रवाई एवं प्रगति रिपोर्ट के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो को संबंधित क्षेत्र की बारीकी से ट्रैकिंग करने तथा प्रत्येक सप्ताह इसकी समीक्षा करते हुए लगातार मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बीडीओ एवं सीओ को निर्देशित किया कि संबंधित क्षेत्र में कार्य एजेंसी द्वारा बिना सक्षम अनुमति के डीप बोरिंग का कार्य नहीं किया जाए, इसे सुनिश्चित करें।

जेएसएलपीएस की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा

उपायुक्त ने बैठक में जेएसएलपीएस के अंतर्गत प्राप्त आवंटन एवं उसके विरुद्ध किए गए व्यय की समीक्षा की। इस क्रम में जेएसएलपीएस के खर्च में राज्य में छठे स्थान पर रहने तथा बेहतर प्रदर्शन की जानकारी मिली। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने प्रखंड में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी बीडीओ प्रत्येक माह जेएसएलपीएस के कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने एसएचजी दीदी के माध्यम से पत्रकार दीदी चिन्हित करने जनहितकारी गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

समय पर स्क्रीनिंग से गंभीर आनुवंशिक बीमारियों की रोकथाम संभव : उपायुक्त

थैलेसीमिया एवं सिकल सेल की समय पर पहचान के लिए स्क्रीनिंग पर जोर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जेएचपीईगो एवं विकास सारथी के संयुक्त तत्वावधान में प्रोजेक्ट स्वास्थ्य के तहत संवेदीकरण कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार को सेक्टर-वन स्थित हंस रेजेंसी सभागार में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य थैलेसीमिया एवं सिकल सेल जैसी आनुवंशिक बीमारियों की रोकथाम, समय पर पहचान, स्क्रीनिंग, काउंसलिंग एवं उपचार को लेकर संबंधित पदाधिकारियों एवं हितधारकों को जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में केवल उपचार ही नहीं, बल्कि बीमारियों की रोकथाम एवं समय पर पहचान सबसे महत्वपूर्ण है। संभावित मरीजों की प्रारंभिक अवस्था में स्क्रीनिंग कर उनकी पहचान एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने से गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोका जा सकता है और अस्पतालों पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि थैलेसीमिया एवं सिकल सेल जैसी आनुवंशिक बीमारियों की स्क्रीनिंग को पूरे बोकारो जिले में व्यापक स्तर पर संचालित करने की आवश्यकता है। इसके लिए जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, कोल इंडिया एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं को मिलकर कार्य करना होगा। उपायुक्त ने नेस्क्रीनिंग के बाद चिन्हित मरीजों का कन्फर्मेटरी टेस्ट, काउंसलिंग, रेफरल एवं नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्क्रीनिंग से प्राप्त डेटा को स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ते हुए चिन्हित मरीजों की नियमित ट्रैकिंग की व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि उन्हें समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने सिविल सर्जन को जिले में स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख चुनौतियों एवं प्राथमिकताओं को चिन्हित करते हुए समग्र कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, परियोजना की प्रगति एवं मरीजों के फॉलो-अप की नियमित समीक्षा करने को कहा।

स्क्रीनिंग के साथ काउंसलिंग एवं फॉलो-अप भी जरूरी : सिविल सर्जन

मौके पर अपने संबोधन में सिविल सर्जन डॉ. ए.बी. प्रसाद ने कहा कि थैलेसीमिया एवं सिकल सेल जैसी आनुवंशिक बीमारियों की समय पर पहचान के लिए स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है। जिले के 16 स्वास्थ्य केंद्रों पर स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। स्क्रीनिंग के बाद मरीजों की कन्फर्मेटरी जांच, काउंसलिंग, रेफरल एवं नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाएगा। प्रोजेक्ट स्वास्थ्य के माध्यम से स्क्रीनिंग एवं जागरूकता को और व्यापक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यशाला में परियोजना के उद्देश्यों, स्क्रीनिंग प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान उप विकास आयुक्त शताब्दी मजमूदार, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, डी. कुलभूषण सिंह (जेएचपीईगो), संजीत कुमार (कोल इंडिया प्रतिनिधि), रंजन कुमार (विकास सारथी के सचिव) एवं संजय सिंह (जन जागरण केंद्र के सचिव) उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK